Website : www.mantrabharat.com
जुनून है सच लिखने का
E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 52
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
शनिवार, 28 फरवरी, 2026

मंत्र भारत
हिन्दी दैनिक
मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

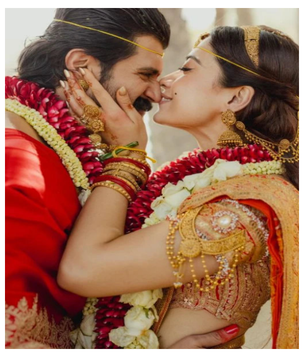

3 मराठी को ज्ञान की भाषा बनाकर नई पीढ़ी ...
4 एलियंस की तलाश या वैज्ञानिक भ्रम? ओबामा...
7 अभिषेक शर्मा को डिफेंसिव खेलते देखकर...

संक्षिप्त न्यूज

एक साथ चार विधानसभाओं से शुरू होगी भाजपा की 'परिवर्तन यात्रा', अमित शाह दिखाएंगे हरी झंडी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी ने राज्यभर में 'परिवर्तन यात्रा' निकालने की तैयारी तेज कर दी है। पार्टी के मुताबिक, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 2 मार्च को इस यात्रा को औपचारिक रूप से हरी झंडी दिखाएंगे। प्रदेश भाजपा से मिली जानकारी के अनुसार, अमित शाह 1 मार्च को रात करीब 10 बजे कोलकाता एयरपोर्ट पहुंचेंगे। इसके बाद वे प्रदेश नेताओं के साथ बैठक कर चुनावी रणनीति और संगठनात्मक तैयारियों की समीक्षा करेंगे।

रायदिघी से औपचारिक शुरुआत

भाजपा नेताओं के अनुसार, 2 मार्च की सुबह दक्षिण 24 परगना जिले के रायदिघी विधानसभा क्षेत्र से परिवर्तन यात्रा का औपचारिक शुभारंभ होगा। यहां अमित शाह कार्यकर्ताओं और समर्थकों को संबोधित करेंगे। पार्टी सूत्रों का कहना है कि इसी दिन राज्य के चार अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों से चार समानांतर परिवर्तन यात्राएं एक साथ शुरू की जाएंगी। इनमें–

कूचबिहार जिले का कूचबिहार दक्षिण।
नदिया जिले का कृष्णनगर दक्षिण।
पश्चिम बर्दवान जिले का कुल्टी।
पश्चिम मेदिनीपुर जिले का गरबेता शामिल हैं।

भाजपा का दावा है कि ये यात्राएं राज्य के विभिन्न हिस्सों से गुजरते हुए जनता तक 'परिवर्तन का संदेश' पहुंचाएंगी।

अनुमति को लेकर विवाद, हाईकोर्ट में याचिका

इधर, राज्य पुलिस ने परिवर्तन यात्रा के लिए अनुमति नहीं दी है। इसके बाद भाजपा ने कलकत्ता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। पार्टी ने 22 फरवरी को संबंधित थानों में अनुमति के लिए आवेदन दिया था, लेकिन मंजूरी नहीं मिलने पर अदालत में याचिका दायर की गई।

पीएम मोदी का राजस्थान-गुजरात दौराः

करोड़ों की परियोजनाओं की सौगात देंगे, सेमीकंडक्टर प्लांट का उद्घाटन भी होगा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को राजस्थान और गुजरात के महत्वपूर्ण दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे देश की महिलाओं के स्वास्थ्य, युवाओं के रोजगार और भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता से जुड़ी कई बड़ी परियोजनाओं की शुरुआत करेंगे।

राजस्थान में 16,680 करोड़ की परियोजनाओं का तोहफा

प्रधानमंत्री सुबह करीब 11:30 बजे राजस्थान के अजमेर पहुंचेंगे। यहां वे 16,680 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। ये प्रोजेक्ट्स मुख्य रूप से शहरी विकास, स्वच्छ पेयजल, सड़क नेटवर्क, सिंचाई, ऊर्जा और औद्योगिक बुनियादी ढांचे से संबंधित हैं। इस अवसर पर वे एक विशाल जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम

महिलाओं के बेहतर स्वास्थ्य की दिशा में प्रधानमंत्री अजमेर से एक ऐतिहासिक कदम उठाएंगे। वे 14 साल की लड़कियों के लिए 'ह्यूमन पेपिलोमावायरस' (एचपीवी) वैक्सीनेशन का राष्ट्रव्यापी अभियान लॉन्च करेंगे। इस पहल का मकसद सर्वाइकल कैंसर को रोकना है, जो महिलाओं में कैंसर से जुड़ी बीमारियों के मुख्य कारणों में से एक है और यह देश भर में लड़कियों और

महिलाओं की लंबे समय तक सेहत की सुरक्षा में एक अहम मील का पत्थर है।

सड़क और बुनियादी ढांचे का विस्तार

कनेक्टिविटी को रफ्तार देने के लिए प्रधानमंत्री कई नेशनल हाईवे प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन करेंगे। इनमें जयपुर से बांदीकुई के बीच 4-लेन ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे, अमृतसर-जामनगर इकोनॉमिक कॉरिडोर का एक हिस्सा और दिल्ली-वडोदरा एक्सप्रेसवे का 8-लेन सेक्शन शामिल है। इसके अलावा जोधपुर में 4-लेन एलिवेटेड रोड और बारां जिले में नए स्टेट हाईवे का शिलान्यास भी होगा।

पेयजल और ऊर्जा क्षेत्र में सुधार

हर घर तक साफ पानी पहुंचाने के संकल्प के तहत प्रधानमंत्री नोनेरा और परवन अकवाड़ पेयजल परियोजनाओं के कई पैकेजों की नींव रखेंगे। साथ ही, राजस्थान को रिन्यूएबल एनर्जी का हब बनाने के लिए वे नए ट्रांसमिशन सिस्टम का उद्घाटन करेंगे। वे पांच 220 केवी और दो 400 केवी ग्रिड सबस्टेशन का शिलान्यास भी करेंगे ताकि बिजली की सप्लाई बिना रुकावट हो सके।

पीएम युवाओं को देंगे नियुक्ति पत्र

रोजगार के मोर्चे पर प्रधानमंत्री राजस्थान के विभिन्न सरकारी विभागों में चयनित 21,800 से अधिक नए युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटेंगे। यह कदम युवाओं को सशक्त बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

गुजरात में सेमीकंडक्टर क्रांति का आगाज

इसके बाद दोपहर करीब 3:45 बजे प्रधानमंत्री गुजरात के साणंद पहुंचेंगे। यहां वे माइक्रोन कंपनी की सेमीकंडक्टर असेंबली, टेस्ट और पैकेजिंग (एटीएमपी) फैसिलिटी का उद्घाटन करेंगे। यह भारत के सेमीकंडक्टर मिशन के तहत मंजूर पहला प्रोजेक्ट है, जिसकी लागत 22,500 करोड़ रुपये से अधिक है। वह इस मौके पर मौजूद लोगों को भी संबोधित करेंगे।

यह प्लांट भारत को ग्लोबल सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन की स्थिति को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यहां 'मेड-इन-इंडिया' मेमोरी मॉड्यूल का उत्पादन होगा, जो दुनिया भर के बाजारों में भेजे जाएंगे। यह फैसिलिटी पांच लाख स्क्वायर फीट में फैली है और दुनिया के सबसे बड़े क्लीनरूम स्पेस में से एक है। यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग की बढ़ती वैश्विक मांग को पूरा करने में मदद करेगी।

ओडिशा राज्यसभा चुनाव में सियासी चाल तेज

बीजद ने छह नामांकन फॉर्म लेकर बढ़ाई हलचल

भुवनेश्वर। ओडिशा से राज्यसभा की चार सीटों पर होने वाले चुनाव को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। अधिसूचना जारी होते ही बीजू जनता दल (बीजद) के सांसद सस्मित पात्रा ने एक साथ छह नामांकन फॉर्म हासिल कर लिए, जिससे पार्टी की रणनीति को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं।

बीजद की मानी जा रही एक सीट पक्की

दरअसल, 147 सदस्यीय विधानसभा के आंकड़ों के मुताबिक बीजद को एक सीट पक्की मानी जा रही है, जबकि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को दो सीटों पर जीत तय मानी जा रही है। चौथी सीट के लिए किसी भी दल के पास जरूरी 30 प्रथम वरीयता वोट नहीं हैं। भाजपा के पास 79 विधायक हैं और तीन निर्दलीय विधायकों का समर्थन मिलाकर कुल संख्या 82 हो जाती है, जो तीसरी सीट जीतने के लिए आवश्यक आंकड़े से आठ कम है।

चौथी सीट के लिए क्या है कांग्रेस की तैयारी?

वहीं, बीजद के पास दो विधायकों के निलंबन के बाद 48 विधायक रह गए हैं। एक सीट जीतने के बाद उसके पास 18 प्रथम वरीयता वोट बचेंगे, जबकि दूसरी सीट जीतने के लिए उसे 12 और वोटों की जरूरत होगी। कांग्रेस के पास 14 विधायक हैं, जबकि सीपीआई-एम का एक विधायक है। इस बीच कांग्रेस ने बीजद प्रमुख नवीन पटनायक से मुलाकात का समय मांगा है और चौथी सीट के लिए संयुक्त उम्मीदवार उतारने की इच्छा जताई है।

नवीन पटनायक करेंगे अंतिम फैसला

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भक्त चरण दास ने कहा, 'संख्या बल कम होने के बावजूद हम राज्यसभा चुनाव में अहम भूमिका निभाएंगे। मैं दिल्ली जाकर हाईकमान से चर्चा करूंगा और उसके बाद तय होगा कि पार्टी अपना उम्मीदवार उतारेगी या किसी बाहरी उम्मीदवार को समर्थन देगी।'

जेएनयू छात्र संघ का मार्च हुआ हिंसक, पूर्व और वर्तमान अध्यक्ष सहित 14 गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय एक बार फिर तनाव का केंद्र बन गया। गुरुवार शाम छात्र संघ द्वारा आयोजित 'लॉन्ग मार्च' के दौरान छात्रों और दिल्ली पुलिस के बीच हिंसक झड़प हो गई। इस घटना में पुलिस ने कड़ा रुख अपनाते हुए वर्तमान अध्यक्ष अदिति मिश्रा और पूर्व अध्यक्ष नीतीश कुमार सहित 14 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार व्यक्तियों में छात्र नेता, छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष नीतीश कुमार, वर्तमान अध्यक्ष अदिति मिश्रा, उपाध्यक्ष गोपिका बाबू तथा संयुक्त सचिव दानिश अली शामिल हैं। वसंत कुंज उत्तर थाने में प्राथमिकी दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी गई है। झड़प के बाद परिसर और आसपास के क्षेत्रों में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। छात्र संघ के मार्च के दौरान हुई इस घटना में पुलिसकर्मी और छात्र दोनों घायल हुए हैं। पुलिस का दावा है कि प्रदर्शनकारियों ने उन पर हमला किया, जबकि छात्रों का आरोप है कि पुलिस ने अत्यधिक बल प्रयोग किया।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार कुछ लोगों ने लाठियां और जूते फेंके तथा हाथापाई की, जिसमें सहायक पुलिस आयुक्त वेद प्रकाश, सहायक पुलिस आयुक्त संघमित्रा, थाना प्रभारी अतुल त्यागी और थाना प्रभारी अजय यादव सहित लगभग 25 पुलिसकर्मी घायल हो गए।

दिल्ली आबकारी नीति मामले में पूर्व सांसद के. कविता बरी, कोर्ट के फैसले पर कहा- सत्यमेव जयते

हैदराबाद। दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े कथित घोटाले में तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) की बेटी के. कविता को दिल्ली की एक अदालत ने बरी कर दिया। तेलंगाना जागृति की संस्थापक के. कविता ने इस फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए 'सत्यमेव जयते' (सत्य की जीत होती है) की बात कही है। कविता ने दावा किया कि यह मामला राजनीतिक प्रतिशोध के तहत उन्हें फंसाने की एक साजिश थी।

के कविता ने हैदराबाद में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि न्यायपालिका ने दिल्ली आबकारी नीति मामले में झूठ के जाल को काटा है। यह मामला तब चर्चा में आया जब

कविता को मार्च 2024 में गिरफ्तार किया गया था। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद उन्हें अगस्त 2024 को दिल्ली की तिहाड़ जेल से रिहा किया गया था।

केजरीवाल-सिसोदिया भी हुए बरी

इस फैसले से के. कविता को व्यक्तिगत और राजनीतिक रूप से एक बड़ी राहत मिली है। यह मामला फिलहाल कानूनी रूप से समाप्त होता दिख रहा है, लेकिन इसके राजनीतिक निहितार्थों पर चर्चा जारी रहने की संभावना है। गौरतलब है कि इस मामले में कविता के साथ ही आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को भी बरी कर दिया गया है।

दिल्ली की नई शराब नीति क्या थी?

17 नवंबर 2021 को दिल्ली सरकार ने राज्य में नई शराब नीति लागू की। इसके तहत राजधानी में 32 जोन बनाए गए और इनमें कुल मिलाकर 849 दुकानें खुलनी थीं। नई शराब नीति में दिल्ली की सभी शराब की दुकानों को प्राइवेट कर दिया गया। सरकार ने तर्क दिया था कि इससे 3,500 करोड़ रुपये का फायदा होगा। सरकार ने लाइसेंस की फीस भी कई गुना बढ़ा दी। जिस एल-1 लाइसेंस के लिए पहले ठेकेदारों को 25 लाख देना पड़ता था, नई शराब नीति लागू होने के बाद उसके लिए ठेकेदारों को पांच करोड़ रुपये चुकाने पड़े। इसी तरह अन्य कैटेगिरी में भी लाइसेंस की फीस में काफी बढ़ोतरी हुई।

'एक फेज में वोटिंग, ऑनलाइन नॉमिनेशन': तमिलनाडु चुनाव में इस बार कई बड़े बदलाव; CEC ज्ञानेश कुमार ने दिए संकेत

चेन्नई। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज हो गई हैं। चुनाव आयोग राज्य में निष्पक्ष और सुचारू मतदान सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह जुट गया है। इसी सिलसिले में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चेन्नई में एक अहम बैठक की। इस बैठक के बाद उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस में चुनाव से जुड़ी कई महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। उन्होंने बताया कि चुनाव एक ही चरण में कराए जा सकते हैं।

चेन्नई के लीला पैलेस होटल में एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए ज्ञानेश कुमार ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सभी राजनीतिक दलों के साथ विस्तार से चर्चा हुई है। सभी दलों ने एक ही चरण में चुनाव कराने का सुझाव दिया है। आयोग इस पर विचार करने के बाद अंतिम फैसला लेगा।

तैयारियों की समीक्षा बैठक आयोजित

इससे पहले चुनाव आयोग की देखरेख में राज्य भर में चुनाव की तैयारियों को लेकर एक समीक्षा बैठक हुई। इसमें जिला कलेक्टरों और पुलिस अधिकारियों समेत वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। उन्होंने आयोग को सुरक्षा व्यवस्था और अन्य तैयारियों के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर

सीईसी ने पहली बार वोट डालने वाले युवाओं को सम्मानित भी किया।

ऑनलाइन नामांकन की सुविधा का उठा सकते हैं लाभ

ज्ञानेश कुमार ने बताया कि उम्मीदवार चुनाव आयोग के पोर्टल के जरिए ऑनलाइन नामांकन की सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन भरे गए नामांकन को सभी मतदाता देख सकते हैं। हालांकि, कानून के अनुसार, उम्मीदवार तय समय के भीतर रिटर्निंग आफिसर के सामने व्यक्तिगत रूप से भी फार्म जमा कर सकते हैं।

युवा मतदाताओं से खास अपील

मुख्य चुनाव आयुक्त ने 18 से 30 साल के युवा मतदाताओं से बड़ी संख्या में मतदान करने की अपील की। उन्होंने बिहार चुनाव का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां के युवा बड़ी संख्या में वोट डालने के लिए आगे आए थे। उन्हें विश्वास है कि तमिलनाडु के जागरूक मतदाता भी सबसे अधिक मतदान प्रतिशत का रिकार्ड बनाएंगे।

आधार कार्ड को लेकर क्या बोले ज्ञानेश कुमार?

ज्ञानेश कुमार ने आधार कार्ड को लेकर कानूनी स्थिति भी साफ की। उन्होंने कहा कि आधार अधिनियम की धारा 9 के अनुसार, यह नागरिकता या निवास का प्रमाण नहीं है। यह केवल किसी व्यक्ति की पहचान का प्रमाण है। वोटर आईडी केवल उन लोगों को दिया जाता है जो संविधान के अनुच्छेद 326 के तहत पात्रता पूरी करते हैं।

अवैध धन के इस्तेमाल पर रोक लगाने को लेकर उन्होंने चेताया है कि लोग तय सीमा से अधिक नकदी लेकर न चलें। उन्होंने यह भी बताया कि शादी के बाद नाम बदलने के लिए फार्म 8 की प्रक्रिया को आसान बना दिया गया है। उन्होंने विश्वास जताया कि तमिलनाडु बिहार से भी बेहतर और त्रुटिहीन चुनाव कराकर एक नया रिकार्ड स्थापित करेगा।

दिल्ली एक्साइज पॉलिसी केस में कोर्ट से बरी होने के बाद बोले केजरीवाल

मैंने सिर्फ ईमानदारी कमाई, पैसा नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप के नेशनल कन्वीनर अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली एक्साइज पॉलिसी केस में कोर्ट से बरी होने के बाद मीडिया से बात की और कहा कि उन्होंने इन सालों में सिर्फ ईमानदारी कमाई है, पैसा नहीं। उन्होंने कहा कि मैंने इन सालों में सिर्फ ईमानदारी कमाई है, पैसा नहीं। उन्होंने कहा कि आज, कोर्ट ने अपने 600 पेज के ऑर्डर में कहा है कि इस मामले में केस चलाने के लिए ज़रा भी सबूत नहीं है। अरविंद केजरीवाल ने आगे कहा कि दो लोगों, पीएम मोदी और अमित शाह ने आम आदमी पार्टी को खत्म करने की यह साज़िश रची। उन्होंने कहा कि आज उन्हें देश से माफ़ी मांगनी चाहिए....मैंने सिर्फ़ ईमानदारी से कमाया है, पैसा नहीं।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैं मोदी जी को दिल्ली में फिर से चुनाव कराने की चुनौती देता हूं। मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि अगर उन्हें 10 से ज़्यादा सीटें मिलीं, तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा। अपने बरी होने पर कांग्रेस के रिएक्शन पर आप के नेशनल कन्वीनर अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'मैं कांग्रेस से पूछना चाहता हूं - केजरीवाल जेल गए। क्या रॉबर्ट वाड्रा जेल गए? संजय सिंह जेल गए। क्या राहुल गांधी जेल गए? संजय सिंह जेल गए। क्या सोनिया गांधी जी जेल गईं? कांग्रेस क्या कह रही है? क्या उन्हें कोई शर्म नहीं है?

इससे पहले दिन में एक्साइज पॉलिसी केस में कोर्ट से बरी होने के बाद उन्होंने एक रोड शो किया। एक अहम डेवलपमेंट में दिल्ली की एक कोर्ट ने इससे पहले दिन में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उनके डिप्टी मनीष सिसोदिया और 21 अन्य को पॉलिटिकल रूप से चार्ज्ड शराब पॉलिसी केस में बरी कर दिया, और सीबीआई की खिंचाई करते हुए कहा कि उसका केस ज्यूडिशियल स्क्रूटनी में पूरी तरह से टिक नहीं पाया और पूरी तरह से बदनाम हो गया। इस केस में जिन 21 लोगों को क्लीन चिट दी गई है, उनमें तेलंगाना जागृति की प्रेसिडेंट के कविता भी शामिल हैं।

कर्नाटक कांग्रेस में 'पावर गेम' तेज! डी.के. शिवकुमार समर्थकों की गुप्त बैठक, 40 विधायकों ने की मुख्यमंत्री बदलने की मांग

बैंगलुरू। कर्नाटक की सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार में नेतृत्व को लेकर चल रहा विवाद अब निर्णायक मोड़ पर पहुँचता दिख रहा है। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के वफादार विधायकों ने बेंगलुरु के एक निजी होटल में शक्ति प्रदर्शन करते हुए आलाकमान से राज्य के शीर्ष पद (मुख्यमंत्री) पर शिवकुमार की ताजपोशी का रास्ता साफ करने की मांग की है।

होटल में 'रणनीति' और 40 विधायकों का साथ

मगाडी के विधायक एच.सी. बालकृष्ण द्वारा आयोजित इस बैठक ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, लगभग 40 समान विचारधारा वाले विधायक इस बैठक में शामिल हुए। आधिकारिक तौर पर इसे बालकृष्ण के जन्मदिन के उपलक्ष्य में मिलन समारोह बताया गया, लेकिन अंदरूनी चर्चा पूरी तरह नेतृत्व परिवर्तन पर केंद्रित थी।

कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, बृहस्पतिवार रात को लगभग ''समान विचारधारा वाले 40 विधायक'' होटल में जुटे और शिवकुमार को मुख्यमंत्री पद पर आसीन कराने के लिए पैरवी करने का निर्णय लिया। शिवकुमार के वफादार बालकृष्ण ने संवाददाताओं से कहा कि उनका जन्मदिन शनिवार को है। ''मैं शुक्रवार सुबह से यहां (बेंगलुरु) नहीं रहूंगा, इसलिए मैंने बृहस्पतिवार को समान विचारधारा वाले लोगों को मिलने के लिए एक साथ आमंत्रित किया। हमने सभी को बुलाया और यह बैठक की।''

चर्चा के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''यदि पार्टी में ऐसी ही स्थिति रही तो भविष्य में हमारे लिए कठिनाई होगी। (शीर्ष नेतृत्व को) उन्हें इस मुद्दे (नेतृत्व विवाद) को सुलझाना चाहिए। हमने तय किया है कि हम उनसे ऐसा करने का आग्रह करेंगे।'' दिल्ली जाने के सवाल पर बालकृष्ण ने कहा कि मामला राष्ट्रीय राजधानी जाने का नहीं है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में आलाकमान को कर्नाटक में हो रही घटनाओं की जानकारी है।

उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस विधायक अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में जाते हैं तो उन्हें नेतृत्व परिवर्तन को लेकर लगातार सवालों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा, ''हमारे क्षेत्रों में यही चर्चा होती है और इससे हम असहज महसूस करते हैं। हमें शीर्ष नेतृत्व से इस पर विराम लगाने का अनुरोध करना चाहिए।''

बालकृष्ण ने कहा कि नेताओं को अलग-अलग बुलाने से समाधान नहीं निकलेगा। उन्होंने कहा कि जब विधायक मिलते हैं तो स्वाभाविक रूप से इस विषय पर बातचीत होती है। उन्होंने कहा, ''कई विधायकों का मानना है कि जब तक यह मुद्दा सुलझेगा नहीं, तब तक हमारे लिए स्थिति कठिन रहेगी और भविष्य अनिश्चित रहेगा।''

बालकृष्ण ने संकेत दिया कि इससे 2028 के विधानसभा चुनाव में पार्टी की स्थिति पर असर पड़ सकता है। कर्नाटक कांग्रेस इकाई के अध्यक्ष पद में बदलाव की मांग पर बालकृष्ण ने कहा कि यदि शीर्ष नेतृत्व चाहे तो बदलाव कर सकता है। शिवकुमार पिछले 10 वर्षों से इस पद पर हैं। उन्होंने कहा, ''हम केवल अंतिम निर्णय चाहते हैं। अध्यक्ष बदलें या कोई और, यह मुख्य बात नहीं है। हमारी मांग है कि यहां पार्टी की स्थिति को अंतिम रूप दिया जाए।''

यह पूछे जाने पर कि क्या वह मुख्यमंत्री बदलने की वकालत कर रहे हैं, बालकृष्ण ने कहा, ''शीर्ष नेतृत्व ने कहा है कि निर्णय लिया जाएगा। अध्यक्ष बदलना हो या मुख्यमंत्री, यह उनका अधिकार है। लेकिन निर्णय अवश्य होना चाहिए। हम चाहते हैं कि भ्रम समाप्त हो।'' यह बैठक छह मार्च से शुरू हो रहे कर्नाटक विधानसभा के बजट सत्र से लगभग एक सप्ताह पहले हुई। कुछ अन्य विधायकों ने कहा कि वे चाहते हैं कि शिवकुमार, मुख्यमंत्री सिद्धरमैया का स्थान लें। राज्य में सत्ता संघर्ष नवंबर 2025 से तेज हुआ, जब कांग्रेस सरकार ने अपने ढाई वर्ष का कार्यकाल पूरा किया।

'मराठी भाषा गौरव दिवस' श्री अप्पा ठाकुर की जीवनस्पर्शी ग़ज़लों से हुआ समृद्ध

दिव्यांश

मुंबई। विश्व की सभी भाषाओं से प्रेम करते हुए भी हम अपनी मातृभाषा मराठी से विशेष प्रेम करते हैं। मराठी भाषा के महत्व को रेखांकित करते हुए नवी मुंबई के उपमहापौर श्री दशरथ भगत ने कहा कि मराठी भाषा के संरक्षण और संवर्धन की सामूहिक जिम्मेदारी हम सभी की है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी से संवाद करते समय सबसे पहले मराठी में ही बात करनी चाहिए और यदि सामने वाला व्यक्ति वह भाषा न समझे तो उसे समझ में आने वाली अन्य भाषा का सहारा लेना चाहिए।

नवी मुंबई महानगरपालिका द्वारा 27 फरवरी को 'मराठी भाषा गौरव दिवस' के अवसर पर महानगरपालिका मुख्यालय में प्रसिद्ध ग़ज़लकार श्री अप्पा ठाकुर की मराठी ग़ज़लों का कार्यक्रम 'गुंतलेले पाश' आयोजित किया गया।

इस अवसर पर उपमहापौर श्री दशरथ भगत, प्रशासन विभाग के उपआयुक्त श्री किसनराव पलांडे, अतिक्रमण विभाग के उपआयुक्त डॉ. कैलास गायकवाड़, सहायक वैद्यकीय अधिकारी डॉ. रत्नप्रभा चव्हाण, सहायक आयुक्त श्रीमती स्वरूपा पारलिकर एवं श्रीमती दीपाली दिवेकर सहित अनेक अधिकारी, कर्मचारी और साहित्यप्रेमी उपस्थित थे। कार्यक्रम में उपमहापौर श्री दशरथ भगत द्वारा ग़ज़लकार श्री अप्पा ठाकुर का सम्मान किया गया।

इसी प्रकार, नवी मुंबई महानगरपालिका के अतिक्रमण विभाग के उपआयुक्त एवं प्रख्यात ग़ज़लकार डॉ. कैलास गायकवाड़ को हाल ही में पुणे में 'रंगतसंगत' और 'करम प्रतिष्ठा' संस्थाओं द्वारा राज्यस्तरीय प्रतिष्ठित 'ग़ज़ल मित्र' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। ग़ज़ल क्षेत्र में उनकी उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए उपमहापौर द्वारा उनका विशेष सत्कार किया गया।

'दुख को सीने से लगाकर भी उसे सुंदर शब्दों में ढाला जा सकता है' – ऐसा मानने वाले ग़ज़लकार अप्पा ठाकुर ने प्रेम, स्नेह, विरह, वेदना, पीड़ा और भय जैसे विविध भावों को अत्यंत प्रभावी ढंग से अपनी कविता में प्रस्तुत किया। जीवन के 'उलझे हुए पाश' को सुलझाते हुए, आज के जीवन में टूटते रिश्तों और खोते मूल्यों पर संवेदनशील टिप्पणी करते हुए उन्होंने समाज में व्याप्त पाखंड पर भी प्रखर प्रहार किया। उन्होंने व्यक्ति की अंतरतम भावनाओं को स्पर्श करते हुए सामाजिक चेतना को भी उजागर किया। विठ्ठल को संबोधित उनकी लोकप्रिय उपदेशात्मक ग़ज़ल को श्रोताओं ने भरपूर सराहना दी।

'मैं कम बोलता हूँ, मौन ही मेरी भाषा है,
मैं अपने शब्दों में कोई अतिरिक्त लय नहीं जोड़ता,
मेरे पांव सदैव मिट्टी के बने हैं,
मैं एक क्षण के लिए भी हवा में नहीं चलता।'

इस शुद्ध भाव को जीवंत रखने वाले श्री अप्पा ठाकुर की एक के बाद एक प्रस्तुत ग़ज़लों से श्रोता भावविभोर हो उठे। 'मैं पुनर्जन्म में विश्वास नहीं करता, पर यदि मिले तो वह वर्षा का हो' – ऐसी उदार संवेदनशीलता उनके व्यक्तित्व में झलकती है। उनकी ग़ज़लें सुनते समय श्रोताओं को ऐसा अनुभव होता है मानो उनके अपने ही हृदय की भावनाएँ शब्दों के रूप में सामने आ रही हों। इसलिए उपस्थित श्रोताओं ने उनकी सभी ग़ज़लों की उत्साहपूर्वक सराहना की।

इस अवसर पर आयोजित अभिनव 'शब्दकोडे' प्रतियोगिता में 42 अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नागरिकों ने भाग लेकर इस पहल को सफल बनाया।

सागौर - गुणावद के मध्य दो रोड ओवर ब्रिजों का लोकार्पण संपन्न

रतलाम। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल की इंदौर-दाहोद नई रेल लाइन परियोजना के अंतर्गत 27 फरवरी 2026 को दो रेल ओवर ब्रिजों का लोकार्पण माननीया केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर द्वारा अन्य गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ।

रोड ओवर ब्रिज संख्या 234 ए दो लेन की ओवर ब्रिज है जिसका निर्माण पूर्ण हो गया है। इसके साथ ही रोड़ ओवर ब्रिज संख्या 221 ए फोर लेन की है। इसके दो लेन को सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए खोल दिया गया है तथा शेष दो लेन को भी शीघ्र ही सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए खोल दिया जाएगा।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री मुकेश कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन दोनों रोड ओवर ब्रिजों को का निर्माण लागत लगभग 107 करोड़ है जिसका लोकार्पण माननीया केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर द्वारा किया गया है। इन दोनों ब्रिजों को सड़क यातायात के लिए प्रारंभ किए जाने से आमजन को सुरक्षित एवं निर्बाध आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी। साथ ही, इससे नई रेल लाइन के निर्माण कार्य में भी सुगमता आएगी तथा कार्य को और अधिक गति मिलेगी।

रोड ओवर ब्रिज संख्या 234 ए इंडोरामा एवं सुहागपुरा को जोड़ता है तथा रोड ओवर ब्रिज संख्या 221 ए लेवड़ एवं मानपुर रोड को जोड़ता है।

इस कार्यक्रम में पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल की ओर से मंडल रेल प्रबंधक श्री अश्वनी कुमार सहित निर्माण एवं वाणिज्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मनपा महापौर की अगुवाई मे स्वच्छता अभियान

मंत्र भारत। भाईदंर

शुक्रवार, 27 फरवरी को महापौर डिंपल मेहता की अगुवाई में वार्ड नंबर 03 मे एक डीप क्लीनिंग ड्राइव आयोजित की गई। मीरा-भायंदर शहर में सैनिटेशन सिस्टम को और ज़्यादा कारगर और स्थायी बनाने के मकसद से, मीरा-भायंदर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन द्वारा 'मास डीप क्लीन ड्राइव' चलाया जा रहा है। यह ज़रूरी पहल स्वच्छ सर्वे 2025-26 के बैकग्राउंड में शहर को साफ़-सफ़ाई में सबसे आगे ले जाने के लिए की गई है, और म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन एडमिनिस्ट्रेशन लोगों को एक साफ़ और हेल्दी माहौल देने के लिए कमिटेड है।

इस ड्राइव की फॉर्मल शुरुआत सफ़ाई की शपथ लेकर की गई। इस मौके पर, शहर के सैलून एसोसिएशन के रिप्रेजेंटेटिव्स को इस्तेमाल किए गए ब्लेड वेस्ट के लिए 'ब्लेड बिन' बांटे गए। साथ ही, बिसलेरी के ज़रिए वेस्ट से बनी एक बेंच का अनावरण किया गया। हर शुक्रवार को, शहर के चुने हुए ज़ोन में प्लान्ड तरीके से डीप क्लीनिंग ड्राइव चलाई जा रही है। कैंपेन के लेटेस्ट फेज़ में, वार्ड कमेटी नंबर 03 के तहत कुल 10 जगहों पर डीप क्लीनिंग ड्राइव सफलतापूर्वक चलाई गई। इस मौके पर नगरसेविका कुसुम गुप्ता, स्मिता पाटिल, मदन सिंह, रजनीकांत मायेकर, शहानू गोहिल, जया दत्ता, दिव्या परब, मुन्ना सिंह, सचिन डोंगरे, आकांक्षा वीरकर, असिस्टेंट कमिश्नर योगेश गुनीजन, असिस्टेंट कमिश्नर दत्तात्रेय वरकुटे, सैनिटेशन इंस्पेक्टर और स्टाफ मौजूद थे। इस कैंपेन के ज़रिए पब्लिक सड़कों, फुटपाथों, नालों, मार्केट, कचरा कलेक्शन सेंटर, भीड़भाड़ वाली जगहों और हाइजीन-सेंसिटिव एरिया की खास सफाई की जा रही है।

मनपा मीरा-भायंदरः बुक फेयर, बुक एग्ज़िबिशन और विशेष लोगो का मार्गदर्शन

मराठी भाषा गौरव दिन के उपलक्ष्य मे अनेक कार्यक्रम

मंत्र भारत। भाईदंर

27 फरवरी को मीरा भायंदर मनपा ने मराठी भाषा प्राइड डे बड़े जोश और गर्व के साथ मनाया।कार्यक्रम मे महापौर डिंपल मेहता डिप्टी मेयर ध्रुवकिशोर पाटिल, कमिश्नर राधाबिनोद ए. शर्मा अपर आयुक्त संभाजी पनपट्टे, डिप्टी कमिश्नर सचिन बांगर, प्रणाली घोंगे शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत मनपा मुख्यालय नगर भवन सै शुरू होकर स्कूली छात्रो के एक बड़े बुक फेयर से हुई। लेज़िम की धुन पर, स्टूडेंट्स ने मराठी भाषा बचाने के मैसेज वाले प्लेकार्ड पकड़े हुए, बिना किसी झिझक के हिस्सा लिया। इस बुक ड्राइव ने इलाके में मराठी भाषा गौरव दिवस का जोश भरा माहौल बना दिया। उसके बाद महापौर, उप महापौर और आयुक्त ने कवि कुसुमाग्रज और सरस्वती माता के चित्रों पर माल्यार्पण किया और दीप जलाए। इस अवसर पर, गणमान्य लोगों ने मराठी भाषा की समृद्ध परंपरा की प्रशंसा की और इसके संरक्षण और संवर्धन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। अपने भाषण में, महापौर डिंपल मेहता ने कहा कि समय के साथ अंग्रेजी भाषा का महत्व निश्चित है; हालांकि, मराठी हमारी मातृभाषा है और इसे प्राथमिक स्थान देना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी से दैनिक जीवन में मराठी भाषा को संरक्षित, प्रचारित और अधिक से अधिक उपयोग करने की अपील की। ??लेखिका प्रज्ञा पंडित और प्रोफेसर डॉ. संतोष राणे कार्यक्रम में प्रमुख वक्ताओं के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने मराठी भाषा के इतिहास, इसकी शास्त्रीय परंपरा और आधुनिक समय में इसकी प्रासंगिकता पर प्रभावी मार्गदर्शन दिया और उपस्थित लोगों को प्रेरित किया।

मुंबई-सावंतवाड़ी रोड के बीच मध्य रेल द्वारा संचालित एसी होली विशेष ट्रेन सेवा

मुंबई(संवाददाता) । आगामी होली त्यौहार के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए मध्य रेल द्वारा 2 एसी विशेष ट्रेन सेवाएं चलाई जाएंगी। विवरण इस प्रकार हैः सीएसएमटी- सावंतवाड़ी रोड - सीएसएमटी एसी विशेष (2 सेवाएं)

01071 एसी विशेष ट्रेन दिनांक 01.03.2026 (रविवार) को 00:20 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से प्रस्थान करेगी और उसी दिन 12:30 बजे सावंतवाड़ी रोड पहुंचेगी।

01072 एसी विशेष ट्रेन दिनांक 01.03.2026 (रविवार) को 17:20 बजे सावंतवाड़ी रोड से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 03:45 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पहुंचेगी।

ठहरावः दादर, ठाणे, पनवेल, पेन, रोहा, मानगांव, वीर, खेड़, चिपलुन, सावरदा, अरावली रोड, संगमेश्वर रोड, रत्नागिरी, आडवली, विलवडे, राजपुर रोड, वैभववाड़ी रोड, नंदगांव, कंकवली, सिंधुदुर्ग और कुडाल।

संरचनाः 18 एसी 3-टियर इकोनॉमी और 2 जेनरेटर वैन।

आरक्षणः एसी होली विशेष ट्रेन संख्या 01071 के लिए बुकिंग सभी कंप्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों और वेबसाइट http://www.irctc.co.in पर खुली है।

इन विशेष ट्रेनों के ठहराव एवं समय की विस्तृत जानकारी के लिए, कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएं या RailOne ऐप या NTES ऐप डाउनलोड करें।

मध्य रेल पर रविवार को मेगा ब्लॉक

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेल, मुंबई मंडल दिनांक 01.03.2026 को विभिन्न इंजीनियरिंग और रखरखाव कार्यों के लिए अपने उपनगरीय खंडों पर मेगा ब्लॉक परिचालित करेगा, विवरण इस प्रकार हैः

मेन लाइन

सीएसएमटी मुंबई और विद्याविहार के बीच अप और डाउन स्लो लाइन 10:55 बजे से 15:55 बजे तक

सीएसएमटी मुंबई से 10:48 बजे से 15:45 बजे तक चलने वाली डाउन स्लो सेवाएं सीएसएमटी मुंबई और विद्याविहार स्टेशनों के बीच डाउन फास्ट लाइन पर डायवर्ट की जाएंगी और भायखला, परेल, दादर, माटुंगा, सायन और कुर्ला स्टेशनों पर रुकेंगी और विद्याविहार स्टेशन पर डाउन स्लो लाइन पर पुनः डायवर्ट की जाएंगी।

घाटकोपर से सुबह 10:19 बजे से 15:52 बजे तक चलने वाली अप स्लो ट्रेन सेवाएं विद्याविहार और सीएसएमटी मुंबई स्टेशनों के बीच अप फास्ट लाइन पर डायवर्ट की जाएंगी और कुर्ला, सायन, माटुंगा, दादर, परेल और भायखला स्टेशनों पर रुकेंगी।

हार्बर लाइन

कुर्ला और वाशी स्टेशनों के बीच अप और डाउन हार्बर लाइन पर सुबह 11:10 बजे से शाम 16:10 बजे तक ट्रेन सेवाएं रद्द रहेंगी

सीएसएमटी मुंबई से सुबह 10:34 बजे से दोपहर 15:36 बजे तक वाशी/बेलापुर/पनवेल जाने वाली डाउन हार्बर लाइन ट्रेनें और

पनवेल/बेलापुर/वाशी से सुबह 10:17 बजे से दोपहर 15:47 बजे तक सीएसएमटी मुंबई जाने वाली अप हार्बर लाइन ट्रेनें रद्द रहेंगी।

ब्लॉक अवधि के दौरान सीएसएमटी मुंबई - कुर्ला और पनवेल - वाशी खंडों पर विशेष उपनगरीय ट्रेनें चलेंगी।

हार्बर लाइन के यात्रियों को ब्लॉक अवधि के दौरान सुबह 10:00 बजे से शाम 18:00 बजे तक ठाणे-वाशी/नेरुल स्टेशनों से होकर यात्रा करने की अनुमति है। बुनियादी ढांचे के रखरखाव और संरक्षा के लिए ये मेगा ब्लॉक आवश्यक हैं।

यात्रियों को होने वाली असुविधा के लिए खेद है।

रेलवे मुंबई-रत्नागिरी के बीच होली के लिए अतिरिक्त 6 अनारक्षित विशेष ट्रेनें चलाएगा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

दिवा-चिपलुन-दिवा अनारक्षित विशेष ट्रेन दिनांक 01.03.2026 के बजाय दिनांक 02.03.2026 से चलेगी

रेलवे आगामी होली के त्योहार के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए 6 अतिरिक्त अनारक्षित विशेष ट्रेनें चलाएगा।

विवरण इस प्रकार हैः

1) पनवेल-रत्नागिरी-पनवेल अनारक्षित विशेष (6 सेवाएं)

01157 मेमू विशेष ट्रेन दिनांक 27.02.2026, 28.02.2026 और 01.03.2026 को पनवेल से 16:40 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 23:55 बजे रत्नागिरी पहुंचेगी। (3 सेवाएँ)

01158 मेमू विशेष दिनांक 27.02.2026, 28.02.2026 और 01.03.2026 को रत्नागिरी से 09.00 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 16.10 बजे पनवेल पहुंचेगी। (3 सेवाएँ)

ठहरावः सोमाटने, आप्टा, जिते, पेन, कासु, नागोठाणे, रोहा, कोलाड, इंदापुर, मानगांव, गोरेगांव रोड, वीर, सापे वामने, करंजडी, विनेहेरे, दीवानखावटी, कलांबनी बुद्रुक, खेड़, अंजनी, चिपलून, कामथे, सावरदा, अरावली रोड, कदवई, संगमेश्वर रोड, उक्षी और बोके।

संरचनाः 8 मेमू कोच।

2) दिवा-चिपलुन-दिवा अनारक्षित विशेष ट्रेन के संचालन के संशोधित दिन

अनारक्षित विशेष ट्रेन 01159 पहले घोषित तिथि 01.03.2026 के बजाय 02.03.2026 से दिवा से प्रस्थान करेगी।

अनारक्षित विशेष ट्रेन 01160 पहले घोषित तिथि 01.03.2026 के बजाय 02.03.2026 से चिपलुन से प्रस्थान करेगी।

01159/01160 मेमू विशेष ट्रेनों के समय, ठहराव और संरचना में कोई परिवर्तन नहीं होगा।

यात्रियों से अनुरोध है कि वे इस पर ध्यान दें कि उपरोक्त ट्रेनें अनारक्षित होंगी और सुपरफास्ट मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के लिए लागू सामान्य शुल्क लागू होंगे।

यात्री रेल बुकिंग और ट्रेन की जानकारी के लिए रेल वन ऐप डाउनलोड कर सकते हैं।

विशेष ट्रेनों के ठहराव के विस्तृत समय के लिए कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएं या NTES ऐप डाउनलोड करें।

यात्रियों से अनुरोध है कि वे इन विशेष ट्रेन सेवाओं का लाभ उठाएं।

सार्वजनिक सूचना

विरार स्टेशन पर द्वितीय उत्तर पैदल पुल के पश्चिमी भाग का बंद रहना

विरार और दहानू रोड रेलवे स्टेशनों के बीच तीसरी एवं चौथी रेलवे लाइन के निर्माण कार्य के कारण विरार रेलवे स्टेशन के कि.मी. 59/24-26 पर स्थित वर्तमान द्वितीय उत्तर पैदल पुल (फुट ओवर ब्रिज) का पश्चिमी भाग, जो पश्चिमी परिपथ क्षेत्र को प्लेटफॉर्म संख्या 5/6 तथा पूर्वी परिपथ क्षेत्र से जोड़ता है, को हटाने की योजना है।

बंद रहने की अवधि के दौरान यात्रियों को पश्चिम से पूर्व जाने के लिए उत्तर छोर (कि.मी. 60/4-6) पर स्थित पैदल पुल का उपयोग करने की सलाह दी जाती है। साथ ही कि.मी. 59/20-22 पर स्थित मध्य पैदल पुल का उपयोग किया जा सकता है, जो पश्चिमी परिपथ क्षेत्र, प्लेटफॉर्म संख्या 2, प्लेटफॉर्म संख्या 3/4, प्लेटफॉर्म संख्या 5/6 तथा पूर्वी परिपथ क्षेत्र को जोड़ता है।

तदनुसार, उक्त पैदल पुल दिनांक 02.03.2026 से अगले आदेश तक बंद रहेगा।

यात्रियों को होने वाली असुविधा के लिए खेद है।

पश्चिम रेलवे

wr.indianrailways.gov.in

1186

Like us on : www.facebook.com/WesternRly | Follow us on: www.twitter.com/WesternRly

मध्य रेल

सोलापुर मंडल

एसी कोचों में लिनन वितरण परिचर

निविदा सूचना क्रमांक: GEM/2026/B/7285174 dated 26.02.2026. मंडल रेल प्रबंधक (यांत्रिक), मध्य रेल, सोलापुर के व्दारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखीत कार्य के लिए ख्यातीप्राप्त प्रतिष्ठानों/ठेकेदारों से मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम स्थान सहित** : सोलापुर डिवीजन के सोलापुर और कलबुर्गी कोचिंग डिपो की प्राथमिक अनुरक्षित ट्रेनों के एसी कोचों में लिनन वितरण परिचर के लिए अनुबंध कार्य। **निविदा कार्य पध्दती:** दो पॅकेट सिस्टम. **कार्य की औसत लागत:** ₹ 3,95,18,815.84/-. **निविदा प्रपत्र मुल्य:** Nil. **कार्यालय का पत्ता जहां से निविदा प्रपत्र खरीदे जा सकते है।** मंडल रेल प्रबंधक (यांत्रिक), मध्य रेल, सोलापुर. **जमा करने योग्य बयाना रकम:** ₹ 3,47,600/-. **कार्य का समापन अवधी:** एक वर्ष आठ महीना कार्य की प्रारंभ की तिथी से। **निविदा प्रपत्र जमा करने की तिथी एवं समय: 20.03.2026 at 12.00 hrs. निविदा बक्सा खुलने की तिथी एवं समय: 20.03.2026 at 12.30 hrs.** वेबसाईट विवरण एवं सूचना बोर्ड लोकेशन जहां से निविदा के संपुर्ण विवरण देखे जा सकते है: **www.GeM.gov.in**

Akar/Sur-12 वरिष्ठ मंडल यांत्रिक सोलापुर

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

मध्य रेल

भुसावल मंडल

ई निविदा सूचना संख्या
dycetmbsl-05-2026-T1
दिनांक 24.02.2026

उप मुख्य इंजीनियर (ट्रैक मशीन) लाइन मध्य रेलवे भुसावल भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर पंजीकृत निविदाकारों से ई निविदा आमंत्रित करते हैं। **कार्य का नाम:** (A) UNI-4S मशीन की टैम्पिंग यूनिट की सप्लाई, फिक्सिंग और कमीशनिंग। (नया सेट), (04 सेट), (B) UNI-4S मशीनों की टैम्पिंग यूनिट की ओवरहॉलिंग मात्रा-03 सेट। यानी 12 यूनिट (06 RH और 06 LH)। **औसत लागत:** रु 4,90,36,541.86/- (जीएसटी सहित) **निविदा पुस्तिका की लागत:** शून्य. **बयाना राशी:** ₹ 3,95,200/- **पूर्णता अवधि:-** LOA जारी करने की तारीख से (30) तीस महीने। **नोट :- निविदा समापन तिथि उपर्युक्त निविदा का समय 24.03.2026 को 15.00 बजे** तक है। संभावित निविदाकर्ताओं से अनुरोध है कि वे निविदाओं और शुद्धिपत्र, यदि कोई हो, के विवरण के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर जाएँ। निविदा सूचना उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (टीएम) लाइन कार्यालय, भुसावल के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की गई है। निविदाकर्ता केवल वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से उपरोक्त ई-निविदा में इलेक्ट्रॉनिक रूप से भाग ले सकते हैं और ई-निविदा के विरुद्ध मैन्युअल प्रस्ताव प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं है और यदि कोई मैन्युअल प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाता है तो उसे न तो खोला जाएगा और न ही उस पर विचार किया जाएगा। निविदा दस्तावेज और बोली सुरक्षा की लागत का भुगतान **आईआरईपीएस** पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट/क्रेडिट कार्ड आदि जैसे ऑनलाइन भुगतान मोड के माध्यम से किया जा सकता है।

AK/BSL-04

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

मराठी को ज्ञान की भाषा बनाकर नई पीढ़ी तक पहुँचाएँ-मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

मराठी भाषा गौरव दिवस के अवसर पर विधान भवन में 'जावा विनोदाचा गाव' विशेष कार्यक्रम

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। विश्व में वे भाषाएँ आगे बढ़ती हैं जो ज्ञान की भाषा होती हैं। जिस भाषा के माध्यम से व्यापार होता है, रोजगार मिलता है, वही भाषा प्रगति की भावना को जागृत करती है। इसलिए हमें अपनी अभिजात मराठी भाषा को ज्ञानभाषा में रूपांतरित कर समृद्ध मराठी को अगली पीढ़ी तक पहुँचाना चाहिए, ऐसा संकल्प मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मराठी भाषा गौरव दिवस के अवसर पर विधान भवन के केंद्रीय कक्ष में आयोजित विशेष कार्यक्रम 'जावा विनोदाचा गाव' में व्यक्त किया।

इस कार्यक्रम में विधान परिषद के सभापति प्रा. राम शिंदे, विधानसभा अध्यक्ष एड. राहुल नार्वेकर, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार, विधान परिषद की उपसभापति डॉ. नीलम गोरे, विधानसभा उपाध्यक्ष अण्णा बनसोडे, संसदीय कार्य मंत्री चंद्रकांतदादा पाटिल, सांस्कृतिक कार्य मंत्री आशीष शेलार, मराठी भाषा समिति के अध्यक्ष आशुतोष काले तथा

विधानमंडल सचिवालय के सचिव जितेंद्र भोले उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने उस समय मराठी भाषा के शुद्धिकरण के लिए शब्दकोश तैयार कराया था। उस काल में प्रशासन चलाते समय मराठी पर फ़ारसी और अरबी भाषाओं का प्रभाव था। इसलिए छत्रपति शिवाजी महाराज ने मराठी भाषा को शुद्ध करने का कार्य किया। मराठी भाषा का गौरव छत्रपति शिवाजी महाराज से प्रारंभ होता है। प्रारंभिक ग्रंथों से हमारी मराठी भाषा की महानता स्पष्ट दिखाई देती है। महाराष्ट्र की विधान परिषद में जो कार्य होता है, वह साहित्य निर्माण का एक राजनीतिक क्षेत्र है। इसी कार्य से अनेक फिल्मों और नाटकों की कथावस्तु तैयार होती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मराठी को अभिजात भाषा का दर्जा प्रदान कर उसे राजाश्रय दिया है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने मराठी भाषा, साहित्य और लोककला को अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाने का भी आह्वान किया। तकनीक और अनुसंधान मराठी भाषा में होना चाहिए।

विधानसभा अध्यक्ष एड. राहुल नार्वेकर यदि मराठी भाषा को समृद्ध और आगे ले जाना है तो तकनीक और अनुसंधान मराठी भाषा के माध्यम से होना चाहिए। तभी मराठी ज्ञानभाषा बनेगी, ऐसा विश्वास विधानसभा अध्यक्ष एड. राहुल नार्वेकर ने व्यक्त किया।

अध्यक्ष नार्वेकर ने कहा कि मराठी देश की 22 आधिकारिक भाषाओं में से एक है और देश में 1,652 बोलियाँ हैं। मराठी भाषी जनसंख्या देश में तीसरे और विश्व में दसवें स्थान पर है। मराठी भाषा को समृद्ध और आगे ले जाने के लिए शासन स्तर पर विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं। मराठी को अभिजात भाषा का दर्जा प्राप्त हो चुका है। मराठी भाषा को समृद्ध बनाकर अगली पीढ़ी के लिए सुरक्षित रखना हम सभी की जिम्मेदारी है।

मराठी भाषा का डिजिटल माध्यमों पर अधिकाधिक उपयोग होना चाहिए-उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

तकनीकी युग में जीते हुए डिजिटल माध्यमों पर मराठी का अधिक से अधिक उपयोग करना आवश्यक है। प्रत्येक डिजिटल माध्यम का उपयोग करते समय मराठी का प्रयोग कर समृद्ध मराठी विरासत को अगली पीढ़ी तक प्रभावी रूप से पहुँचाया जाए, ऐसा आह्वान उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार ने किया।

उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने कहा कि लंदन में प्रस्तावित महाराष्ट्र भवन के निर्माण के लिए पूर्व में 5 करोड़ रुपये का निधि प्रदान किया गया है, जो मराठी और महाराष्ट्र की संस्कृति का केंद्र बनेगा। मराठी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए सार्वजनिक पुस्तकालयों को दी जाने वाली अनुदान राशि में भी वृद्धि की गई है। मराठी को अभिजात भाषा का दर्जा मिलने से सभी मराठी भाषी अत्यंत आनंदित हैं। यह मराठी भाषा का बड़ा गौरव है। यह दर्जा मराठी को जनभाषा के रूप में और सशक्त बनाने में निश्चित रूप से महत्वपूर्ण सिद्ध होगा।

कार्यक्रम का प्रास्ताविक विधान परिषद की उपसभापति डॉ. नीलम गोरे ने किया। अपने प्रास्ताविक में उन्होंने कार्यक्रम के आयोजन की पृष्ठभूमि और मराठी साहित्य के महत्व को स्पष्ट किया। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन मराठी भाषा समिति के अध्यक्ष आशुतोष काले ने किया।

कार्यक्रम के दौरान 'लोक सेवेचा लोक जागर' पुस्तक का मान्यवरों द्वारा विमोचन किया गया। इस कार्यक्रम में मंत्रीगण, राज्यमंत्री, विधानमंडल के दोनों सदनों के सदस्य, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन जनसंपर्क अधिकारी निलेश मदाने ने किया। 'जावा विनोदाचा गाव' कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले कलाकारों का भी इस अवसर पर सम्मान किया गया।

'जावा विनोदाचा गाव' विशेष कार्यक्रम

मराठी भाषा गौरव दिवस के अवसर पर आयोजित 'जावा विनोदाचा गाव' विशेष कार्यक्रम में हास्य कविताएँ, व्यंग्य गीत तथा मराठी गीत प्रस्तुत किए गए। गायक श्रीरंग भावे और अदिती प्रभुदेसाई ने गीत प्रस्तुत किए। कवि सुरेश भट द्वारा रचित और कौशल इनामदार द्वारा संगीतबद्ध मराठी गौरव गीत 'लाभले आम्हास भाग्य बोलतो मराठी' प्रस्तुत किया गया। अभिनेता हृषिकेश जोशी ने पु. ल. देशपांडे का एक हास्य लेख वाचन किया। जयवंत दळवी द्वारा लिखित 'जगी हा खास वेड्यांचा पसारा' लेख का वाचन निर्देशक केदार शिंदे ने किया। केदार शिंदे ने मंगेश पाडगांवकर द्वारा लिखित एक कविता भी प्रस्तुत की। साथ ही वि. दा. करंदीकर द्वारा लिखित कविता 'साठिचा गजर' का वाचन हृषिकेश जोशी ने किया। महाराष्ट्र साहित्य परिषद के कार्याध्यक्ष मिलिंद जोशी ने आचार्य अत्रे और पु. ल. देशपांडे के जीवन कार्य पर आधारित व्याख्यान दिया।

कोकण पर्यटन ग्रामीण विकास कार्यक्रम के माध्यम से पर्यटकों के लिए सुविधाएँ विकसित करें-राज्यमंत्री योगेश कदम

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जिलों में पर्यटन की अपार संभावनाएँ हैं। इस क्षेत्र में देश-विदेश से पर्यटक आते रहते हैं। कोकण ग्रामीण पर्यटन विकास कार्यक्रम के अंतर्गत दापोली तालुका में पर्यटक सुविधाओं से संबंधित कार्य प्रगति पर हैं। इस पर्यटन विकास कार्यक्रम के अंतर्गत गुणवत्तापूर्ण कार्य कर पर्यटकों के लिए उत्कृष्ट सुविधाएँ विकसित की जाएँ, ऐसे निर्देश गृह (ग्रामीण) राज्यमंत्री योगेश कदम ने मंत्रालय में आयोजित कोकण पर्यटन ग्रामीण विकास कार्यक्रम की समीक्षा बैठक में दिए।

बैठक में ग्रामीण विकास विभाग के उपसचिव सुभाष इंगळे, चिपळूण सार्वजनिक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता जगदीश सुखदेवे, जिला परिषद निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता हर्षल चव्हाण उपस्थित थे। वहीं दूरदृश्य प्रणाली के माध्यम से रत्नागिरी के जिलाधिकारी मनुज जिंदाल और जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी वैदेही रानडे ने बैठक में भाग लिया।

कार्य की समीक्षा करते हुए राज्यमंत्री योगेश कदम ने कहा कि गाँव के बचत समूहों की भागीदारी कोकण पर्यटन ग्रामीण विकास कार्यक्रम में सुनिश्चित की जाए। बचत समूहों के सुझावों को भी शामिल किया जाए। कर्दे ग्राम पंचायत क्षेत्र में प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त कार्यों को शीघ्र पूर्ण किया जाए। इन कार्यों के लिए प्राप्त निधि निर्धारित समय सीमा में खर्च हो, इसकी विशेष सावधानी रखी जाए। कार्य की गुणवत्ता के संबंध में किसी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

कर्दे खाड़ी पर पुल निर्माण, खाड़ी क्षेत्र में सुरक्षात्मक बंधारा निर्माण तथा कर्दे में समुद्र तट के निकट सांस्कृतिक परिसर निर्माण के लिए तटीय विनियमन क्षेत्र (सीआरजेड) की अनुमति प्राप्त करने की प्रक्रिया पूर्ण की जाए। कर्दे क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के कार्य शीघ्रता से पूर्ण किए जाएँ, ऐसा भी राज्यमंत्री योगेश कदम ने निर्देशित किया।

प्रतिक कर्पे का मुंबई महानगरपालिका में मनोनीत नगरसेवक के रूप में चयन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महानगरपालिका में इस चयन से मुख्यमंत्री तथा मुंबई भाजपा अध्यक्ष अमित साटम के मार्गदर्शन में युवा, अध्ययनशील और हिंदुत्ववादी नेतृत्व को जोड़ने का प्रयास

मुंबई। मुंबई के राजनीतिक गलियारों में अध्ययनशील, आक्रामक और संगठनात्मक कौशल के लिए प्रसिद्ध कट्टर हिंदुत्ववादी मुंबई भाजपा के सचिव चार्टर्ड अकाउंटेंट प्रतिक कर्पे को मुंबई महानगरपालिका में मनोनीत नगरसेवक के रूप में चुना गया है। उनकी इस नियुक्ति से भाजपा के खेमे में उत्साह का माहौल है और महापालिका के आगामी राजनीतिक परिदृश्य में अधिक आक्रामक तथा मुद्दों पर केंद्रित रुख देखने को मिलेगा, ऐसी चर्चाएं जोरों पर हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्कारों से निर्मित और पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट कर्पे पिछले कुछ वर्षों से मुंबई के विभिन्न मुद्दों पर लगातार आवाज उठाते रहे हैं। महापालिका के शिक्षा विभाग में नियुक्तियों से लेकर स्कूलों में कथित अनियमितताओं, ओबीसी समाज के

मुद्दों, पेंशनभोगी शिक्षकों की बकाया राशि तथा एसआरए योजना में शैक्षणिक सुविधाओं तक कई विषयों को उन्होंने प्रमाणों के साथ उठाया है। 2014 से राज्य की राजनीति में सक्रिय कर्पे ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और मुंबई भाजपा अध्यक्ष अमित साटम के मार्गदर्शन में विभिन्न नीतिगत समितियों में काम किया है। साथ ही, भारतीय जनता पार्टी के ओबीसी मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य तथा तमिलनाडु ओबीसी प्रभारी के रूप में उन्होंने संगठनात्मक स्तर पर काम करते हुए बहुजन समाज के मुद्दों को राष्ट्रीय मंच पर आवाज दी है।

महापालिका में भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण की राजनीति और शैक्षणिक नीतियों में विसंगतियों पर उन्होंने लगातार आलोचना की और 'पोलखोल अभियान' चलाया था। खासकर मराठी माध्यम के शिक्षकों की नियुक्ति के मुद्दे पर उनकी भूमिका चर्चा का विषय बनी थी। आजाद मैदान में आंदोलन में सक्रिय भागीदारी लेकर उन्होंने मराठी अस्मिता के मुद्दे को मजबूती से उठाया था।

मनोनीत नगरसेवक के रूप में चयन के बाद प्रतिक कर्पे ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'मुंबई महानगरपालिका का प्रशासन अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और जनता-केंद्रित होना चाहिए, इसके लिए मैं अध्ययनपूर्ण और ठोस रुख अपनाऊंगा। शिक्षा, ओबीसी अधिकार, स्कूलों के भूखंडों का संरक्षण तथा एसआरए परियोजनाओं में सुविधाएं मेरी प्राथमिकता के विषय रहेंगे।'

मुंबई भाजपा अध्यक्ष विधायक अमित साटम ने उनकी नियुक्ति का स्वागत और विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि, 'प्रतिक कर्पे जैसे अध्ययनशील और साहसी युवा चेहरे के महापालिका में आने से पार्टी की भूमिका अधिक प्रभावी ढंग से रखी जाएगी।' कर्पे की इस नियुक्ति से महापालिका में सत्ताधारी और विपक्ष के बीच मुद्दों पर आधारित तीखी बहस की उम्मीद है। आर्थिक मामलों में उनकी महारत और कानूनी बारीकियों की समझ को देखते हुए आगामी समय में महापालिका के बजट, शैक्षणिक नीतियों और प्रशासनिक फैसलों पर उनकी छाप पड़ने की संभावना है।

एक ओर संगठनात्मक ताकत, दूसरी ओर अध्ययनशील दृष्टिकोण और आक्रामक प्रस्तुति–इन तीन सूत्रों के बल पर सीए प्रतिक कर्पे की महापालिका में एंट्री केवल एक राजनीतिक नियुक्ति नहीं, बल्कि मुंबई की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत मानी जा रही है।

मानव-वन्यजीव संघर्ष दूर करने के लिए वैकल्पिक उपाय लागू किए जाएंगे- वन मंत्री गणेश नाईक

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के साथ-साथ वैकल्पिक खेती और पुनर्वास सहित दीर्घकालीन उपाय योजनाएँ लागू करने का सरकार का इरादा है, ऐसा प्रतिपादन वन मंत्री गणेश नाईक ने विधान परिषद में किया।

नवेगांव-नागझिरा व्याघ्र परियोजना के संबंध में विधान परिषद सदस्य डॉ. परिणय फुके द्वारा उठाए गए प्रश्नों के उत्तर में उन्होंने कहा कि नवेगांव-नागझिरा व्याघ्र आरक्षित क्षेत्र के बफर क्षेत्र को बढ़ाने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है।

मंत्री नाईक ने बताया कि 7 सितंबर 2016 को सरकार द्वारा अधिसूचना जारी कर गोंदिया प्रादेशिक, गोंदिया एमटीसीएम तथा भंडारा एमटीसीएम (वन्यजीव) विभागों को एकीकृत कर उनका नियंत्रण एक वरिष्ठ अधिकारी को सौंपने का निर्णय लिया गया। व्याघ्र परियोजना को एकीकृत नियंत्रण में लाने के लिए राष्ट्रीय व्याघ्र संरक्षण प्राधिकरण ने 15 फरवरी 2012 को राज्य सरकार को निर्देश दिए थे। उसी के अनुसार 12 अगस्त 2024 को राज्य

वन्यजीव मंडल की 23वीं बैठक में इसे मंजूरी दी गई।

उन्होंने स्पष्ट किया कि व्याघ्र परियोजना के कारण किसानों पर कोई अतिरिक्त प्रतिबंध नहीं लगाया जाएगा। किसानों को खेती करने, कुआँ खोदने या मौजूदा सड़कों के उपयोग पर कोई रोक नहीं होगी। केवल नए निर्माण कार्यों पर कानूनी प्रावधानों के अनुसार प्रतिबंध लागू रहेंगे। किसी भी गाँव को बफर क्षेत्र में शामिल नहीं किया गया है तथा स्थानीय लोगों के रोजगार पर भी प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

नवेगांव-नागझिरा व्याघ्र परियोजना के पर्यावरण संवेदनशील क्षेत्र से संबंधित संशोधित प्रस्ताव शीघ्र ही केंद्र सरकार को भेजा जाएगा। इसके लिए नोडल अधिकारी की नियुक्ति भी की जाएगी।

मानव-वन्यजीव संघर्ष रोकने के लिए विभिन्न उपाय योजनाबद्ध किए गए हैं। मंत्री नाईक ने बताया कि ताडोबा क्षेत्र में 500 फुट चौड़ी बाँस की दीवार बनाने का निर्णय लिया गया है। पकड़े गए बंदरों को परियोजना क्षेत्र में छोड़कर उनके भोजन की व्यवस्था करने की योजना लागू की जाएगी। यदि गाँव स्वेच्छा से पुनर्वास चाहते हैं तो सरकार आवश्यक भूमि और आर्थिक सहायता देने के लिए तैयार है।

वन विकास महामंडल द्वारा की गई सागवान वृक्षारोपण के कारण वर्तमान में लगभग 12 हजार करोड़ रुपये की संपत्ति उपलब्ध है। इस आधार पर लगभग 6 हजार करोड़ रुपये का ऋण लेने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। इस निधि से वन विभाग की सड़कें, पर्यटन विकास, कार्यालय, विश्रामगृह तथा कर्मचारियों के वेतन और सुविधाओं पर व्यय करने का प्रस्ताव शीघ्र ही मंत्रिमंडल के समक्ष रखा जाएगा।

प्रश्नोत्तर काल में विधान परिषद सदस्य प्रवीण दरेकर और सतेज उर्फ बंटी पाटील ने भी पूरक प्रश्न पूछे।

कोल्हापुर-रत्नागिरी को जोड़ने वाले घाटमार्गों के कार्य में तेजी लाएँ

मुंबई। Shivendrasinhraje Bhosale ने मंत्रालय में आयोजित बैठक में Kolhapur और Ratnagiri जिलों को जोड़ने वाले तीन प्रमुख घाटमार्गों के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

बैठक में अणुस्कुरा-गावडी (ता. शाहूवाड़ी, जि. कोल्हापुर) से लांजा (जि. रत्नागिरी) के भांबेड-धनगरवाडी मार्ग, पावनखिंड-गजापुर-विशालगढ़ पायथा (ता. शाहूवाड़ी) से संगमेश्वर तालुका के देवडे-भोवडे को जोड़ने वाले नए घाटमार्ग तथा राष्ट्रीय महामार्ग 193 से बाजारभोगाव-किसरूल-काळजवडे-पोंबरे-कोलिक-पडसाळी से किजिडी घाट को जोड़ने वाले मार्ग पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में विधायक डॉ. विनायक कोरे, विधायक किरण सामंत, विधायक चंद्रदीप नरके, सचिव (सड़क) संजय दशपुते, मुख्य अभियंता (राष्ट्रीय महामार्ग) संतोष शेलार, मुख्य अभियंता (कोकण) शरद राजभोज, अधीक्षक अभियंता (कोल्हापुर) तुषार बुरूड, कार्यकारी अभियंता (विशेष परियोजना) चंद्रकांत आयरेकर, जिला वन अधिकारी (कोल्हापुर) संजय वाघमोडे सहित सार्वजनिक निर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कोल्हापुर-रत्नागिरी के बीच ये मार्ग देवडे-भोवडे से विशालगढ़ घाट, काजिर्डा से पडसाळी घाट तथा भांबेड से गावडी घाट – इन तीन प्रमुख घाटों को जोड़ते हैं। सह्याद्री पर्वतरांगों में स्थित लांजा और संगमेश्वर तालुका के अनेक प्रमुख गाँव इन मार्गों से जुड़े होने के कारण यातायात सुगम होगा, घाटमाथा क्षेत्र के नागरिकों का जीवनस्तर ऊँचा होगा तथा पश्चिम महाराष्ट्र और कोकण के कुछ जिले सीधे जुड़ सकेंगे, ऐसा मंत्री भोसले ने बताया।

उन्होंने वन विभाग की सभी आवश्यक अनुमतियाँ शीघ्र पूर्ण कर सड़क कार्यों में आ रही बाधाओं को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए। आवश्यक स्थानों पर पुल और दिशासूचक संकेतक लगाए जाएँ, घाटमार्गों पर उचित सुरक्षा उपाय किए जाएँ। साथ ही इन मार्गों पर राज्य परिवहन बसें नियमित रूप से चल सकें, इस प्रकार सड़कों की योजना तैयार करने के भी निर्देश उन्होंने दिए।

सूचना प्रौद्योगिकी परियोजनाओं के लिए उच्चस्तरीय समिति का पुनर्गठन

5 करोड़ से 100 करोड़ रुपये तक के व्यय को स्वीकृति

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। राज्य में सूचना प्रौद्योगिकी नीतियों और परियोजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सरकार ने उच्चस्तरीय समिति का पुनर्गठन करने का निर्णय लिया है। इस समिति के कार्यक्षेत्र को पुनर्परिभाषित किया गया है तथा इसकी वित्तीय स्वीकृति सीमा में भी संशोधन किया गया है।

सामान्य प्रशासन विभाग के 5 अक्टूबर 2001 के शासन निर्णय के अनुसार मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति गठित की गई थी। किंतु पिछले दो दशकों में सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन हुए हैं। बढ़ती महंगाई, रुपये के अवमूल्यन, तकनीकी प्रगति, साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन सेवा वितरण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के बढ़ते उपयोग तथा ई-शासन परियोजनाओं के विस्तारित दायरे और बढ़ती लागत के कारण सूचना प्रौद्योगिकी परियोजनाओं की प्रकृति और खर्च में उल्लेखनीय बदलाव आया है।

इन परिवर्तनों की पृष्ठभूमि में सूचना प्रौद्योगिकी परियोजनाओं की प्रभावी योजना, क्रियान्वयन, समन्वय और नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए समिति का पुनर्गठन तथा वित्तीय सीमा में वृद्धि आवश्यक मानी गई। तदनुसार मंत्रिमंडल ने उच्चस्तरीय समिति की संशोधित संरचना, कार्यक्षेत्र और वित्तीय सीमा को मंजूरी प्रदान की है। नए निर्णय के अनुसार उच्चस्तरीय समिति अब 5 करोड़ रुपये से 100 करोड़ रुपये तक की सूचना प्रौद्योगिकी परियोजनाओं के व्यय को स्वीकृति दे सकेगी।

इसके अतिरिक्त 100 करोड़ रुपये से अधिक के सूचना प्रौद्योगिकी व्यय प्रस्तावों को पहले उच्चस्तरीय समिति की अनुशंसा प्राप्त करनी होगी, उसके बाद ही उन्हें मंत्रिमंडल की अंतिम स्वीकृति के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। सूचना प्रौद्योगिकी सचिव वीरेंद्र सिंह ने बताया कि इस निर्णय से राज्य में सूचना प्रौद्योगिकी और ई-शासन परियोजनाओं को गति मिलेगी तथा बदलती तकनीकी आवश्यकताओं के अनुसार त्वरित और प्रभावी निर्णय लेना संभव होगा।

परभणी जिला बैंक में अनियमितताओं की जाँच की जाएगी-सहकार मंत्री बाबासाहेब पाटील

मुंबई। परभणी जिला बैंक में हुई अनियमितताओं की जाँच शीघ्र पूरी कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी, ऐसा उत्तर सहकार मंत्री बाबासाहेब पाटील ने विधानसभा के प्रश्नोत्तर काल में दिया। परभणी जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंक में हुई अनियमितताओं के संबंध में विधानसभा सदस्य हरिष पिंपळे ने प्रश्नोत्तर काल में प्रश्न उठाया था। उसी के उत्तर में मंत्री बाबासाहेब पाटील बोल रहे थे। सहकार मंत्री बाबासाहेब पाटील ने कहा कि परभणी जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंक के संबंध में विभिन्न शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इन शिकायतों के आधार पर सहकारी संस्था के जिला उपनिबंधक तथा सहकारी संस्था विभागीय सहनिबंधक, छत्रपति संभाजीनगर के माध्यम से जाँच शुरू की गई है।

मंत्री बाबासाहेब पाटील ने आगे कहा कि यदि परभणी जिला बैंक में अनियमितता सिद्ध होती है, तो इसकी सूचना रिजर्व बैंक को देकर बैंक की अनुमति रद्द करने की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही अनुकंपा के नाम पर अनियमितता किए जाने की शिकायतों की भी जाँच कर संबंधित दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

इस विषय पर हुई चर्चा में विधानसभा सदस्य प्रकाश साळुंके, विजय वडेट्टीवार तथा प्रशांत बंब ने भाग लिया।

श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी की 350वीं शहादत स्मृति का आयोजन नवी मुंबई में शहीद समागम कार्यक्रम हेतु प्रशासन पूरी तरह तैयार

मुंबई। 'हिंद-दी-चादर' के नाम से विख्यात श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी की 350वीं शहादत स्मृति का आयोजन 28 फरवरी और 1 मार्च को नवी मुंबई में किया गया है। कोंकण मंडल आयुक्त डॉ. विजय सूर्यवंशी ने जानकारी दी कि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सभी आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँगी।

नवी मुंबई में आयोजित होने वाले 'हिंद-दी-चादर' कार्यक्रम की जानकारी देने हेतु मुंबई मराठी पत्रकार संघ में पत्रकार परिषद का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय धर्म जागरण समिति के प्रमुख शरद रावजी ढोले, राज्य स्तरीय समन्वय समिति के समन्वयक रमेश्वर नाइक, सह-समन्वयक जसपाल सिंह सिद्धू, राज्य स्तरीय बाल मलकीत सिंह (समन्वय समिति के संयोजक) तथा अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य हैप्पी सिंह उपस्थित थे।

मंडल आयुक्त डॉ. विजय सूर्यवंशी ने बताया कि इस दो दिवसीय कार्यक्रम में देश और विदेश से लगभग 18 से 20 लाख श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। सुरक्षा की दृष्टि से सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ की गई हैं तथा मुख्य पंडाल एक ही समय में खुला रहेगा। 80 हजार से 1 लाख श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्था की गई है। इस कार्यक्रम के लिए एनएमएमटी की 150 से अधिक विशेष बस सेवाएँ उपलब्ध कराई गई हैं। 38 अलग-अलग पार्किंग स्थलों की व्यवस्था, तीन विशेष हेलीपैड, 25 हजार श्रद्धालुओं के आवास की व्यवस्था, 1 हजार से अधिक अस्थायी शौचालय तथा 500 से अधिक स्वच्छता कर्मियों की तैनाती की गई है।

स्वास्थ्य सुविधाओं के अंतर्गत 300 से अधिक डॉक्टर और पैरामेडिकल कर्मचारी उपलब्ध रहेंगे।

सम्पादकीय

80 लाख आपत्तियां, आधार पर बहस और अदालत की दखल वोटर लिस्ट की बड़ी परीक्षा

लोकतंत्र में चुनाव की शुचिता का मूल आधार पारदर्शिता और निष्पक्षता पर टिका होता है। पात्र मतदाता ही चुनावी प्रक्रिया का हिस्सा बनें, यह सुनिश्चित करने के लिए मतदाता सूची में समय-समय पर संशोधन जरूरी होता है।

इसी उद्देश्य से निर्वाचन आयोग ने देश के विभिन्न राज्यों में विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया शुरू की है, मगर इसमें कई तरह की आशंकाएं और चुनौतियां भी सामने आ रही हैं। खासकर पश्चिम बंगाल में पुनरीक्षण को लेकर कई मौकों पर निर्वाचन आयोग और राज्य सरकार को आमने-सामने देखा गया है। सवाल और आरोप वही हैं कि राज्य में इस प्रक्रिया का राजनीतिकरण किया जा रहा है।

पहले नागरिकता प्रमाण पत्रों को लेकर विवाद उठा, फिर बूथ स्तरीय अधिकारियों पर काम के बोझ का मुद्दा सुर्खियों में आया और अब तार्किक विसंगतियों से संबंधित दावों और आपत्तियों के पारदर्शी तरीके से समय पर निपटारे का मसला सामने आया है।

सर्वोच्च न्यायालय ने पिछले सप्ताह इस कार्य में सहायता के लिए सेवारत और पूर्व जिला न्यायाधीशों को तैनात करने का निर्देश दिया था और अब राज्य के दीवानी न्यायाधीशों की तैनाती तथा पड़ोसी राज्यों झारखंड और ओड़ीशा से न्यायिक अधिकारियों को बुलाने की अनुमति भी दे दी है।

गौरतलब है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की शुरुआत बिहार से हुई थी और तब से लेकर यह प्रक्रिया विवादों में है। शुरू में चुनाव आयोग की ओर से आधार कार्ड को पहचान पत्र के दस्तावेज में शामिल नहीं करने का मुद्दा प्रमुखता से उठा था, मगर बाद में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर इसे पहचान के दस्तावेज में शामिल कर लिया गया।

मगर पश्चिम बंगाल में आधार कार्ड को लेकर चुनाव आयोग की आशंकाएं अभी भी बरकरार हैं। शीर्ष अदालत में मंगलवार को आयोग की तरफ से दलील दी गई कि देश भर में फर्जी आधार कार्ड का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर हो रहा है और बंगाल में ऐसे मामलों की संख्या सर्वाधिक है। इस पर अदालत ने कहा कि ऐसे मामलों में गहन जांच की आवश्यकता हो सकती है, लेकिन यह समय इसके लिए उपयुक्त नहीं है। साथ ही कहा कि चूंकि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम में संशोधन से आधार को पहचान प्रमाण के रूप में शामिल किया गया था, इसलिए इसे स्वीकार करना होगा।

दरअसल, पश्चिम बंगाल सरकार का दावा था कि पुनरीक्षण प्रक्रिया के तहत राज्य में तार्किक विसंगतियों को लेकर बड़ी संख्या में लोगों को नोटिस भेजे गए हैं और अब करीब अस्सी लाख दावों और आपत्तियों का निपटारा किया जाना है, जिसमें निष्पक्षता बेहद जरूरी है।

इसी के मद्देनजर सर्वोच्च अदालत ने इस कार्य में मदद के लिए सेवारत और पूर्व जिला न्यायाधीशों को तैनात करने का निर्देश दिया है। सवाल है कि पुनरीक्षण की प्रक्रिया में शीर्ष अदालत को बार-बार दखल क्यों देना पड़ रहा है?

इस कार्य को पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने की जिम्मेदारी निर्वाचन आयोग की है और इसमें संबंधित राज्य सरकार को भी हरसंभव सहयोग करना होता है। ऐसे में अपेक्षा यही की जाती है कि इस कार्य को सियासत से दूर रखकर बेहतर समन्वय और सामंजस्य के साथ काम किया जाए।

बहरहाल, सबसे जरूरी पहलू यह है कि नई मतदाता सूची तैयार करने में पूरी ईमानदारी बरती जाए, ताकि सभी पात्र नागरिकों का मताधिकार सुरक्षित रहे।

एलियंस की तलाश या वैज्ञानिक भ्रम? ओबामा के बयान से फिर छिड़ी परग्रही जीवन पर बहस

दशकों से दुनिया भर के खगोल विज्ञानी इस पहेली को हल करने के लिए आकाश-पाताल एक करते रहे हैं कि क्या इस ब्रह्मांड में हमसे भी अधिक बुद्धिमान कोई सभ्यता मौजूद है! हाल में, इसकी चर्चा एक बातचीत में शामिल हुए पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा की एक टिप्पणी से उठी है, जिसमें उन्होंने एलियंस, यानी परग्रही सभ्यता के अस्तित्व को स्वीकार किया। हालांकि बाद के स्पष्टीकरण में उन्होंने साफ किया कि अंतरिक्षीय दूरियों के कारण पृथ्वी पर एलियंस के आने की संभावना कम है, लेकिन ब्रह्मांड की विशालता यह संभावना जगाती है कि पृथ्वी के पार दूसरी कोई दुनिया अवश्य हो सकती है।

सत्ता प्रतिष्ठानों और विज्ञानियों की ओर से पहले भी परग्रही जीवन या एलियंस की संभावनाओं को लेकर काफी कुछ कहा-सुना जाता रहा है। इस संबंध में हमारी जिज्ञासाओं का कोई अंत इसलिए नहीं है, क्योंकि हमारे पास अभी इसका कोई जवाब नहीं है कि इस ब्रह्मांड में कोई दूसरी सभ्यता है या नहीं। इसीलिए नए दावों, नई खोजों के साथ विशाल सौरमंडल में कहीं और जीवन की संभावनाओं को लेकर अक्सर चर्चा और बहस छिड़ जाती है। करीब तीन वर्ष पहले मैक्सिको की संसद में सुनवाई के दौरान जब दो 'गैर इंसानी जीव' के शवों को दिखाया गया था, तो सोशल मीडिया पर इन्हें लेकर काफी हंगामा मच गया।

यह पहला अवसर था, जब परग्रही सभ्यताओं के कथित सबूतों के साथ एक देश की संसद में आधिकारिक रूप से धरती के बाहर जीवन की संभावना का उल्लेख किया गया। सलेटी-भूरे रंग के ममीकृत इन शवों का चेहरा-मोहरा काफी हद तक इंसानों जैसा था। इन शवों के 1800 साल पुराने होने का खुलासा मेक्सिको का राष्ट्रीय स्वायत्त विश्वविद्यालय द्वारा किए गए रेडियो कार्बन डेटिंग विश्लेषण से हुआ था। इस विश्वविद्यालय के भौतिकी संस्थान ने बयान जारी कर पुष्टि की थी कि वहां इन शवों की उम्र का पता लगाने के तो परीक्षण किए, लेकिन इसका कोई परीक्षण नहीं हुआ कि इन जीवों की उत्पत्ति कहां हुई। यानी इस बारे में पुख्ता तौर पर नहीं कहा जा सकता कि ये शव एलियंस के ही हैं। शायद यही वजह रही कि बहुत से वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं ने मैक्सिको में किए गए दावों को सिरे से खारिज कर दिया।

यह आश्चर्य ही है कि आम लोगों से हटकर वैज्ञानिक, अंतरिक्ष इंजीनियर और नासा-इसरो जैसे प्रतिष्ठित संगठनों के शीर्ष अधिकारी और ब्रिटिश भौतिकशास्त्री दिवंगत स्टीफन हॉकिंग जैसे विचारक भी परग्रही सभ्यताओं के अस्तित्व को स्वीकारते रहे। मुश्किल यह है कि एलियंस के वजूद से जुड़ी गुत्थियों को ब्रह्मांड के अनंत विस्तार और इसके एक छोर से दूसरे छोर की सदियों लंबी दूरियों को देखते हुए सुलझाना आसान नहीं है। कई बार दावे के साथ कहा गया कि एलियंस या उनके यानों को देखा गया, उनके विचरण को रिकार्ड किया गया। फिर भी दावों पर यकीन करना मुश्किल रहा है।

ऐसा क्यों है कि परग्रही सभ्यता और यूएफओ के बारे में कोई ठोस नतीजा नहीं निकल पा रहा है? इसका एक जवाब दस साल पहले वर्ष 2016 में शोध पत्रिका 'एस्ट्रोबायोलाजी' में प्रकाशित हुआ था। इसमें भारतीय मूल के अंतरिक्ष विज्ञानी आदित्य चोपड़ा और प्रो चार्ली लाइनवीवर ने यह निष्कर्ष दिया था कि पृथ्वी से परे अन्य ग्रहों पर जीवन के लायक हालात ही नहीं हैं। लिहाजा उन पर एलियंस तो क्या, कैसा भी जीवन संभव नहीं है। यहां तक कि सौरमंडल के ही ग्रह मंगल और शुक्र पर 400 करोड़ साल पहले जीवन लायक स्थितियां बनी थीं, पर वहां भी पर्यावरण इतना अनुकूल नहीं रहा कि एलियंस पैदा होकर पनप पाएं।

ये नतीजे सामने आने के बाद सवाल यह है कि क्या अब अंतरिक्ष में ऐसी खोजों का कोई महत्त्व रह गया है? खासतौर से इसरो जैसे भारतीय संगठनों को अब क्या करना चाहिए, क्योंकि उसके चंद्र और मंगल अभियानों को ही खर्चीला बताकर उनकी आलोचना होती रही है।

यह सच है कि बीते कई दशकों में एलियंस की खोज कहीं नहीं पहुंची है, लेकिन कई विशेषज्ञ इस धारणा के धुर समर्थक रहे कि ब्रह्मांड में कहीं न कहीं इंसानों जैसी या उससे भी ज्यादा बुद्धिमान सभ्यता मौजूद है। करीब एक दशक पहले एक टेलीविजन चैनल (डिस्कवरी) पर प्रसारित एक श्रृंखला में कहा गया था कि अन्य ग्रहों पर भी बुद्धिमान प्राणी हो सकते हैं और संभव है कि वे संसाधनों की तलाश में पृथ्वी पर हमला करें। उन्होंने यह भी कहा था कि अगर एलियंस पृथ्वी पर आते हैं तो उसका वैसा ही परिणाम होगा, जैसा कोलंबस के अमेरिका पहुंचने पर वहां के मूल निवासियों का हुआ था। अमेरिकी अंतरिक्ष एजंसी- नासा भी हाकिंग की राह पर चलती रही है। उसने इसके लिए पहले 'सेटी' (सर्च फॉर एक्स्ट्रा टेरेस्ट्रियल इंटेलिजेंस) जैसा व्यापक अभियान चलाया। उससे जब कुछ नहीं मिला तो 2015 से नेक्सस (नेक्सस फॉर एक्सोप्लैनेट सिस्टम साइंस) नामक अभियान की शुरुआत की थी।

एलियंस के वजूद में भरोसा रखने वालों के नजरिए से देखें, तो कहा जा सकता है कि इस ब्रह्मांड में असंख्य आकाशगंगाएं हैं, इसलिए यह सोचना सांख्यिकीय तर्क के हिसाब से सही हो सकता है कि उनमें कहीं न कहीं जीवन हो। मगर पिछले कई दशकों से दुनिया भर के वैज्ञानिकों ने इस सवाल का जो जवाब खोजा था, वह यही है कि ब्रह्मांड में इंसान अकेला है।

इस उत्तर को मुकम्मल नहीं मानने की एक वजह यही रही कि इस काम में तकनीकी सीमाएं कायम रही हैं। पहले दुनिया के पास न तो बेहद ताकतवर टेलीस्कोप थे और न ही वैसे संकेत पकड़ने वाले यंत्र, जो अंतरिक्ष से आने वाली हर सूक्ष्म आहट को एक अलग प्रकार के जीवन की तरफ से संवाद की कोशिश के रूप में दर्ज कर सकें। दूसरी बड़ी खामी इस मान्यता से जकड़े रहना रहा कि दूसरी दुनिया भी हमारी पृथ्वी जैसी होगी और उस पर इंसान जैसे जीव ही बसते होंगे। यह अवधारणा परग्रही जीवन खोजने में बाधक बनी।

मगर आधुनिक तकनीक के सहारे भी हमारे ही सौरमंडल में मौजूद दो ग्रहों यानी मंगल और शुक्र पर अभी तक न तो जीवन के कोई संकेत मिले और न ही इसकी कोई संभावना नजर आई है कि इन पर भविष्य में भी जीवन संभव हो सकता है। इसका कारण है इन ग्रहों का तापमान, वायुमंडलीय दबाव और सूर्य से इनकी दूरी। कहीं बेहद ऊंचे या अत्यधिक कम दाब व तापमान, तो कहीं जहरीली गैसों की मौजूदगी ने जीवाणु आधारित जीवन की संभावनाओं को पलीता लगा रखा है।

चूंकि अब तक का तकनीकी ढांचा पृथ्वी से परे किसी भी जीवन संकेत को खोज नहीं पाया है, लिहाजा बेहतरी इसी में है कि एलियंस की खोज और संपर्क का काम छोड़ दिया जाए और इसे उन्हीं के हवाले छोड़ा जाए कि वे बताएं कि उनका कोई वजूद है। कम से कम इसरो जैसे भारतीय संगठनों और हमारे वैज्ञानिकों को इस खोज से परहेज ही करना चाहिए। इनके बजाय स्वदेशी जीपीएस तंत्र को कारगर बनाने और देश के दुर्गम इलाकों को बाढ़ और सूखे से बचाने की जानकारियां दिलाने में कारगर उपग्रहों की तैनाती पर जोर देना चाहिए। ये बुनियादी चीजें ही अंतरिक्ष में हमारी जानकारी के हिसाब से ज्यादा महत्त्व रखती हैं।

बोलने का अंदाज ही पहचान, छोटी सी आदत बदल सकती है आपकी किस्मत

यह आमतौर पर कहा जाता है कि वाणी ही अमृत है और यह विष भी है। वाणी जितनी सरल और मधुरता लिए होगी, उतनी ही यह गुंजाइश होगी कि हम अपने जीवन में सफल हो पाएं। सही बातों को भी बोलने का अंदाज उसके प्रभाव को सकारात्मक या नकारात्मक बना देता है। अगर कोई उचित राय भी जाहिर करते हुए वाणी को कठोर बना कर बोला जाए, तो इससे न सिर्फ संबंध बिगड़ते हैं, बल्कि यह स्थिति विकट परिस्थितियों को भी जन्म देने में सक्षम है।

यह बिल्कुल आवश्यक नहीं है कि हमारा विचार किसी अन्य व्यक्ति से मिले या प्रभावित हो और हम उसके अनुकूल ही बात करें। मगर अपनी बात समझाने के लिए हमें अपनी वाणी, यानी संवाद की शैली को सुमधुर बनाना बहुत आवश्यक है। वाणी की मधुरता दूसरे के प्रति सम्मान, धैर्य और समझ का प्रतीक है। उचित, लेकिन संयमित लहजे में प्रतिकार जरूरी है, लेकिन सही संवाद यह सिखाता है कि किसी की भावना को ठेस पहुंचाए बिना हम कैसे अपनी बात को सामने वाले पक्ष तक पहुंचाएं।

दरअसल, मधुर संवाद हमारा वह साथी है, जो किसी भी तरह के हालात को बदलने में सक्षम है। किसी भी काम की शुरुआत और उसे लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए संवाद की शैली ही व्यवहार का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा है, जिससे हम उसकी पूर्णता को प्राप्त कर सकते हैं। परिवार में भी देखा जाए, तो माता-पिता से लेकर बच्चों तक के बीच संवाद खुला होना चाहिए। उसमें सौम्यता होनी चाहिए। अगर हम ऐसा करने में सफल होते हैं, तो हम पीढ़ियों के बीच होने वाले वैचारिक मतभेद को कम कर सकते हैं। आजकल पीढ़ियों के बीच सोच-समझ के अंतर पर जोर देकर कई बार परिवार के बीच भी आपसी दूरी की स्थिति को सही ठहराया जाता है।

समाज के परिप्रेक्ष्य में भी देखें, तो वही व्यक्ति समाज का सही नेतृत्व कर सकता है, जिसके पास मधुर संवाद और उसका प्रभाव हो। इसकी सीधी वजह यह है कि जिस व्यक्ति की बोली मधुर होगी, उसी की बात लोग सुनेंगे, गुनेंगे और उसी पर विचार करेंगे। कड़वी भाषा में बोली गई बात को आमतौर पर लोग नजरअंदाज करते हैं या फिर उससे असहमत होने के मानस में चले जाते हैं। हालांकि कई बार सच कड़वा होता है, लेकिन उसे बोलने के अंदाज में स्वीकार्यता का ध्यान रखना चाहिए।

बड़े से बड़े विवादों के बीच अगर हम कठोर शब्दों के बजाय मधुर शब्दों का प्रयोग करें, तो विवाद शांति और समझाइश से सुलझाए जा सकते हैं। हमारा संवाद ऐसा होना चाहिए कि किसी भी व्यक्ति को दिल से बुरा न लगे। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि हमें सामने वाले को भी सुनना चाहिए और उसकी परिस्थिति को समझकर उसके प्रति सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण रखना चाहिए। बाद में भ्रम पैदा न हो, इसका भी ध्यान रखना चाहिए, साथ ही संवाद स्पष्ट और सम्मानजनक होना चाहिए। किसी भी प्रकार की असहमति से आहत न होना भी मधुर संवाद की विशेषता है।

तेजी से बदलते दौर में सोशल मीडिया पर लोग आज जिस तरह की भाषा का उपयोग करते हुए संवाद करते हैं, उससे धीरे-धीरे हमारी संवेदनशीलता और संवाद शैली प्रभावित हो रही है। कई बार हम बिना सोचे-समझे भी किसी के बारे में कुछ कह बैठते हैं और बात फिर बिगड़ती चली जाती है। ऐसे में हमें अपने संवाद और संदेश की मधुरता का ध्यान रखना होगा। हर संदेश को संयम और धैर्य के साथ भेजना ही संवाद शैली की एक विशेषता है। हमें ऐसा लग सकता है कि हम अपने विरोधी से क्यों मधुर स्वर में बात करें, लेकिन अपने विरोधी से भी प्रेम से बात करना केवल शिष्टाचार नहीं है, बल्कि हमारी स्वयं की दूरदर्शिता है। इससे न केवल हम विपक्षी को अपने पक्ष में ला सकते हैं, बल्कि अपने काम में आ रही बाधाओं को भी दूर कर सकते हैं।

मधुर संवाद के लिए हमें ज्यादा कुछ करने की आवश्यकता नहीं पड़ती है। बस इतना ही करना काफी है कि बोलने से पहले उस बात पर विचार कर लिया जाए। हमेशा सकारात्मक शब्दों का चयन करना चाहिए और कभी-कभी प्रशंसा करने में कंजूसी नहीं बरतनी चाहिए। क्रोध में हमेशा मौन रहने की जरूरत है और किसी के द्वारा की गई आलोचना को नकारात्मक रूप से न लेकर, उसमें अपने प्रति भलाई हो, तो वह ढूंढ़ना चाहिए। वरना उसे छोड़ देना चाहिए। स्वामी विवेकानंद ने भी कहा है कि हमें ऐसी वाणी बोलनी चाहिए, जो सत्य हो, हितकारी हो और प्रिय भी हो।

प्रकृति ने मनुष्य को अन्य प्राणियों से श्रेष्ठ बनाया है और इस श्रेष्ठता के मायने यह है कि मनुष्य के पास संवाद की क्षमता है। यह संवाद केवल क्षमता तक सीमित नहीं है, ये हमारे संवाद के कौशल, यानी उसकी मधुरता और संवेदनशीलता पर भी निर्भर है। मधुर संवाद क्षमता सामने वाले के मन का बोझ दूर करती है। माता-पिता अगर बच्चे से बात करते समय मधुर संवाद का कौशल अपनाएंगे, तो बच्चे पर प्रभाव सकारात्मक होगा। अगर एक अधिकारी अपने अधीनस्थों से मधुर संवाद रखेगा, तो काम में प्रवीणता आएगी और अगर पति-पत्नी के संबंधों के बीच या फिर मित्र और मित्र के बीच में मधुर संवाद होगा, तो आपसी गलतफहमियां स्वतः ही दूर हो जाएंगी।

जरूरी बात यह है कि हमारी बात में दृढ़ता तो हो, लेकिन कटुता नहीं। भाषा की मधुरता जीवन का सच्चा रंग है, जिसे हमें अपने जीवन में उतारना चाहिए। बड़े से बड़े सफल व्यक्ति ने यही मधुर संवाद शैली अपनाकर अपने जीवन को कामयाब बनाया है और इसके जरिए हम भी अपने जीवन को सफल और सुगम बना सकते हैं।

मुफ्त रेवड़ी संस्कृति जीवंत लोकतंत्र के लिये घातक

भारतीय लोकतंत्र की विडंबना यह है कि चुनाव आते ही जनसेवा का स्वरूप बदलकर जनलुभावन राजनीति में परिवर्तित हो जाता है। राजनीतिक दलों ने मुफ्त की योजनाओं को चुनावी सफलता का शॉर्टकट बना लिया है। मतदाताओं को तात्कालिक आर्थिक लाभ देकर वोट हासिल करने की प्रवृत्ति लगातार मजबूत हो रही है। आगामी तीन-चार माह में विधानसभा चुनाव होने है, इसी संदर्भ में जब असम, पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हुईं, तब इस संस्कृति का प्रभाव और स्पष्ट दिखाई देने लगा। इसी पृष्ठभूमि में देश की शीर्ष अदालत, सर्वोच्च न्यायालय, ने मुफ्त की योजनाओं के अनियंत्रित विस्तार पर गंभीर टिप्पणी की। यह टिप्पणी केवल कानूनी दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा को लेकर एक चेतावनी है।

लोकतंत्र का मूल उद्देश्य जनकल्याण है। राज्य का दायित्व है कि वह गरीब, वंचित और कमजोर वर्गों को सहारा दे। सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधाएं, न्यूनतम जीवन स्तर की गारंटी-ये सब कल्याणकारी राज्य की पहचान हैं। लेकिन जब जनहित और चुनावी लाभ के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समस्या जन्म लेती है। लक्षित समर्थन और अतिरेक उदारता में अंतर है। एक ओर ऐसी योजनाएं हैं जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती हैं, दूसरी ओर ऐसी घोषणाएं हैं जो केवल मतदाता को तात्कालिक राहत देकर उसे निर्भरता की आदत सिखाती हैं। जब राजस्व घाटे से जूझ रहे राज्य मुफ्त बिजली, मुफ्त यात्रा या नकद वितरण की घोषणाएं करते हैं, तो प्रश्न उठता है कि यह संसाधन कहां से आएंगे और इसकी कीमत कौन चुकाएगा? राजकोषीय अनुशासन किसी भी राज्य की आर्थिक सेहत का आधार है। यदि राज्य अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिए खजाने को खाली करता है, तो दीर्घकालिक विकास प्रभावित होता है। जो धन बुनियादी ढांचे के निर्माण, अस्पतालों के सुदृढ़ीकरण, विद्यालयों की गुणवत्ता सुधार और रोजगार सृजन में लगना चाहिए, वह वोटों की फसल काटने में खर्च हो जाता है। यह प्रवृत्ति केवल आर्थिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि नैतिक दृष्टि से भी चिंताजनक है। लोकतंत्र में मतदाता की स्वतंत्रता सर्वोपरि मानी जाती है। यदि मतदाता को परोक्ष रूप से आर्थिक प्रलोभन देकर प्रभावित किया जाता है, तो यह स्वतंत्र निर्णय की भावना को कमजोर करता है।

सर्वोच्च न्यायालय ने तार्किक प्रश्न उठाया कि राज्य रोजगार सृजन और कौशल विकास पर अधिक ध्यान क्यों नहीं देते? वास्तव में रोजगार ही स्थायी सशक्तीकरण का माध्यम है। जब व्यक्ति अपने श्रम और कौशल से आय अर्जित करता है, तब उसमें आत्मसम्मान और आत्मविश्वास दोनों विकसित होते हैं। इसके विपरीत, निरंतर मुफ्त सुविधाएं व्यक्ति को निर्भर बनाती हैं। धीरे-धीरे परिश्रम की संस्कृति कमजोर पड़ती है और समाज में अकर्मण्यता की मानसिकता पनपने लगती है। यह स्थिति लोकतंत्र की सुदृढ़ता के लिए खतरनाक है, क्योंकि लोकतंत्र केवल वोट डालने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि सक्रिय और जिम्मेदार नागरिकता का नाम है। चुनाव पूर्व घोषित योजनाओं की निष्पक्षता भी प्रश्नों के घेरे में है। जब आचार संहिता लागू रहने के दौरान बड़े पैमाने पर आर्थिक वितरण होता है, तो विपक्षी दल इसे असमान प्रतिस्पर्धा मानते हैं। ऐसे मामलों में निष्पक्ष निगरानी की जिम्मेदारी भारत का निर्वाचन आयोग पर आती है। निर्वाचन आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी दल मतदाताओं को अप्रत्यक्ष रिश्वत देकर चुनावी लाभ न ले। आचार संहिता का उल्लंघन केवल तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मर्यादा का हनन है। यदि इस पर कठोर कार्रवाई नहीं होती, तो भविष्य में यह प्रवृत्ति और गहरी जड़ें जमा सकती है। निस्संदेह, इस बारे में कोई दो राय नहीं हो सकती है कि राज्यों का यह प्राथमिक कर्तव्य है कि वे विशेष रूप से कमजोर वर्ग के लोगों की खास तौर से देखभाल करें। हालांकि, जब राजस्व घाटे वाले राज्य मुफ्त की योजनाओं पर बड़ी रकम खर्च करते हैं, तो सरकारी खजाने पर दबाव और अधिक बढ़ जाता है। विडंबना यह है कि जिस धनराशि का इस्तेमाल बुनियादी ढांचे में सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं को सक्षम बनाने और शिक्षा की सुविधा को समृद्ध करने के लिये किया जाना चाहिए, वो राशि अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिये खर्च कर दी जाती है। जरूरत इस बात की है कि कौशल विकास के जरिये लोगों को इस तरह सक्षम बनाया जाए जिससे उन्हें दीर्घकालिक व स्थायी लाभ मिल सकें।

यह भी समझना होगा कि मुफ्त योजनाओं का हर स्वरूप गलत नहीं है। आपातकालीन परिस्थितियों में राहत देना, महामारी या प्राकृतिक आपदा के समय सहायता पहुंचाना, सामाजिक न्याय के तहत वंचित वर्गों को अवसर देना-ये सब राज्य की जिम्मेदारी है। परंतु चुनावी मौसम में अचानक घोषणाओं की बाढ़ आ जाना और दीर्घकालिक वित्तीय परिणामों की अनदेखी करना लोकतांत्रिक परिपक्वता का संकेत नहीं है। यह राजनीतिक दलों के वैचारिक दिवालियेपन को दर्शाता है, जहां दूरदृष्टि की जगह तात्कालिक लाभ को प्राथमिकता दी जाती है। लोकतंत्र की मजबूती केवल संस्थाओं से नहीं, बल्कि नागरिकों की सजगता से भी आती है। यदि मतदाता केवल तात्कालिक लाभ देखकर मतदान करता है, तो वह अनजाने में ऐसी संस्कृति को प्रोत्साहित करता है जो अंततः उसी के भविष्य को प्रभावित करती है। परिपक्व मतदाता वही है जो घोषणाओं के पीछे की मंशा और आर्थिक व्यवहार्यता को समझे। वह यह पूछे कि पांच साल बाद राज्य की आर्थिक स्थिति क्या होगी, विकास की दिशा क्या होगी और रोजगार के अवसर कितने बढ़ेंगे। लोकतंत्र में वोट केवल अधिकार नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है।

आज भारत स्वयं को वैश्विक मंच पर एक सशक्त लोकतंत्र के रूप में स्थापित करना चाहता है। हम विश्वगुरु बनने का संकल्प लेते हैं, लेकिन यदि हमारी राजनीति लोकलुभावनवाद के जाल में उलझी रहेगी, तो यह संकल्प खोखला सिद्ध होगा। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने का गौरव तभी सार्थक है जब हमारी नीतियां दूरदर्शी, संतुलित और टिकाऊ हों। मुफ्त की संस्कृति से बाहर निकलकर उत्पादकता, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना ही वास्तविक प्रगति का मार्ग है। यह समय आत्ममंथन का है। राजनीतिक दलों को समझना होगा कि जनता को सशक्त बनाना केवल धन बांटने से संभव नहीं है। शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य और रोजगार-ये चार स्तंभ किसी भी राष्ट्र की मजबूती तय करते हैं। यदि इन पर निवेश बढ़ेगा, तो नागरिक आत्मनिर्भर बनेंगे और राज्य पर बोझ कम होगा। वहीं, नागरिकों को भी यह ठानना होगा कि वे तात्कालिक प्रलोभनों के बजाय दीर्घकालिक विकास को प्राथमिकता देंगे। लोकतंत्र की सुदृढ़ता तभी सुनिश्चित होगी जब शासन और जनता दोनों अपने-अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करें।

निस्संदेह, चुनावी निष्पक्षता के लिये यह आवश्यक हो गया है कि चुनाव से पहले घोषित की गई या लागू की गई लोकलुभावनी नीतियों व योजनाओं की गहन पड़ताल की जाए। विपक्षी दलों द्वारा बिहार सरकार पर आरोप लगाया गया था कि पिछले साल अक्तूबर में आचार संहिता लागू रहने के दौरान मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिला लाभार्थियों को 15, 600 करोड़ रुपये दिए गए थे। जो कि स्वस्थ लोकतांत्रिक प्रक्रिया के विरुद्ध कदम था। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि भारत के निर्वाचन आयोग की ओर से राजनीतिक दलों द्वारा मतदाताओं को अपरोक्ष रूप से रिश्वत देने के प्रयासों पर पैनी नजर रखी जाए। साथ ही इस दिशा में चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के रूप में कार्रवाई भी करनी चाहिए। निर्विवाद रूप से चुनाव प्रक्रिया में कोई भी पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाना हमारे जीवंत लोकतंत्र के लिये हानिकारक है।

मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की प्रवृत्ति लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर करती है। यह कार्य करने की मानसिकता को बाधित करती है और समाज में सरकार-निर्भरता एवं अकर्मण्यता की संस्कृति को जन्म देती है। यदि इस प्रवृत्ति पर समय रहते नियंत्रण नहीं लगाया गया, तो आर्थिक असंतुलन और राजनीतिक अविश्वास दोनों बढ़ेंगे। इसलिए आवश्यक है कि नीतियों की पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन और चुनावी निष्पक्षता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

एनएसडीसी ने उच्च शिक्षा में ग्लोबल सर्टिफ़िकेशन को शामिल करने के लिए सेंटर फ़ॉर फ़्यूचर स्किल्स पहल को बढ़ावा दिया

मंत्र भारत संवाददाता

वाराणसी। राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) अपने फ्लैगशिप सेंटर फॉर फ्यूचर स्किल्स (सीएफएस) पहल को बढ़ाकर भारत के उच्च शिक्षा और स्किलिंग इकोसिस्टम को मज़बूत कर रहा है।

परमार्थ त्रिवेणी पुष्प, प्रयागराज में भगवान जगन्नाथ प्राण-प्रतिष्ठा पूर्णाहुति समारोह संपन्न

संगम के हर घाट पर आरती हो, साप्ताहिक श्रमदान के माध्यम से घाटों को स्वच्छ रखने का किया आह्वान

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। तीर्थराज प्रयागराज के पावन संगम तट पर स्थित परमार्थ त्रिवेणी पुष्प परिसर में भगवान जगन्नाथ के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह की दिव्य पूर्णाहुति अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ सम्पन्न हुई। इस ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक अवसर पर स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी, अध्यक्ष परमार्थ निकेतन, के सान्निध्य में संत समाज, शिक्षाविदों, न्यायविदों, उच्चाधिकारियों, उद्योगपतियों तथा सैकड़ों श्रद्धालुओं की गरिमामयी उपस्थिति रही।

समारोह में भगवान जगन्नाथ धाम पुरी से पधारे प्रमुख आचार्य मधुसूदन सहित प्रयागराज के लगभग सभी मठों, अखाड़ों, मंदिरों एवं आश्रमों के पूज्य संतों ने अपनी पावन उपस्थिति से आयोजन को आध्यात्मिक ऊँचाइयों तक पहुँचाया। वैदिक मंत्रोच्चार, हवन, यज्ञ और पूर्णाहुति के साथ सम्पूर्ण वातावरण भक्ति और दिव्यता से ओतप्रोत हो उठा।

इस अवसर पर स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि 'प्राण-प्रतिष्ठा अर्थात् अपने हृदय में ईश्वर की चेतना जगाने का संकल्प है। जब तक हमारे भीतर संस्कार, सेवा और सद्भाव की प्रतिष्ठा नहीं होगी, तब तक समाज में वास्तविक परिवर्तन संभव नहीं है।

उन्होंने विशेष रूप से ऋषिकन्याओं द्वारा संगम आरती की परंपरा प्रारंभ करने का आह्वान करते हुए कहा कि हमारी बेटियाँ केवल परिवार की शक्ति नहीं, बल्कि संस्कृति और राष्ट्र की आधारशिला हैं। संगम तट, न्यू अरैल घाट पर ऋषिकन्याओं द्वारा नियमित आरती भारतीय संस्कृति की गरिमा, नारी शक्ति और आध्यात्मिक नेतृत्व का प्रतीक बनेगी। इसी क्रम में उन्होंने कन्या गुरूकुल खोलने की घोषणा की, जहाँ बालिकाओं को वेद, संस्कृत, योग, ध्यान, भारतीय संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण और आधुनिक शिक्षा का समन्वित प्रशिक्षण दिया जाएगा।

स्वामी ने कहा कि 'नारी शिक्षित होगी तो राष्ट्र सशक्त होगा। कन्या गुरूकुल भारत की उस प्राचीन परंपरा को पुनर्जीवित करेगा, जहाँ ज्ञान, संस्कार और सेवा का संगम होता था। भारत की अन्य भाषाओं में भी कर्मकाण्ड का प्रशिक्षण उन कन्याओं को दिया जायेगा ताकि वे संस्कारों व संस्कृति की अलख जगा सके।

स्वामी ने इस पूरे आयोजन के सफलतापूर्वक सम्पन्न होने के लिये विनोद बागरोडिया जी, रजत बागरोडिया जी, श्रीमती उपासना बागरोडिया, श्रीमती आभा बागरोडिया, आभा बागरोडिया ट्रस्ट, अरूण सारस्वत जी, आचार्य दीपक शर्मा, रेखा मशरूवाला, अतुल मशरूवाला, माधव, आचार्य दीलिप, संतोष गुप्ता, संतोष पाण्डेय, शिव, अन्जना, समस्त ऋषिकुमार, पुरी से महाप्रसाद बनाने आये महाराज, समस्त पुरोहितगण और सभी का अभिनन्दन कर सम्मानित किया।

जलकल विभाग नगर निगम में कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन ख़ुशरोबाग जलकल में आयोजित किया गया। शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा स्वास्थ्य जांच की गयी, जिसमें रक्तचाप, शुगर, और अन्य स्वास्थ्य जांच शामिल हैं। इसके अलावा, लगभग 400 कर्मचारियों को मुफ्त परामर्श और दवाएं भी प्रदान की गयी।

नगर निगम के मा. महापौर महोदय द्वारा शिविर का उद्घाटन किया गया, महोदय ने बताया कि यह शिविर कर्मचारियों के स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य अपने कर्मचारियों को स्वस्थ और खुशहाल जीवन प्रदान करना है।

शिविर में भाग लेने के लिए कर्मचारियों से अनुरोध है कि वे अपना समय समय पर हेल्थ चेकअप कराते रहे, यह शिविर हर तीन महीनों में और जोनल कार्यालयों में भी आयोजित किया जायेगा। शिविर में कुमार गौरव महाप्रबंधक, राधेश्याम, शिवम, संघ भूषण, संजीव कुमार अधिशासी अभियंता एवं लेखाधिकारी सुजीत कुमार और सभी सहायक अभियंता, अवर अभियंता उपस्थित रहे।

अल्लापुर जोन में जन्म प्रमाण पत्र के लिए सुविधा शुल्क मांगने पर कुटाई

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। नगर निगम के अल्लापुर स्थित जोनल कार्यालय में जन्म प्रमाण पत्र के बदले सुविधा शुल्क मांगने वाले एक कर्मचारी की पिटाई हो गई। जन्म प्रमाण पत्र के बदले आउटसोर्स कर्मचारी एक हजार रुपया मांग रहा था। रुपये मांगने को लेकर बहस शुरू हुई और जन्म प्रमाण पत्र लेने आए व्यक्ति ने कथित कर्मचारी की पिटाई शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि शुक्रवार सुबह घटना के समय जोनल अधिकारी भी मौजूद थे। उसी समय एक पार्षद भी मौके पर थे। 11 दिन के अंदजोनल कार्यालय में सुविधा शुल्क मांगने पर दूसरी घटना हुई। इससे पहले 17 फरवरी को भी एक स्थानीय व्यक्ति और जोन कार्यालय के कंप्यूटर ऑपरेटर के बीच मारपीट हुई थी।

आरोही संस्कृति संगम नारी शक्ति को करेगी सम्मानित

प्रयागराज। सामाजिक व सांस्कृतिक संस्था आरोही संस्कृति संगम की आवश्यक बैठक शुक्रवार को राम वाटिका परिसर में हुई। जिसमें अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाली पांच महिलाओं को नारी शक्ति सम्मान से सम्मानित करने का निर्णय लिया गया। मुख्य अतिथि मनोज सक्सेना रहे। अध्यक्षता न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने की। संस्था की सचिव प्रियंका चौहान ने अतिथियों का स्वागत व धन्यवाद ज्ञापित किया।

छात्र व उसके दोस्त को मारपीट कर लहूलुहान किया

प्रयागराज। दोस्त से मिलने उसके घर गए एक छात्र को लोहे की रॉड और कट्टे की बट से मारकर लहूलुहान कर दिया गया। छात्र ने धूमनगंज थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। सुलेमसराय ताड़बाग निवासी लकी पासी की तहरीर के मुताबिक वह अपने मित्र देवांश दुबे से मिलने प्रीतम नगर गया था। दोनों रात लगभग 9:30 बजे पीयूष हॉस्पिटल के पास मौजूद थे, तभी शिवांश राज, राकी राज, राम लखन यादव और पांच अज्ञात निवासी तलारी गांव प्रीतम नगर ने उनपर हमला कर घायल कर दिया। आरोप है कि शिवांश राज और राम लखन यादव ने कट्टे की बट से मारकर देवांश का सिर फोड़ दिया।

दुर्गावती इंटरनेशनल स्कूल में फूल-गुलाल और उल्लास के बीच होली मिलन सम्पन्न

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। दुर्गावती इंटरनेशनल स्कूल कि सभी शाखाओं में फूलो - गुलाल और उल्लास के बीच होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और अभिभावकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और परस्पर शुभकामनाएं दीं।

स्कूल कि प्रबन्धक डॉ. स्वतंत्र मिश्रा ने कहा कि यह कार्यक्रम न केवल होली के रंगों का उत्सव है, बल्कि यह बच्चों में भाईचारा, सहयोग और सामाजिक सामंजस्य की भावना विकसित करने का भी माध्यम है। कार्यक्रम में रंगोली प्रतियोगिता, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और खेल गतिविधियाँ भी आयोजित की गई, जिससे बच्चों में उत्साह और रचनात्मकता का उत्सव देखने को मिला।

अभिभावकों ने इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों को पारंपरिक त्योहारों के महत्व को समझने और सामाजिक मेल-जोल बढ़ाने में मदद करते हैं। कार्यक्रम का समापन सभी उपस्थित लोगों द्वारा रंगों के साथ एक दूसरे को होली की शुभकामनाएं देते हुए हुआ इस दौरान प्रधानाचार्या विशाखा, रितु, संजू, अराधना, अदिति, उपासना, अस्मित अदि लोग मौजूद रहे।

शहीद चन्द्रशेखर आज़ाद स्मृति दिवस पर हुआ कार्यक्रम

शहीद चन्द्रशेखर आज़ाद है युवाओं के प्रेरणास्रोत : पंकज जायसवाल

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। आर्य कन्या डिग्री कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना की (एनएसएस) सभी इकाईयों की ओर से शहीद चन्द्रशेखर आज़ाद की पुण्यतिथि के अवसर पर आज स्मृति दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में देशभक्ति, त्याग, साहस और राष्ट्रसेवा की भावना को जागृत करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ अध्यक्ष शासी निकाय पंकज जायसवाल ने दीप प्रज्ज्वलन तथा शहीद चन्द्रशेखर आज़ाद के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। अध्यक्ष शासी निकाय पंकज जायसवाल ने शहीद चन्द्रशेखर आज़ाद के जीवन - संघर्ष, उनके अदम्य साहस तथा स्वतंत्रता आंदोलन में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस प्रकार आज़ाद ने बाल्यावस्था से ही अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष किया और 'आज़ाद' नाम को अपने जीवन का संकल्प बना लिया। कहा कि वह युवाओं के प्रेरणास्रोत है। स्वयंसेविकाओं को उनके आदर्शों पर चलने तथा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का संचालन व संयोजन महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रभारी कार्यक्रम अधिकारी डॉ रंजना त्रिपाठी ने किया तथा सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर उप प्राचार्या प्रो ईभा सिरोठियां, प्रो अंजू श्रीवास्तव, प्रो नीलांजना जैन, डॉ दामिनी, डॉ भारती, डॉ शिवानी, डॉ सुधा, डॉ चित्रा, डॉ अमित, डॉ सब्यसाची, तथा समस्त शिक्षिकायें, शिक्षक एवं स्वयंसेविकायें उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

11 दिव्यांग बेटियों के सामूहिक विवाह से पूर्व हल्दी, संगीत संध्या का शुभारम्भ

सच्ची सेवा के लिए दृढ़ संकल्प, करुणा की जरुरत : न्यायमूर्ति अनिल कुमार

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। 11 दिव्यांगजन बेटियों के सामूहिक विवाह समारोह से पूर्व आयोजित हल्दी रस्म एवं संगीत संध्या का शुभारंभ आज बैंक रोड स्थित राजर्षि टंडन सेवा केंद्र में आयोजित किया गया। यह आयोजन लोकसेवक मंडल, शेरवानी चैरिटेबल ट्रस्ट, अखिल भारतीय महिला परिषद (शहर शाखा) तथा अनाम स्नेह परिवार की ओर से हो रहा है। मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति अनिल कुमार ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति अनिल कुमार ने कहा कि यह आयोजन केवल सहायता प्रदान करने का प्रयास नहीं, बल्कि दिव्यांग बेटियों को सक्षमता प्रदान करने का सशक्त अभियान है। उन्होंने कहा यह पहल दया या सहानुभूति की नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और सम्मान की है। यहां केवल विवाह ही नहीं, बल्कि रोजगार के माध्यम से जीवन को स्थायित्व देने का कार्य भी किया जा रहा है। यही सच्चा सामाजिक उत्थान है।

उन्होंने कहा कि शारीरिक अक्षमताओं के बावजूद आशा स्कूल एवं भविनी वेलफेयर के बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम अत्यंत सराहनीय हैं और यह सिद्ध करते हैं कि प्रतिभा किसी सीमा की मोहताज नहीं होती।

मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम के संयोजक श्रीनारायण यादव की सराहना करते हुए कहा कि

श्रीनारायण यादव ने यह सिद्ध कर दिया है कि सच्ची सेवा के लिए केवल दृढ़ संकल्प और करुणा की आवश्यकता होती है शारीरिक सीमाएं नहीं।

श्रीमती रश्मी सिंह, श्रीमती कांती दीक्षित, श्रीमती यमुनोत्री गुप्ता, श्रीमती कांता चोपडा, डॉ सविता राठी, डॉ सुधा पाण्डेय, श्रीमती मधू यादव, श्रीमती प्रीती रानी, श्रीमती प्रेमलता शुक्ला आदि दिव्यांग वधुओं को हल्दी का उबटन लगाकर विधिवत हल्दी -मेहंदी की रस्म की शुरुआत हुई। इस भावनात्मक क्षण में पूरा पंडाल मंगलगीतों और तालियों की गूंज से भर उठा।

अध्यक्षता करते हुये राजकुमार चोपड़ा (राष्ट्रीय अध्यक्ष, लोकसेवक मंडल) ने कहा कि दिव्यांग बेटियों के सम्मानपूर्ण विवाह को सामाजिक उत्तरदायित्व की अनुकरणीय पहल बताया।

कार्यक्रम के आरम्भ मे स्वागत एवं रूपरेखा वरिष्ठ अधिवक्ता श्रीमती सुभाष राठी ने एवं संचालन लोकसेवक मंडल के सचिव एवं शिक्षाविद ब्रह्माप्रकाश त्रिपाठी ने किया। कर्मचारी नेता रविशंकर मिश्र ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण आशा स्कूल के दिव्यांग बच्चों ने प्रस्तुत राम, सीता और लक्ष्मण की मनोहारी झांकी रही। भविनी वेलफेयर के दिव्यांग बच्चों ने भी रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ देकर कार्यक्रम को भावनात्मक ऊँचाई प्रदान की।

प्रो अवनीश चंद्र मिश्र ने कहा कि यह आयोजन सामाजिक समरसता, सक्षमता और राष्ट्रीय भावना का जीवंत उदाहरण बनकर उभरा। कार्यक्रम मे वरिष्ठ अधिवक्ता आर के राजू नई दिल्ली, विष्णु कांत मिश्र, रीता यजमानी, सुश्री अनुराधा, मनोज कुमार पाण्डेय, अनिल कुमार नीलू, अंजू जायसवाल, अंजली वर्मा, आभा मिश्रा, कमला देवी, निशा गुप्ता, पी एल यादव, जावेद सिद्दकी, लक्ष्मी केशरवानी, डॉ रचना अग्रवाल, सुकती माथुर, सरोज जायसवाल, फूलचंद यादव, घनश्याम मास्टर, दीपचंद, अनंत कुमार चौधरी, अर्पित, चंदन, गुड्डू पंडित, सुलोचना, लवलेश सिंह, सुरजीत, राहुल बनर्जी, कुशल, सुनील चंद्र श्रीवास्तव, दूधनाथ, साजिद सहित बडी संख्या में शहर के लोग शामिल हुए।

अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की शहादत पर एक शाम शहीदों के नाम शहीदवॉल पर

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की शहादत पर एक शाम शहीदों के नाम का आयोजन आज शहीदवॉल पर किया गया। इस अवसर पर ए डी एम सत्यम मिश्र ने कहा कि चन्द्रशेखर आजाद हमारे महानायक हैं। बच्चों को इनकी गौरव गाथा से अवगत करा कर उनमें प्रबल राष्ट्र प्रेम पैदा करना होगा । तभी राष्ट्र मजबूत होगा।

उन्होने कहा कि इतिहास सिर्फ मुर्दे उखाड़ना नही बल्कि भविष्य की सीख लेना भी है।

क्रैप्री फाउण्डेशन के द्वारा आयोजित कार्यक्रम को आस्ट्रेलियाई लिली भावना कालॅर जी ने आयोजित किया। इस कार्यक्रम को की देशो में लाइव किया गया। शहीदवॉल के संस्थापक वीरेंद्र पाठक ने चन्द्रशेखर आजाद की शहादत को विस्तार से रखा।

रमा मेन्ट्रोज उदय चन्द्र परदेशी, सूर्यकांत, डा पी के सिन्हा, राम राज जी, वेदानन्द वेद जी ने गायन के माध्यम से शहीदों का नमन किया। कार्यक्रम में रामनरेश पिण्डीवासा, एन बी मान्ट्रोज धीरज श्रीवास्तव डा प्रमोद शुक्ला, सुनील बाजपेई, दिलीप चौरसिया सुनीता मिश्र दिनेश तिवारी डा वी के मिश्र विशाल मन्त्रों, आदि

होली से पहले पुलिस की बड़ी कार्रवाई : यमुना किनारे 70 क्विंटल अवैध महुआ शराब और लहन नष्ट

मंत्र भारत संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। होली पर्व से पहले अवैध शराब कारोबार पर शिकंजा कसते हुए पुलिस और आबकारी विभाग ने संयुक्त अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की। शुक्रवार को धूरपुर थाना क्षेत्र के बीकर, कंजासा सहित यमुना किनारे स्थित कछारी इलाकों में टीम ने स्टीमर और जल पुलिस की मदद से छापेमारी की।

छापेमारी के दौरान पुलिस को देख कच्ची शराब बनाने वाले कारोबारी मौके से फरार हो गए। हालांकि टीम ने भारी मात्रा में अवैध महुआ शराब और लहन बरामद कर नष्ट कर दिया।

पुलिस के अनुसार, धूरपुर क्षेत्र के कई घाटों के पास लंबे समय से कच्ची शराब बनाने का धंधा संचालित हो रहा था। सूचना मिलते ही एसीपी कौंधियारा अब्दुस सलाम खान के नेतृत्व में पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने स्टीमर से कछारी इलाकों में दबिश दी। इसके बाद सहायक पुलिस आयुक्त कौंधियारा के निर्देशन में यमुनापार के कई गांवों में भी अभियान चलाया गया।

कार्रवाई के दौरान लगभग 70 क्विंटल अवैध महुआ शराब और लहन को नष्ट किया गया। टीम ने जल पुलिस और स्टीमर की सहायता से धूरपुर थाना क्षेत्र के बसवार, पालपुर, बीकर, देवरिया, मोहिनी का पुरवा और कंजासा गांवों में छापेमारी की। पुलिस का कहना है कि होली के मद्देनजर कच्ची शराब बनाने वालों ने बड़े पैमाने पर अपना नेटवर्क सक्रिय कर रखा था। इसी को ध्यान में रखते हुए यह विशेष अभियान चलाया गया।

एसीपी कौंधियारा अब्दुस सलाम खान ने बताया कि अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से यह कार्रवाई की गई है और संबंधित आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस ने स्पष्ट किया है कि होली तक यह अभियान लगातार जारी रहेगा और अवैध कारोबार करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जलसंस्थान कर्मी की मौत पर मां ने उठाए सवाल, हत्या की जांच की मांग

नैनी। इंदलपुर गांव में जल संस्थान कर्मी इंद्रजीत भारतीया (30) की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में उसकी मां इन्द्रकली ने हत्या की आशंका जताई है। उन्होंने जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज कर अपराध शाखा से निष्पक्ष जांच और एफआईआर की मांग की है। मां का आरोप है कि बेटे की गला दबाकर हत्या कर शव को पंखे से लटका आत्महत्या का रूप दिया गया। घटना 24 जनवरी 2026 की रात की बताई जा रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा था। पीड़िता ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

जन्म तिथि में गडबडी कर दें रहा था परीक्षा, एफआईआर

डायरेक्ट के निर्देश पर अपर सचिव, डीआईओएस ने पकडकर पुलिस को सौपा

पहली पाली में गणित विषय की दें रहा था परीक्षा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। माध्यमिक शिक्षा निदेशक डा महेंद्र देव के निर्देश पर प्रयागराज क्षेत्रीय कार्यालय के अपर सचिव कमलेश कुमार और डीआईओएस पीएन सिंह के दस्ते ने आज सोरांव थाना क्षेत्र के एक परीक्षा केन्द्र से जन्म तिथि में गडबडी कर परीक्षा दें रहे हाईस्कूल के एक छात्र को पकडकर पुलिस को सौप दिया। इस पर पकडे गये छात्र के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दिया है। यूपी बोर्ड की परीक्षा चल रही है। पहली पाली में हाईस्कूल में गणित विषय की परीक्षा थी।माध्यमिक शिक्षा निदेशक डा महेंद्र देव के निर्देश पर प्रयागराज क्षेत्रीय कार्यालय के अपर सचिव कमलेश कुमार और डीआईओएस पीएन सिंह को जानकारी मिली कि सोरांव थाना क्षेत्र के जानकी देवी गर्ल्स इण्टरमीडिएट कालेज मे एक छात्र जन्म तिथि में गडबडी करके हाईस्कूल गणित विषय में परीक्षा दे रहा है। प्रयागराज क्षेत्रीय कार्यालय के अपर सचिव कमलेश कुमार और डीआईओएस पीएन सिंह परीक्षा केन्द्र पहुंचे और जांच किया तो छात्र आकाश मिला, जो वर्ष-2021 में हाईस्कूल की परीक्षा पास कर चुका था और जन्म तिथि में गडबडी करके फिर से परीक्षा दें रहा था। मामले में डीआईओएस पीएन सिंह ने छात्र से पूछताछ कर संबंधित केन्द्र व्यवस्थापक से छात्र के खिलाफ सोरांव थाने में प्राथमिक दर्ज कराकर छात्र को पुलिस को सौप दिया। डीआईओएस पीएन सिंह ने बताया कि बोर्ड की दोनों पालियों की परीक्षा सकुशल संपन्न हो गयी है।

कोनगांव की गारमेंट फैक्ट्री में युवती से छेड़छाड़, नौकरी से निकालने की धमकी

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी के कोनगांव क्षेत्र स्थित एक गारमेंट फैक्ट्री में काम करने वाली 21 वर्षीय युवती के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। फैक्ट्री में कार्यरत मास्टर पर बाथरूम के पास युवती से जबरदस्ती करने तथा विरोध करने पर नौकरी से निकालने की धमकी देने का आरोप लगा है। पीड़िता की शिकायत पर कोनगांव पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है, हालांकि आरोपी अभी पुलिस गिरफ्त से बाहर बताया जा रहा है।

पुलिस के अनुसार कोनगांव स्थित अस्मिता कंपाउंड में संचालित जानवी गारमेंट्स कंपनी में पीड़िता काम करती है। मंगलवार दोपहर करीब 1.30 बजे युवती बाथरूम गई थी। आरोप है कि इसी दौरान फैक्ट्री में मास्टर के पद पर काम करने वाला रोजन अली उसके पीछे वहां पहुंच गया और मौका पाकर उसका हाथ पकड़कर आपत्तिजनक हरकत करने लगा। युवती द्वारा विरोध किए जाने पर आरोपी ने उसे तथा उसके पति को नौकरी से निकालने की धमकी दी। घटना से युवती मानसिक रूप से आहत हो गई। कुछ दिनों तक विचार करने के बाद उसने कोनगांव पुलिस स्टेशन पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 49/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 74 और 351(2) के अंतर्गत मामला दर्ज किया है। मामले की जांच पुलिस उपनिरीक्षक निलेश वाडकर कर रहे हैं।

गायत्रीनगर से 15 वर्षीय किशोरी लापता, अपहरण का मामला दर्ज.......

भिवंडी। शहर के गायत्रीनगर इलाके से 15 वर्षीय किशोरी के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आया है। परिजनों की शिकायत पर शांतिनगर पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस के अनुसार गायत्रीनगर स्थित शंकर मंदिर के पास रहने वाली एक महिला ने शिकायत में बताया कि 26 फरवरी को दोपहर 1 बजे से 3.30 बजे के बीच वह अपने बच्चों के साथ भोजन करने के बाद घर में सो गई थीं। नींद खुलने पर उनकी 15 वर्षीय बड़ी बेटी घर में नहीं मिली।परिजनों ने आसपास और रिश्तेदारों के यहां तलाश की, लेकिन किशोरी का कोई पता नहीं चल सका। किशोरी की मां ने आशंका जताई है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने बहला-फुसलाकर उसे अपने साथ ले गया है। शिकायत के आधार पर शांतिनगर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) के तहत मामला दर्ज किया है। मामले की जांच पुलिस उपनिरीक्षक रविंद्र आव्हाड कर रहे हैं। पुलिस ने किशोरी की तलाश शुरू कर दी है तथा आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

अंधेरी सबवे में यातायात जाम की समस्या का स्थायी समाधान निकाला जाएगा-राज्यमंत्री माधुरी मिसाळ

मुंबई। अंधेरी सबवे में वर्षा ऋतु के दौरान पानी भर जाने से उत्पन्न होने वाली यातायात जाम की समस्या के स्थायी समाधान के लिए मुंबई महानगरपालिका द्वारा विभिन्न उपाय किए जा रहे हैं, ऐसा उत्तर राज्यमंत्री माधुरी मिसाळ ने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के उत्तर में दिया।

मुंबई में अंधेरी पूर्व और अंधेरी पश्चिम को जोड़ने वाला अंधेरी सबवे एक प्रमुख मार्ग है। वर्षा ऋतु में यहाँ पानी जमा होने के बाद यातायात जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। इसलिए अंधेरी सबवे के संबंध में स्थायी समाधान निकालना अत्यंत आवश्यक है, ऐसा ध्यानाकर्षण प्रस्ताव विधानसभा सदस्य मुरजी पटेल ने विधानसभा में प्रस्तुत किया था।

राज्यमंत्री माधुरी मिसाळ ने कहा कि अंधेरी पूर्व और अंधेरी पश्चिम को जोड़ने वाला अंधेरी भुयारी मार्ग एक वैकल्पिक मार्ग है। यह भौगोलिक दृष्टि से निचले क्षेत्र में स्थित है। इस भुयारी मार्ग के ऊपर से पश्चिम उपनगरीय रेलमार्ग गुजरता है, जिसके कारण इसकी गहराई बढ़ाने या चौड़ाई करने में भौगोलिक कठिनाइयाँ हैं। यदि वर्षा की मात्रा 19 मिलीमीटर प्रति घंटा से अधिक हो जाती है तो इस भुयारी मार्ग में पानी भर जाता है। बृहन्मुंबई महानगरपालिका के वर्षा एवं जलनिकासी विभाग द्वारा वर्षा ऋतु में अस्थायी उपाय के रूप में आवश्यकता अनुसार कुल 2250 घन मीटर प्रति घंटा क्षमता वाले तीन पंप लगाए जाते हैं, जिससे पानी की निकासी की जा सके।

अंधेरी पश्चिम से अंधेरी पूर्व को जोड़ने वाले अंधेरी सबवे के अतिरिक्त गोखले ब्रिज मुख्य मार्ग है। गोखले ब्रिज के नवीनीकरण का कार्य पूर्ण हो चुका है और यह पुल सभी प्रकार के यातायात के लिए खोल दिया गया है। अत्यधिक वर्षा के कारण यदि अंधेरी भुयारी मार्ग बंद रखना पड़ता है, तो एस. वी. रोड का यातायात गोखले ब्रिज की ओर मोड़ दिया जाता है। इससे अंधेरी पश्चिम क्षेत्र में यातायात जाम की समस्या नहीं होती।

हालांकि 55 मिलीमीटर से अधिक वर्षा होने पर यहाँ पानी जमा न हो, इसके लिए 197 करोड़ रुपये का कार्य प्रस्तावित है। इस विषय में सभी संबंधित विभागों की बैठक लेकर समाधान निकाला जाएगा, ऐसा उन्होंने कहा।

इस विषय पर हुई चर्चा में विधानसभा सदस्य अमित साटम तथा दिलीप लांडे ने सहभाग लिया।

हायवा ट्रक ने दी बाइक को जोरदार टक्कर,चालक युवक की कुचलने की मौत

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी के अंजुरफाटा चौक सुरक्षा व्यवस्था के अभाव में 'एक्सीडेंटल स्पॉट'बन गया है।जहां पर रोजाना दुर्घटनाएं होती रहती है।गुरुवार की शाम काम से घर जा रहे एक युवकों को हायवा ट्रक द्वारा कुचलने से घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई।जबकि हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया।पूरा घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है।

पुलिस के अनुसार भिवंडी तालुका के खारबाव गांव का रहने वाला भार्गव धनंजय पाटील (24) दिनभर काम करने के बाद गुरुवार की शाम 6 बजे एफजेड बाइक क्रमांक एमएच 04 जीएक्स 9359 द्वारा घर जा रहा था जैसे ही वह हमेशा ट्रैफिक जाम वाले अंजूरफाटा चौक से वसई रोड पर टर्न मारा और स्वस्तिक डेअरी के सामने पहुंचा,इसी दौरान ट्रैफिक नियमों को ताक पर रखकर तेज रफ्तार हायवा ट्रक क्रमांक एम एच 58 बी 0331 ने भार्गव को बाईं तरफ से टक्कर मार दी,जिससे बाइक सवार भार्गव नीचे गिर गए और ट्रक का पिछला बायां टायर युवक के सिर और पेट के ऊपर से गुजर गया, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।जबकि ट्रक चालक घटनास्थल से फरार हो गया।इस घटन के बाद नारपोली पुलिस ने अज्ञात हायवा चालक के खिलाफ बीएनएस की धारा 106(1), 281 तथा मोटर वाहन अधिनियम की धारा 184 के तहत केस दर्जकर फरार चालक की तलाश में जुट गई है। मामले की जांच पुलिस उपनिरीक्षक अशोक येवले कर रहे हैं।

भिवंडी में बाइक हटाने को लेकर विवाद, दंपती पर हमला; गला दबाकर जान से मारने की कोशिश

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी के चाविंद्रा रोड स्थित मनसुराबाद इलाके में बाइक हटाने को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया।इस दौरान पड़ोसियों ने दंपती के साथ मारपीट की और महिला के पति का गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की।इस मामले में शांतीनगर पुलिस स्टेशन में सात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।घटना को लेकर इलाके में हड़कंप मचा हुआ है।

पुलिस के अनुसार मनसुराबाद इलाके में रहने वाली सफीना मोहम्मद इब्राहिम अंसारी (31) ने शांतिनगर पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत में बताया है कि उसके पड़ोस में रहने वाला मुब्बशीर हुसैन अंसारी ने अपनी मोटरसाइकिल को उनके घर के सामने खड़ी कद दिया था।जिसके कारण उन लोगों घर से बाहर आने जाने में काफी दिक्कत उठानी पड़ रहे थी।घर के सामने से बाइक हटाने के लिए कहने पर नाराज होकर पड़ोसी मुब्बशीर अंसारी समेत अहमद अंसारी, कैफ अंसारी, अरकम खान, साजीदा खातून, सना खान और खुशी अंसारी ने मिलकर महिला और उसके पति के साथ मारपीट की। पीड़िता के मुताबिक, आरोपियों ने हाथ-घूंसे और लातों से हमला किया। वहीं मुख्य आरोपी ने लकड़ी के डंडे से उसके पति को पीटा और बाद में गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किया।इस दौरान वह और उनका पति घायल हो गए।जिसके बाद उक्त दंपत्ति शांतिनगर पुलिल स्टेशन में जाकर पड़ोस में रहने वाले 7 लोगो के विरुद्ध बीएनएस की धारा 109, 189(2), 190, 191(1), 191(3) और 115(2) के तहत मुकदमा दर्ज किया है। फिलहाल किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।मामले की जांच पुलिस उपनिरीक्षक सचिन कुचेकर कर रहे हैं। पुलिस ने कहा है कि आरोपियों की तलाश जारी है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सच्चा मराठी व्यक्ति वही है जो संकट के समय में भी हास्य ढूँढ ले-उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मराठी लोगों के रक्त में ही हास्य बसता है। हास्य समाज में लोगों को जोड़ने वाला सेतु है। इसलिए जो व्यक्ति संकट की घड़ी में भी हास्य खोज ले, वही सच्चा मराठी है, ऐसा गौरवपूर्ण उद्गार उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मराठी भाषा गौरव दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किया।

उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि आचार्य अत्रे और पु. ल. देशपांडे मराठी भाषा के हास्य के दो शिखर हैं। उनकी रचनात्मकता की ऊँचाई हिमालय के समान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मराठी को अभिजात भाषा का दर्जा दिया है। इससे मराठी भाषा की समृद्धि में बड़ा सहयोग मिलेगा। सभी क्षेत्रों में मराठी का उपयोग व्यवसाय की भाषा के रूप में होना चाहिए। हमें मराठी की समृद्धि का ध्वज सात समंदर पार तक लहराना है। मराठी भाषा ने समय-समय पर अनेक परिवर्तन देखे हैं।

उपलब्ध संसाधनों का पूर्ण उपयोग कर मराठी की समृद्धि बढ़ाई जानी चाहिए। विश्व मराठी सम्मेलन के माध्यम से विश्व के विभिन्न देशों में कार्यरत मराठी बंधुओं को एक साथ लाने का कार्य किया गया है। इस समृद्ध मराठी भाषा की परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए हम सभी प्रतिबद्ध रहें, ऐसा भी उपमुख्यमंत्री शिंदे ने इस अवसर पर आह्वान किया।

पश्चिम रेलवे द्वारा 1 मार्च 2026 को चर्चगेट और मुंबई सेंट्रल के बीच जम्बो ब्लॉक आवश्यक अनुरक्षण कार्य हेतु अप एवं डाउन स्लो लाइनों पर पाँच घंटे का ब्लॉक

मुंबई(संवाददाता)।पश्चिम रेलवे द्वारा रविवार, 1 मार्च 2026 को ट्रैक, सिगनलिंग प्रणाली तथा ओवरहेड उपकरणों के अनुरक्षण हेतु चर्चगेट और मुंबई सेंट्रल स्टेशनों के बीच अप एवं डाउन स्लो लाइनों पर जम्बो ब्लॉक लिया जाएगा। यह ब्लॉक 10:35 बजे से 15:35 बजे तक कुल पाँच घंटे का होगा।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ब्लॉक अवधि के दौरान स्लो लाइन की सभी ट्रेनें चर्चगेट और मुंबई सेंट्रल स्टेशनों के बीच फास्ट लाइनों पर चलाई जाएँगी। इसके अलावा, कुछ अप एवं डाउन उपनगरीय सेवाएँ निरस्त रहेंगी, जबकि चर्चगेट की ओर जाने वाली कुछ ट्रेनों को बांद्रा/दादर पर ही शॉर्ट-टर्मिनेट कर वहीं से रिटर्न चलाया जाएगा। प्रभावित ट्रेनों की विस्तृत सूची उपनगरीय खंड के सभी स्टेशनों पर स्टेशन मास्टरों के पास उपलब्ध रहेगी। यात्रियों से अनुरोध है कि वे उपर्युक्त परिवर्तनों को ध्यान में रखें और तदनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाएँ।

शहीद दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय एकता का दर्शन-राज्य समिति के समन्वयक रमेश्वर नाइक

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

राज्य स्तरीय समन्वयक रमेश्वर नाइक ने कहा कि 'हिंद-दी-चादर' श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी की 350वीं शहादत वर्षगांठ के अवसर पर पूरे देश में विविध जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अल्पसंख्यक विकास विभाग और शहीदी समागम राज्य समन्वय समिति के सहयोग से नवी मुंबई में भव्य शहादत वर्षगांठ समारोह आयोजित किया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करेंगे। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी सभा को संबोधित करेंगे। महाराष्ट्र के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार, गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी, तमिलनाडु से भाजपा नेता अन्नामलाई, योगगुरु बाबा रामदेव, बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री, साध्वी ऋतंभरा भी उपस्थित रहेंगे।

इसके साथ ही सिख, सिकलीगर, बंजारा, लबाना, मोहयाल, सिंधी, वाल्मीकि, उदासीन तथा भगत नामदेव संप्रदाय के संत एवं रागी जत्थेदार भी उपस्थित रहेंगे। 27 फरवरी को नगर कीर्तन कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम के माध्यम से श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी की वीरता, धर्म की स्वतंत्रता, मानवता और न्याय के मूल्यों का संदेश नई पीढ़ी तक पहुँचाने का उद्देश्य है, ऐसी जानकारी रमेश्वर नाइक ने दी।

कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी https://gurutegbahadurshahidi.com/home इस वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई है।

पांडेश्वर नाथ धाम में श्रद्धालु की डेढ़ तोले की सोने की चेन चोरी, सीसीटीवी बंद होने से बढ़ी चिंता

थरवई (प्रयागराज)। पांडेश्वर नाथ धाम में शुक्रवार सुबह दर्शन-पूजन के दौरान एक महिला श्रद्धालु के गले से डेढ़ तोले की सोने की चेन पार कर दी गई। घटना से मंदिर परिसर में अफरातफरी मच गई और श्रद्धालुओं में रोष व्याप्त है।जानकारी के अनुसार झलवा राजरूपपुर, थाना धूमनगंज निवासी मीनाक्षी दुबे पत्नी प्रमोद कुमार दुबे अपने बेटे को परीक्षा दिलाने के लिए कमला नगर स्थित केबीएम इंटर कॉलेज आई थीं। परीक्षा केंद्र पर छोड़ने के बाद वह पण्डिला महादेव मंदिर में दर्शन-पूजन के लिए पहुंचीं। इसी दौरान चोर उचक्कों ने उनके गले से लॉकेट सहित डेढ़ तोले की सोने की चेन पार कर दी।कुछ देर बाद गले से चेन गायब देख मीनाक्षी दुबे मंदिर परिसर में ही रोने लगीं। उन्होंने तत्काल डायल 112 पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन की और आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ की।बताया जा रहा है कि मंदिर परिसर में लगे कई सीसीटीवी कैमरे बंद पड़े हैं, जिससे चोर-उचक्कों के हौसले बुलंद हैं। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मंदिर परिसर से दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर थाने में पूछताछ शुरू कर दी है।

'दाढ़ी वालों को देखकर मैं डर जाता हूं'

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने क्यों दिया ये बयान; इंटरनेट पर मची हलचल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बुधवार, 25 फरवरी को अपने गृह राज्य राजस्थान के चुरू जिले पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने पूर्व सांसद राम सिंह कसवा और पूर्व विधायक कमला कसवा से उनके घर जाकर मुलाकात की। दरवाजे पर ही उनका गरिमापूर्ण स्वागत किया गया।

मुलाकात के दौरान धनखड़ ने गांव के एक व्यक्ति से मजाकिया अंदाज में कहा, 'अच्छा हुआ आपने दाढ़ी नहीं रखी। दाढ़ी वालों को देखकर मैं डर जाता हूं। मेरा ओएसडी भी अपनी दाढ़ी से मुझे डराता है।' यह बयान उन्होंने हंसी-मजाक में कहा, लेकिन सोशल मीडिया पर यह तेजी से वायरल हो गया। लोग इस बयान पर तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं। जगदीप धनखड़ के इस बयान को लेकर राजनीतिक गलियारों में भी चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। कुछ लोग इसे सामान्य मजाक मान रहे हैं, जबकि कुछ का मानना है कि उन्होंने दाढ़ी रखने वाले वर्ग या अपनी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को टारगेट करने की कोशिश की। विपक्ष के कुछ नेता भी इसे लेकर ट्वीट और कमेंट कर चुके हैं।

पूर्व उपराष्ट्रपति ने चुरू जिले के सादुलपुर इलाके में पूर्व सांसद के आवास पर कई लोगों से मुलाकात की। उन्होंने सहज और आत्मीय अंदाज में लोगों से बातचीत की, जिससे कई लोग प्रभावित हुए। वीडियो में देखा जा सकता है कि दाढ़ी और टोपी वाले लोग भी उनका स्वागत कर रहे थे और धनखड़ ने उनसे भी गर्मजोशी से मुलाकात की।

उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के बाद यह उनका चुरू दौरा पहला था। उनकी सरलता और सहज व्यवहार की चर्चा हो रही है, लेकिन उनका दाढ़ी वाला मजाकिया बयान सोशल मीडिया पर प्रमुख सुर्खियों में है। कई लोग इसे मनोरंजक मान रहे हैं, तो कुछ इसे राजनीतिक संकेत भी मान रहे हैं।

एनसीईआरटी विवाद मामले में कांग्रेस ने पीएम मोदी पर साधा निशाना

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस ने राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की एक पाठ्यपुस्तक से जुड़े विवाद के मामले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने

''स्वयं पाठ्यपुस्तकों के पुनर्लेखन के लिए नागपुर सांप्रदायिक तंत्र का मार्गदर्शन किया है।'' पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि उच्चतम न्यायालय को इस बात की भी जांच करनी चाहिए कि पाठ्यपुस्तकों को फिर से कैसे लिखा गया है और ''वे कैसे ध्रुवीकरण और राजनीतिक हिसाब-किताब करने का साधन बन गई हैं।''

रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''इजराइल में वास्तविक नैतिक कायरता का प्रदर्शन करने के बाद, प्रधानमंत्री एनसीईआरटी पुस्तकों के मुद्दे पर नकली आक्रोश व्यक्त कर रहे हैं। स्पष्ट रूप से नुकसान की भरपाई की कवायद के तहत वह बता रहे हैं कि वह एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों में न्यायपालिका के महत्वपूर्ण संदर्भों से बेहद नाखुश हैं।'' उन्होंने दावा किया कि पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री ने शिक्षा क्षेत्र के ऐसे ''झोलाछाप लोगों के एक नेटवर्क की अगुवाई की है, जिन्होंने पाठ्यपुस्तकों को अपने वैचारिक वायरस से संक्रमित करके गंभीर क्षति पहुंचाई है।'' उनका कहना है कि यह अचानक नहीं हुआ है, बल्कि एक व्यवस्थित अभियान का हिस्सा हैं।

रमेश ने दावा किया, ''प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं पाठ्यपुस्तकों के पुनर्लेखन के लिए नागपुर सांप्रदायिक तंत्र का मार्गदर्शन किया है। यह उनका खुद को उन पाठ्यपुस्तकों से दूर करने का सरासर पाखंड है, जिसने उच्चतम न्यायालय को चिंतित किया है।'' प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने एनसीईआरटी की आठवीं कक्षा के सामाजिक विज्ञान पाठ्यक्रम में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार पर अध्याय होने को लेकर बुधवार को कड़ी आपत्ति जताई थी, जिसके बाद एनसीईआरटी ने विवादित पाठ्यपुस्तक को अपनी वेबसाइट से हटा दिया। न्यायालय ने बृहस्पतिवार को एनसीईआरटी की इन किताबों पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया और किताबों की सभी प्रतियों को जब्त करने के साथ-साथ इसके डिजिटल संस्करणों को भी हटाने का आदेश दिया।

महाराष्ट्र राज्य विद्युत प्रसारण कंपनी लिमिटेड को बड़ी सफलता 400 केवी सासवड और उमरेड ट्रांसमिशन परियोजनाओं के विशेष प्रयोजन वाहन अपने अधीन लिए

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। महाराष्ट्र के विद्युत प्रसारण क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए महाराष्ट्र राज्य विद्युत प्रसारण कंपनी लिमिटेड (एमएसईटीसीएल) ने 400 केवी सासवड (जिला पुणे) और 400 केवी उमरेड (जिला नागपुर) अंतःराज्यीय ट्रांसमिशन परियोजनाओं के विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) का सफलतापूर्वक अधिग्रहण कर लिया है। ये दोनों परियोजनाएँ टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धी निविदा प्रक्रिया के तहत बिल्ड-ओन-ऑपरेट-ट्रांसफर मॉडल पर प्राप्त की गई थीं। इनके लिए निविदा आमंत्रण महाराष्ट्र सरकार द्वारा नामित बोली प्रक्रिया समन्वयक पीएफसी कंसल्टिंग लिमिटेड (पीएफसीसीएल) और आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (आरईसीपीडीसीएल) द्वारा जारी किए गए थे।

सासवड परियोजना का विशेष प्रयोजन वाहन पीएफसीसीएल द्वारा तथा उमरेड परियोजना का विशेष प्रयोजन वाहन आरईसीपीडीसीएल द्वारा एमएसईटीसीएल को हस्तांतरित किया गया। 26 फरवरी 2026 को

एमएसईटीसीएल और महाराष्ट्र राज्य ट्रांसमिशन यूटिलिटी के बीच ट्रांसमिशन सर्विस एग्रीमेंट (टीएसए) पर औपचारिक हस्ताक्षर किए गए। दोनों परियोजनाओं की अनुसूचित वाणिज्यिक संचालन तिथि 25 फरवरी 2028 निर्धारित की गई है।

पुणे और नागपुर को मिलेगा मजबूत पावर बैकअप

400 केवी सासवड उपकेंद्र एवं संबंधित ट्रांसमिशन लाइनें पुणे शहर की विद्युत आपूर्ति प्रणाली को सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभाएँगी। यह परियोजना मौजूदा ग्रिड बाधाओं को दूर कर तेजी से बढ़ रहे शहरी और औद्योगिक विकास को स्थिर एवं विश्वसनीय बिजली उपलब्ध कराने में सहायक होगी। वहीं 400 केवी उमरेड उपकेंद्र नागपुर जिले की बढ़ती औद्योगिक मांग को पूरा करने में महत्वपूर्ण साबित होगा। इससे राज्य के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों को निर्बाध और पर्याप्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

नेतृत्व और टीमवर्क की सफलता

यह उपलब्धि एमएसईटीसीएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. संजीव कुमार (आईएएस) तथा निदेशक (ऑपरेशंस एवं प्रोजेक्ट्स) श्री सतीश चव्हाण के मार्गदर्शन में संभव हुई है। प्रतिस्पर्धी निविदा प्रक्रिया और हस्तांतरण की जटिल प्रक्रियाओं को सफलतापूर्वक पूरा करने में एमएसईटीसीएल की टीम की भूमिका सराहनीय रही। दोनों 400 केवी उपकेंद्रों के शुरू होने के बाद महाराष्ट्र की ग्रिड स्थिरता में उल्लेखनीय सुधार होगा और राज्य की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को मजबूत आधार मिलेगा। इस उपलब्धि के साथ एमएसईटीसीएल ने एक बार फिर राज्य की विद्युत प्रसारण व्यवस्था की रीढ़ के रूप में अपनी भूमिका को और सशक्त किया है।

अभिषेक शर्मा को डिफेंसिव खेलते देखकर हैरानी हुई उन्होंने अपने आलोचकों का मुंह बंद कर दिया : गावस्कर

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में जिम्बाब्वे के खिलाफ भारत की जीत के बाद पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने युवा ओपनर अभिषेक शर्मा की जमकर सराहना की। लगातार खराब फॉर्म और आलोचनाओं के बीच अभिषेक ने 30 गेंदों में 55 रन की पारी खेलकर न सिर्फ टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई, बल्कि अपने आलोचकों को भी करारा जवाब दिया। गावस्कर ने माना कि अभिषेक को डिफेंसिव शॉट खेलते देखना हैरान करने वाला था, लेकिन यही बदलाव उनकी परिपक्वता को दर्शाता है।

पेट की बीमारी से उबरने के बाद अभिषेक शर्मा अपनी लय में नजर नहीं आ रहे थे। वे लगातार तीन पारियों में शून्य पर आउट हुए, जिससे टीम प्रबंधन और प्रशंसकों की चिंता बढ़ गई थी। हालांकि जिम्बाब्वे के खिलाफ उन्होंने संयम और आक्रामकता का संतुलन दिखाते हुए अर्धशतक जड़ा। उनकी इस पारी ने भारत को 72 रन की बड़ी जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई और सुपर-8 चरण में टीम की उम्मीदों को जिंदा रखा।

पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने जियोस्टार से बातचीत में कहा कि अभिषेक का डिफेंसिव अंदाज उनके लिए चौंकाने वाला था। उन्होंने कहा, 'हम जानते हैं कि अभिषेक कितने विस्फोटक बल्लेबाज हैं। लेकिन इस मैच में उन्होंने शुरुआत में अतिरिक्त समय लिया, ऑफ स्पिनरों का सम्मान किया और जोखिम से बचते हुए पारी को आगे बढ़ाया।' गावस्कर के मुताबिक, टी20 क्रिकेट में जहां बल्लेबाज पहली गेंद से आक्रामक होते हैं, वहां अभिषेक का धैर्य दिखाना उनके खेल में परिपक्वता का संकेत है।

गावस्कर ने यह भी कहा कि हर क्रिकेटर अपने करियर में खराब दौर से गुजरता है। अहम बात यह है कि खिलाड़ी उस अनुभव से कितना सीखता है। उनके अनुसार, अभिषेक ने हालिया असफलताओं से सबक लिया और अपनी तकनीक व मानसिकता में सुधार किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह पारी युवा बल्लेबाज के आत्मविश्वास को नई ऊर्जा देगी और आगामी मुकाबलों में भी इसका सकारात्मक असर दिखेगा।

गावस्कर ने भारत की रणनीति पर भी टिप्पणी की। साउथ अफ्रीका के खिलाफ मिली हार के बाद टीम संतुलन बिगड़ा हुआ नजर आया। लेकिन जिम्बाब्वे के खिलाफ बदलाव करते हुए संजू सैमसन को शीर्ष क्रम में मौका दिया गया, जिससे राइट-लेफ्ट कॉम्बिनेशन मजबूत हुआ। गावस्कर ने कहा कि बड़े टूर्नामेंट में तेज शुरुआत बेहद जरूरी होती है। सैमसन ने आक्रामक शॉट खेलकर टीम को सकारात्मक शुरुआत दी, जिसने बाकी बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मंच दिया।

आगे का मुकाबला वेस्टइंडीज के खिलाफ है, जो एक तरह से वर्चुअल नॉकआउट माना जा रहा है। गावस्कर ने चेताया कि कैरेबियाई टीम को हल्के में लेना बड़ी भूल होगी। उनके बल्लेबाज पहली गेंद से आक्रामक खेलते हैं और गेंद को 'सम्मान' देने का उनका तरीका उसे बाउंड्री के पार पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि भारतीय गेंदबाजों को स्पष्ट रणनीति के साथ उतरना होगा, क्योंकि वेस्टइंडीज की ऑलराउंड ताकत मैच का रुख बदल सकती है।

अर्जेंटीना में होगी संग्राम सिंह की एमएमए फाइट, फ्रांस के युवा फाइटर से मुकाबला

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। एमएमए खेल आइकन संग्राम सिंह के अर्जेंटीना की जमीन पर अपनी अगली फाइट की खबर के साथ ही वहां समुराई फाइट हाउस के अध्यक्ष मार्टिने पाकसियार्ज का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स के टाइग्रे इलाके में रविवार, पांच अप्रैल को उनका फ्रांस के युवा फाइटर मौटेऊ मोंटेइरो से होने वाला मुकाबला मुख्य आकर्षण रहने वाला है, जहां युवा जोश और जुनून के बीच कड़ी टक्कर होने की उम्मीद है। संग्राम सिंह इस दिन एमएमए के समुराई फाइट हाउस 28 (एसएफएच 28) के मुख्य मुकाबले में उतरने वाले हैं। किसी भारतीय एमएमए फाइटर का अर्जेंटीना की धरती पर फाइट करने का यह पहला मौका होगा।

मार्टिने पाकसियार्ज ने कहा कि जॉर्जिया और नीदरलैंड के एम्सटडर्म में संग्राम ने एमएमए की कला में जो जलवा दिखाया है, उससे अर्जेंटीना के लोगों में उनको लेकर जबरदस्त उत्साह है। वहां के लोग यह भी जानने को उत्सुक हैं कि जहां मिट्टी और गद्दे की कुश्ती खूब चर्चा का विषय बनती हो, वहां से इन दोनों तरह की कुश्ती करने वाले संग्राम सिंह ने एमएमए में कैसे अपनी विशिष्ट पहचान बनाई और उम्र के 40 के पड़ाव को पार करने के बाद भी कोई कैसे एमएमए में सफलता के झंडे गाड़ सकता है। वह भारत में इस खेल के एम्बेसडर हैं। उनकी इस फील्ड में कामयाबी से भारत में भी इस खेल को अलग पहचान मिली है। अर्जेंटीना में संग्राम सिंह की मौजूदगी मील का पत्थर साबित होने वाली है।

पूर्व प्रोफेशनल रेसलर से मिक्स्ड मार्शल आर्ट के फाइटर बने संग्राम सिंह ने कहा कि जब उन्होंने एमएमए की शुरुआत की तो हर किसी ने इस बात को लेकर हैरानगी जाहिर की थी कि रेसलिंग और एमएमए अलग दुनिया हैं लेकिन उन्हें विश्वास था कि मैट पर सीखा गया अनुशासन, फिटनेस और योद्धा की तरह जुझारूपन से वह एमएमए के मंच पर भी खुद को साबित करने में सफल रहेंगे। उनके हर मुकाबले से उनकी खेल कौशल (स्किल) में सुधार हुआ है।

संग्राम सिंह ने कहा कि नीदरलैंड और जॉर्जिया की फाइट ने उन्हें पहले से ज़्यादा मैच्योर और संपूर्ण फाइटर बनाने में मदद की है और अब अर्जेंटीना उनके सफर का अगला पड़ाव है, जहां वह अर्जेंटीनावासियों के दिल जीतने के अलावा अपने जीत के क्रम को बरकरार रखने के प्रति कृतसंकल्प हैं। अर्जेंटीना में एमएमए फाइट लड़ने वाले पहले भारतीय बनने पर संग्राम सिंह ने कहा कि समुराई फाइट हाउस दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित फाइट लीग में से एक है, जहां दुनिया भर के फाइटर हिस्सा लेते हैं। अर्जेंटीना में एसएफएच 28 का हिस्सा बनना और दक्षिण अमेरिकी दर्शकों के सामने उतरना उनके लिए गर्व की बात है। यह अब तक का उनका सबसे बड़ा मंच है और वह हर भारतीय को गर्व महसूस कराना चाहते हैं। उनका प्रोफेशनल रेसलिंग से एमएमए तक का सफर अब तक असाधारण रहा है।

ऑस्ट्रेलिया को लगा झटका, कप्तान सोफी मोलिनक्स भारत के खिलाफ सीरीज से बाहर

होबार्ट (**एजेंसी**)। ऑस्ट्रेलिया महिला टीम की सभी प्रारूपों की कप्तान सोफी मोलिनक्स पीठ की दिक्कत की वजह से भारत के खिलाफ बाकी बहु-प्रारूप सीरीज से बाहर हो गई हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अनुसार 28 साल की ऑलराउंडर होबाटर् में दूसरे महिला एकदिवसीय मैच में पीठ के निचले हिस्से में दर्द के कारण नहीं खेल पाईं। मोलिनक्स ब्रिस्बेन में सीरीज के पहले मैच में खेली थीं, जिसमें उन्होंने पांच ओवर गेंदबाजी की और 17 रन देकर एक विकेट लिया था।

इस चोट की वजह से अगले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में उनका खेलना मुश्किल हो सकता है, क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने इशारा किया है कि सीरीज से पहले उनकी फिटनेस पर नजर रखी जाएगी। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने, मोलिनक्स को ऑस्ट्रेलिया का ऑल-फॉर्मेट कैप्टन बनाया गया था, जो एलिसा हीली की जगह लेंगी, जो भारत सीरीज के आखिर में संन्यास लेने वाली हैं।

मोलिनक्स ने भारत के खिलाफ तीन टी-20 में टीम की अगुवाई की थी, जिसमें हीली नहीं खेली थीं, और वह ऑस्ट्रेलिया की इस महान खिलाड़ी की जगह उनके आखिरी इंटरनेशनल मैच, एकमात्र टेस्ट में लेंगी। टॉस के समय, हीली ने फॉक्स क्रिकेट से कहा, 'सोफी मोलिनक्स की आज की खबर सबके लिए थोड़ी चौंकाने वाली और उनके लिए निराशाजनक थी। उम्मीद है कि हम उन तीनों (एलिस पेरी और किम गार्थ भी घायल हैं) को संभाल पाएंगे और उन्हें आगे बढ़ने के लिए जरूरी प्यार दे पाएंगे।'

उनकी गैरमौजूदगी में ऑस्ट्रेलिया के पास दो उप-कप्तानों एश्ले गार्डनर और ताहलिया मैकग्रा में से किसी एक को कमान सौंपने का विकल्प है। उल्लेखनीय है कि मोलिनक्स को पहले भी कई चोटें लगी हैं, वह पैर की चोट के कारण 2022 एशेज और एकदिवसीय विश्वकप से बाहर रहीं और उस साल कॉमनवेल्थ गेम्स में भी नहीं जा सकीं। एसीएल चोट के कारण वह 2023 टी-20 विश्व कप से भी बाहर रहीं। हाल ही में, घुटने की चोट से वापसी के बाद भारत और श्रीलंका में 2025 एकदिवसीय विश्व कप में मोलिनक्स की भागीदारी को ध्यान से मैनेज किया जा रहा था।

किदांबी श्रीकांत बाहर, जर्मन ओपन में भारत का अभियान खत्म

मुल्हेम एन डेर रूहर (**एजेंसी**)। जर्मन ओपन 2026 में भारत की चुनौती गुरुवार को निराशाजनक तरीके से खत्म हुई, जब किदांबी श्रीकांत पुरुष सिंगल्स के दूसरे राउंड में सीधे गेम में हार गए, और टूर्नामेंट से बाहर हो गए। पूर्व वर्ल्ड चैंपियनशिप सिल्वर मेडलिस्ट और मौजूदा वल्डर् नंबर 32 चीनी ताइपे के 11वीं रैंक वाले लिन चुन-यी से सिर्फ 32 मिनट में 21-14, 21-9 से हार गए। ताइवानी शटलर के खिलाफ़ इतने ही हेड-टू-हेड मुकाबलों में श्रीकांत की यह दूसरी हार थी। जनवरी में इंडिया ओपन 2026 का टाइटल जीतने वाले लिन ने इससे पहले स्विस ओपन 2024 के सेमीफाइनल में श्रीकांत को तीन गेम में हराया था। श्रीकांत ने शानदार शुरुआत की, पहले गेम में 9-5 की बढ़त बना ली। हालांकि, लिन ने धीरे-धीरे वापसी की, कमी को दूर करते हुए 12-10 से आगे हो गए और फिर आराम से पहला गेम जीत लिया। इंटरवल के बाद ताइवानी शटलर का मोमेंटम मज़बूत रहा, उन्होंने दूसरे गेम में 7-1 की बढ़त बना ली और पूरे गेम में कंट्रोल बनाए रखा, जिससे श्रीकांत वापसी नहीं कर पाए। इंडियन खिलाड़ी ने इंडिया ओपन और इंडोनेशिया मास्टर्स में क्वार्टर-फाइनल में जगह बनाने के बाद इस टूर्नामेंट में एंट्री की थी और इस महीने की शुरुआत में बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में भी देश को रिप्रेजेंट किया था।

बुधवार को जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप की सिल्वर मेडलिस्ट तन्वी शर्मा, मालविका बंसोड़ और किरण जॉर्ज के पहले राउंड से बाहर होने से भारत की चुनौती पहले ही कम हो गई थी। भारतीय शटलर अब मशहूर ऑल इंग्लैंड ओपन 2026 में हिस्सा लेंगे, जो अगले मंगलवार को बर्मिंघम में शुरू होगा।

चंद्रशेखरन की पुनर्नियुक्ति पर फैसला टलने से टाटा ट्रस्ट के प्रस्ताव पर उठे सवाल

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के चेयरमैन पद पर लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए एन चंद्रशेखरन की पुनर्नियुक्ति पर फैसला टलने से समूह के भीतर शीर्ष स्तर पर मतभेद से जुड़ी अटकलें तेज हो गई हैं। टाटा संस के निदेशक मंडल की मंगलवार को हुई बैठक में चंद्रशेखरन को एक और कार्यकाल देने के प्रस्ताव पर फैसला टाल दिया गया। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब टाटा संस में 66 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले टाटा ट्रस्ट ने पिछले साल सर्वसम्मति से उन्हें तीसरा कार्यकाल देने की सिफारिश की थी।

टाटा समूह से जुड़े घटनाक्रम पर नजर रखने वाले पर्यवेक्षकों का कहना है कि यह निर्णय स्थगित होने से टाटा ट्रस्ट के उस सर्वसम्मत प्रस्ताव की स्थिति पर सवाल खड़े हो गए हैं। सूत्रों के अनुसार, टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन नोएल टाटा ने चंद्रशेखरन की चेयरमैन पद पर दोबारा नियुक्ति को लेकर कुछ शर्तें रखी थीं। बताया जाता है कि उन्होंने समूह की कुछ कंपनियों, विशेषकर एयर इंडिया में हो रहे घाटे पर चिंता जताई। एयर इंडिया का अधिग्रहण 2022 में किया गया था और कंपनी को पुनर्गठित करने की प्रक्रिया अभी तक जारी है। इसके अलावा, सेमीकंडक्टर और बैटरी विनिर्माण जैसे उभरते क्षेत्रों में भारी पूंजीगत व्यय से जुड़े जोखिमों पर भी उन्होंने सवाल उठाए।

सूत्रों ने यह भी कहा कि नियामकीय बाध्यता की वजह से टाटा संस को शेयर बाजार में सूचीबद्ध किए जाने को लेकर भी निदेशक मंडल में आशंका जताई गई और इस संबंध में स्पष्ट आश्वासन मांगा गया। मामले से परिचित एक सूत्र ने कहा, 'टाटा ट्रस्ट का सर्वसम्मत प्रस्ताव स्पष्ट रूप से कायम है और उसे उचित समय पर लागू किया जाएगा।' हालांकि, एक अन्य पर्यवेक्षक ने सवाल उठाया कि क्या ट्रस्ट के नामित निदेशक टाटा संस के निदेशक मंडल में सर्वसम्मति के निर्णय से अलग रुख अपना सकते हैं। टाटा ट्रस्ट के पास टाटा संस में निर्णायक हिस्सेदारी है। टाटा संस 180 अरब डॉलर से अधिक मूल्य वाले टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी है, जिसका कारोबार वाहन, इस्पात, सूचना प्रौद्योगिकी, विमानन और उभरते प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में फैला हुआ है। पिछले वर्ष टाटा ट्रस्ट के भीतर मतभेद का मामला केंद्र सरकार तक भी पहुंचा था। बाद में सरकार की तरफ से दोनों पक्षों को आपसी मतभेद सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाने की सलाह दी गई थी।

नई जीडीपी सीरीज में देश की अर्थव्यवस्था दिसंबर तिमाही में 7.8 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। आधार वर्ष 2022-23 पर आधारित नई राष्ट्रीय आय श्रृंखला के तहत चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में देश की अर्थव्यवस्था 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी। यह पिछले वर्ष की समान अवधि के 7.4 प्रतिशत की तुलना में अधिक है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ा। इसके साथ ही मंत्रालय ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की समूची अवधि में देश की अर्थव्यवस्था के 7.6 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है जबकि पहले इसका अनुमान 7.4 प्रतिशत लगाया गया था।

वार्षिक और तिमाही राष्ट्रीय आय के ये अनुमान नई राष्ट्रीय आय श्रृंखला के तहत जारी किए गए हैं। अब 2011-12 को आधार वर्ष मानने वाली पुरानी श्रृंखला की जगह 2022-23 को नया आधार वर्ष बनाया गया है। आधार वर्ष वह अवधि होता है, जिसके दाम और उत्पादन स्तर को मानक मानकर आगे की वृद्धि दर की तुलना की जाती है। इसके साथ ही जुलाई-सितंबर 2025-26 की वृद्धि दर को संशोधित कर 8.4 प्रतिशत कर दिया गया है, जो पहले 8.2 प्रतिशत आंकी गई थी।

हालांकि, अप्रैल-जून तिमाही की वृद्धि दर को 7.8 प्रतिशत से घटाकर 6.7 प्रतिशत कर दिया गया है। आधार वर्ष में बदलाव से आर्थिक गतिविधियों के आकलन का दायरा व्यापक होता है और नई संरचना के अनुरूप आंकड़ों को अद्यतन किया जाता है। इससे अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों की वास्तविक स्थिति को बेहतर तरीके से दर्शाया जा सकता है।

सेबी ने शेयर बाजार निवेशकों को किया अलर्ट जान लें नहीं तो हो सकता है बड़ा नुकसान

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। शेयर बाजार में निवेश करने वालों के लिए बड़ी चेतावनी जारी की गई है। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने निवेशकों को आगाह किया है कि उसके नाम पर भेजे जा रहे फर्जी नोटिसों से सतर्क रहें।

सेबी के मुताबिक, कुछ जालसाज उसके लेटरहेड और प्रतीक चिन्ह का दुरुपयोग कर नकली नोटिस जारी कर रहे हैं, जिनमें प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) के भुगतान की मांग की जा रही है। नियामक ने साफ किया है कि ऐसे नोटिस उसने जारी नहीं किए हैं और निवेशक किसी भी तरह का भुगतान करने से पहले उनकी प्रामाणिकता अवश्य जांच लें।

सेबी ने बताया कि धोखेबाज वित्त अधिनियम, 2004 के तहत एसटीटी अनुपालन के नाम पर नोटिस भेज रहे हैं। इनमें निवेशकों से कथित बकाया राशि जमा करने को कहा जाता है।

नियामक ने स्पष्ट किया कि शेयर बाजार में होने वाले प्रत्येक खरीद और बिक्री लेनदेन पर एसटीटी स्वतः लागू होता है और इसे ब्रोकर द्वारा ही एकत्र किया जाता है। सेबी खुद एसटीटी वसूली के लिए अलग से नोटिस जारी नहीं करता और न ही इस संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के साथ कोई समन्वय करता है।

सेबी के अनुसार, कुछ लोग उसके अधिकारियों की पहचान की नकल कर रहे हैं और जाली पत्र, ईमेल या नोटिस के जरिए निवेशकों को पैसे ट्रांसफर करने के लिए कह रहे हैं। इन फर्जी खातों में राशि जमा कराने से निवेशकों को वित्तीय नुकसान हो रहा है।

निवेशकों से अपील की गई है कि सेबी के नाम पर आने वाले किसी भी पत्र या भुगतान मांग की जानकारी को आधिकारिक वेबसाइट या संबंधित स्रोतों से सत्यापित करें। नियामक ने उन संस्थाओं और व्यक्तियों से भी सावधान रहने को कहा है, जो खुद को खाता संचालक या फंड मैनेजर बताकर जोखिम-मुक्त मुनाफे का दावा करते हैं। ये लोग अक्सर निवेशकों से ट्रेडिंग खाते की जानकारी मांगते हैं और मुनाफे में हिस्सेदारी लेने की बात करते हैं।सेबी ने स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में यदि नुकसान होता है तो उसकी पूरी जिम्मेदारी निवेशक पर ही आती है। इसलिए किसी भी 'गारंटीड रिटर्न' के वादे पर भरोसा करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल करना जरूरी है।

सेल के स्वदेशी इस्पात से बना 'आईएनएस अंजदीप' भारतीय नौसेना बेड़े में शामिल

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। देश की सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे बड़ी इस्पात उत्पादक एवं महारत्न कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने आईएनएस अंजदीप के लिए आवश्यक विशेष-ग्रेड इस्पात की आपूर्ति की है। भारतीय नौसेना ने शुक्रवार को आईएनएस अंजदीप युद्धपोत का जलावतरण किया। इस युद्धपोत का उद्देश्य भारतीय नौसेना की पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताओं और तटीय निगरानी को बढ़ाना है। कोलकाता स्थित गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स द्वारा विनिर्मित 'अंजदीप' एक अत्याधुनिक युद्धपोत है, जिसे विशेष रूप से तटीय और राष्ट्र की सुरक्षा के लिहाज से अहम, उथले जल क्षेत्रों में परिचालन की चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार किया गया है।

आईएनएस अंजदीप 'एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट' परियोजना के तहत बनाए जा रहे आठ पोतों में से तीसरा है। कंपनी के बयान के अनुसार, नौसेना के पुराने होते 'अभय-श्रेणी' के जहाजों को बदलने के लिए इन एएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी कार्वेट का निर्माण स्वदेशी रूप से किया जा रहा है। इस रणनीतिक प्रयास के तहत सेल ने जीआरएसई द्वारा बनाए जा रहे आठ एसडब्ल्यूसी कार्वेट के लिए करीब 3, 500 टन विशेष-ग्रेड के इस्पात की पूरी आपूर्ति की है। यह इस्पात... सेल के बोकारो, भिलाई और राउरकेला स्थित एकीकृत इस्पात संयंत्रों से उपलब्ध कराया गया है, जो देश की घरेलू आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती को दर्शाता है।

'लेडी इन सिल्वर' का खुलेगा राज, क्या बेनेडिक्ट और सोफी की प्रेम कहानी को मिलेगी मंजिल?

नेटफ्लिक्स की सबसे चर्चित सीरीज ब्रिजर्टन अपने चौथे सीजन के दूसरे भाग के साथ वापसी के लिए तैयार है। सीजन 4 के पहले भाग ने दर्शकों को एक भव्य 'मास्क्रेडे बॉल' (नकाबपोश पार्टी) के साथ छोड़ दिया था, जहाँ बेनेडिक्ट ब्रिजर्टन की मुलाकात एक रहस्यमयी महिला से हुई थी। अब पार्ट 2 में यह कहानी रोमांस, सामाजिक टकराव और नाटकीय मोड़ों की नई ऊंचाइयों को छूने वाली है। एक रात के लिए, उसे आज़ादी मिली, लेकिन आज़ादी की चाहत में उसे तकलीफ़ उठानी पड़ी।

इस सीज़न के मैन, बेनेडिक्ट ब्रिजर्टन को तुरंत चांदी की रहस्यमयी औरत अपनी ओर खींच लेती है। इससे पहले कि वह उसका नाम जान पाता, वह आधी रात को गायब हो जाती है। वह 'लेडी इन सिल्वर' को खोजने के लिए टन में खोजना शुरू कर देता है, इस बात से अनजान कि जिस औरत को वह ढूंढ रहा है, वह उसकी सोच से कहीं ज़्यादा करीब है।

सोफी का राज़ जल्द ही एक कीमत पर सामने आएगा। जब सोफी की सौतेली माँ को पता चलता है कि वह बॉल में गई थी, तो वह सोफी को घर से निकाल देती है। सोफी को गांव में काम करने के लिए जाना पड़ता है, जहाँ उसकी मुलाकात फिर से बेनेडिक्ट से होती है। जब वह एक अजीब स्थिति में पड़ जाती है, तो वह उसे बचाता है और वापस लंदन ले जाता है। जैसे-जैसे वे करीब आते हैं, उनके बीच का आकर्षण साफ दिखने लगता है।

हालांकि, बेनेडिक्ट, समाज और अपने शक की वजह से पीछे हट जाता है, और सोफी से अपनी पत्नी नहीं, बल्कि अपनी रखैल बनने के लिए कहता है। सोफी, दुखी और अपनी माँ, एक ऐसी औरत जिसकी बेइज्जती हुई थी, जैसा हाल नहीं देखना चाहती, उसका ऑफर ठुकरा देती है और चली जाती है।

मुश्किलें तब बढ़ जाती हैं जब सोफी का सौतेला परिवार उसकी ज़िंदगी में दोबारा आता है। ब्रिजर्टन परिवार में अपनी असली पहचान छिपाते हुए, वह पहचान से बचने की कोशिश करती है। एक फैमिली गेम के दौरान, बेनेडिक्ट को अचानक एहसास होता है कि सोफी ही वह लेडी इन सिल्वर है जिसे वह ढूंढ रहा था। सामना होने पर, सोफी आखिरकार सच बता देती हैः वह एक अर्ल और एक नौकरानी की नाजायज़ बेटी है। इससे बेनेडिक्ट का जुनून और बढ़ जाता है, साथ ही उनके क्लास के फ़र्क की सच्चाई पर भी ज़ोर पड़ता है। सोफी इस स्कैंडल और अपने बच्चे पर नाजायज़ होने का लेबल लगने के डर से डरती है, जबकि बेनेडिक्ट टोन के रिएक्शन को लेकर परेशान है। वायलेट ब्रिजर्टन पर्दे के पीछे की साथी है। वह बेनेडिक्ट से कहती है कि प्यार क्लास से ज़्यादा ज़रूरी है और सोफी का राज़ बताए बिना उसकी मदद करती है।

विजय देवरकोंडा ने रश्मिका मंदाना को बनाया हमसफर शादी की तस्वीरें शेयर कर लिखा- बेस्ट फ्रेंड को पत्नी बना लयिा

सालों की चर्चाओं और कयासों के बाद आखिरकार साउथ फिल्म इंडस्ट्री के सबसे चहेते कपल, रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा ने आधिकारिक तौर पर अपनी शादी की घोषणा कर दी है। इस जोड़े ने 26 फरवरी 2026 को अपनी 'ड्रीम वेडिंग' की खूबसूरत तस्वीरें साझा कर प्रशंसकों को बड़ा सरप्राइज दिया।

यह शादी बेहद खास रही क्योंकि इसमें दो अलग-अलग संस्कृतियों का मिलन देखने को मिला। रश्मिका और विजय ने तेलुगु आंध्र रीति-रिवाजों और कोडवा (कूर्ग) परंपरा के अनुसार दोहरी रस्मों के साथ सात फेरे लिए।

अपनी शादी की तस्वीरें पोस्ट करते हुए विजय ने दिल छू लेने वाली बातें लिखीं। उन्होंने बताया कि रश्मिका के बिना उन्हें अधूरापन महसूस होता था। विजय ने लिखा, 'एक दिन, मुझे उसकी बहुत याद आई। मुझे उसकी इतनी याद आई कि मुझे लगा कि अगर वह आस-पास होती तो मेरा दिन बेहतर होता। जैसे अगर वह मेरे सामने बैठी होती तो मेरा खाना ज्यादा अच्छा लगता। जैसे अगर वह मेरे साथ वर्कआउट करती तो मेरा वर्कआउट ज्यादा मजेदार और कम सजा वाला होता। जैसे मुझे उसकी जरूरत थी, बस घर जैसा और शांति महसूस करने के लिए, चाहे मैं कहीं भी रहूं। तो, मैंने अपनी सबसे अच्छी दोस्त को अपनी पत्नी बना लिया।'

वहीं रश्मिका ने भी अपनी खुशी जाहिर करते हुए विजय को अपना 'पति' कहकर दुनिया से मिलवाया। रश्मिका ने लिखा, 'हाय मेरे प्यारों, अब आपसे मिलवाते हैं 'मेरे पति' को मिस्टर विजय देवरकोंडा। वो आदमी जिसने मुझे सिखाया कि सच्चा प्यार कैसा होता है, वो आदमी जिसने मुझे दिखाया कि शांति में रहना कैसा होता है। वो आदमी जिसने मुझे हर दिन कहा कि बड़े सपने देखना बिल्कुल ठीक है और लगातार मुझसे कहा कि मैं उससे कहीं ज्यादा हासिल कर सकती हूं जितना मैं सोच भी नहीं सकती। वो आदमी जिसने मुझे कभी ऐसे नाचने से नहीं रोका जैसे कोई देख नहीं रहा हो। वो आदमी जिसने मुझे दिखाया कि दोस्तों के साथ घूमना सबसे अच्छी चीज है, और यकीन मानिए मैं इस आदमी पर एक किताब लिख सकती हूं।'

अभिनेत्री ने आगे लिखा, 'मैं वो औरत बन गई हूं जिसका मैंने हमेशा सपना देखा था, क्योंकि तुमने उसे वो बनाया जो वो आज है। मैं सच में खुशकिस्मत हूं। विज्जू, तुम्हारे लिए मेरी फीलिंग्स बताने के लिए मेरे पास हमेशा शब्द नहीं होते। मैंने हमेशा तुमसे यही कहा है। लेकिन तुम्हें पता है अचानक मेरी सारी अचीवमेंट्स, स्ट्रगल्स, खुशी, दुख, आनंद, जिंदगी, सब कुछ अब बहुत ज्यादा समझ में आने लगा है, ऐसा इसलिए है क्योंकि मेरे पास तुम हो, यह सब देख रहे हो.. इस सब का सबसे बड़ा हिस्सा हो।

भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता नवनाथ बन का प्रहार

राउत और उबाठा गुट का मराठी भाषा प्रेम दिखावटी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मराठी भाषा गौरव दिवस पर मराठी भाषा का 'जय-जयकार' करना और स्कूलों में पहली कक्षा से हिंदी को अनिवार्य करने का निर्णय लेना, मराठी व्यक्ति का अपमान करना तथा अशोभनीय शब्दों का प्रयोग कर मराठी भाषा का अवमान करना – यह सब संजय राउत, उद्धव ठाकरे और उबाठा गुट द्वारा किया गया है। इसलिए इनका मराठी भाषा प्रेम केवल दिखावटी और झूठा है, ऐसी तीखी आलोचना भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता नवनाथ बन ने शुक्रवार को की। वे भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित पत्रकार परिषद में बोल रहे थे।

श्री बन ने कहा कि वास्तव में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के प्रयासों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ही मराठी भाषा को सम्मान और अभिजात भाषा का दर्जा प्राप्त हुआ है। त्रिभाषा सूत्र में कहीं भी मराठी भाषा की उपेक्षा नहीं की गई है। पहली कक्षा से हिंदी की अनिवार्यता हटाकर महाराष्ट्र में मराठी को अनिवार्य किया गया तथा हिंदी को वैकल्पिक भाषा के रूप में

मान्यता देने का निर्णय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने लिया। उनके नेतृत्व में पहली बार मराठी भाषा के लिए विश्वविद्यालय की स्थापना हुई।

उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि राउत और उबाठा गुट का मराठी भाषा के लिए क्या योगदान है, यह स्पष्ट किया जाए। अंग्रेजी और हिंदी को पहली कक्षा से अनिवार्य करने की सिफारिश उद्धव ठाकरे की मंत्रिमंडल ने स्वीकार की थी। यदि हिम्मत है तो संजय राउत को इस विषय में उद्धव ठाकरे से जवाब मांगना चाहिए। साथ ही उबाठा गुट के नेताओं के बच्चे किस माध्यम के स्कूलों में पढ़े हैं, इसका उत्तर भी महाराष्ट्र की जनता को दिया जाए। महानगरपालिका में महाविकास आघाड़ी सरकार के समय राउत को न मराठी, न हिंदी और न अंग्रेजी भाषा समझ में आती थी। उन्हें केवल 'अपना सपना मनी-मनी' की भाषा समझ में आती थी, ऐसा व्यंग्य भी श्री बन ने किया। उन्होंने कहा कि आज व्यापार और उद्योग की भाषा अन्य लोगों की है, ऐसा कहने वाले राउत पहले यह स्पष्ट करें कि मुंबई महानगरपालिका में उद्धव ठाकरे की सरकार के दौरान ठेकेदारों की भाषा मराठी थी, गुजराती थी या केवल पैसों की थी? इस विषय में राउत को एक बार संदीप देशपांडे से पूछना चाहिए।

अजितदादा के विमान दुर्घटना मामले की जांच को लेकर कल सीआईडी ने पत्रकार परिषद में स्पष्ट किया कि जांच किस प्रकार चल रही है, अब तक क्या तथ्य सामने आए हैं और वर्तमान स्थिति क्या है। इसके बावजूद अजितदादा की विरासत संभालने की इच्छा रखने वाले रोहित पवार द्वारा दुर्घटना को लेकर संदेह निर्माण करने का प्रयास किया जा रहा है। श्री बन ने उन्हें यह नाटक तुरंत बंद करने की फटकार लगाई।

अब कांपेंगे भारत के दुश्मन, युद्धपोत अंजदीप के शामिल होने से बढ़ी नौसेना की ताकत

चेन्नई। भारतीय नौसेना की समंदर में ताकत बढ़ चुकी है। नौसेना को एक और पनडुब्बी रोधी युद्धपोत अंजदीप मिल गया है। उथले पानी में काम करने की क्षमता वाले आठ पनडुब्बी रोधी युद्धपोतों की श्रृंखला का यह तीसरा युद्धपोत 27 फरवरी को चेन्नई में नौसेना में शामिल किया गया।

इस समारोह में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी शामिल हुए। यह जहाज कोलकाता स्थित गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) ने स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित किया है।

'डॉल्फिन हंटर' के रूप में डिजाइन

यह पोत 'डॉल्फिन हंटर' के रूप में कार्य करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिसका मुख्य उद्देश्य तटीय क्षेत्रों में दुश्मन की पनडुब्बियों का पता लगाना, उनका पीछा करना और उन्हें नष्ट करना है। यह पोत स्वदेशी, अत्याधुनिक पनडुब्बी रोधी युद्ध प्रणाली से लैस है। चेन्नई बंदरगाह पर आयोजित एक आधिकारिक समारोह में एडमिरल त्रिपाठी ने नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों, सरकारी अधिकारियों और अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में औपचारिक रूप से जहाज को कमीशन किया।

किस पर रखा गया युद्धपोत का नाम अंजदीप?

अंजदीप नाम कर्नाटक के कारवार तट के पास स्थित अंजदीप द्वीप के नाम पर रखा गया है। यह युद्धपोत 80 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री के साथ बना है। इससे देश की रक्षा निर्माण क्षमता को बल मिलेगा और आयात पर निर्भरता कम होगी। अंजदीप नौसेना के इसी नाम वाले पुराने युद्धपोत का नया अवतार है। पुराना युद्धपोत 2003 में रिटायर हो गया था।

77 मीटर लंबे इस जहाज में एक हाई-स्पीड वाटर-जेट प्रोपल्शन सिस्टम लगा है, जो इसे त्वरित प्रतिक्रिया और निरंतर संचालन के लिए 25 समुद्री मील की अधिकतम गति प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। नौसेना ने कहा कि कोलकाता स्थित गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स द्वारा निर्मित, आईएनएस अंजदीप एक अत्याधुनिक पोत है जिसे विशेष रूप से तटीय युद्ध वातावरण की चुनौतियों का सामना करने के लिए डिजाइन किया गया है। पनडुब्बी रोधी युद्ध की भूमिका के अलावा यह युद्धपोत तटीय निगरानी, कम तीव्रता वाले समुद्री अभियानों और खोज एवं बचाव अभियानों को अंजाम देने के लिए भी सुसज्जित है।

अफग़ानिस्तान ने पाकिस्तान पर की एयरस्ट्राइक!

इस्लामाबाद और नौशेरा के मिलिट्री कैंपों पर की बमबारी, 55 सैनिक किए ढेर

काबुल **(एजेंसी)**। अफग़ानिस्तान ने डूरंड रेखा पर बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। अफग़ानिस्तान के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, उनकी वायुसेना ने आज सुबह करीब 11 बजे पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद सहित कई रणनीतिक सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर जबरदस्त हवाई हमले किए हैं। सामने आई रिपोर्टों के मुताबिक, अफगान एयरफ़ोर्स ने इस्लामाबाद के फैज़ाबाद स्थित एक मिलिट्री कैंप पर हमला किया है। इसके अलावा नौशेरा कैंट, जमरूद की मिलिट्री कॉलोनी और एबटाबाद में स्थित सैन्य बैरकों और अहम ठिकानों को भी निशाना बनाया गया है। अफगान मंत्रालय ने दावा किया है कि इस ऑपरेशन में उन्होंने पाकिस्तानी सेना की महत्वपूर्ण सुविधाओं और सैन्य केंद्रों को सफलतापूर्वक ध्वस्त कर दिया है। अफग़ानिस्तान ने साफ किया है कि यह कार्रवाई कल रात काबुल, कंधार और पक्तिया प्रांतों में पाकिस्तानी सेना द्वारा किए गए हवाई हमलों का करारा जवाब है।

अफग़ानी टीवी चैनल 'ॐ' ने इस युद्ध जैसी स्थिति के कई वीडियो भी प्रसारित किए हैं, जिसमें अफ़ग़ान कमांडर अपने वरिष्ठ अधिकारियों को युद्ध के मैदान की पल-पल की जानकारी दे रहे हैं।

न्यूज़ चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, इस भीषण सैन्य कार्रवाई में पाकिस्तान के कम से कम 55 सैनिक मारे गए हैं। अफगान सेना ने डूरंड लाइन पर कार्रवाई करते हुए पाकिस्तानी सेना के दो मुख्यालयों (हेडक्वार्टर) और 19 सैन्य चौकियों पर अपना नियंत्रण स्थापित कर लिया है।

'कोई नहीं कर सकता हमारे आदेश का उल्लंघन', बंगाल एसआईआर पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि न तो चुनाव आयोग और न ही राज्य सरकार हमारे आदेशों का उल्लंघन करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि हमने स्पष्ट कर दिया है कि किन दस्तावेजों की जांच की जानी है। हमारे आदेश बिलकुल स्पष्ट हैं।

सुप्रीम कोर्ट में पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से बताया गया कि चुनाव आयोग ने राज्य में मतदाता सूचियों के एसआईआर में तैनात न्यायिक अधिकारियों के लिए एक प्रशिक्षण मॉड्यूल जारी किया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर टिप्पणी की कि वह अपने न्यायिक अधिकारियों को जानता है और वे किसी भी चीज से प्रभावित नहीं होंगे।

न्यायिक अधिकारियों के लिए जारी किया प्रशिक्षण मॉड्यूल : बंगाल सरकार

पश्चिम बंगाल की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिबल ने मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ के

सामने इस मामले का उल्लेख किया। उन्होंने पीठ से कहा, 'चुनाव आयोग ने पीठ पीछे न्यायिक अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। एक प्रशिक्षण मॉड्यूल जारी किया है जिसमें कहा गया है कि उन्हें क्या स्वीकार करना चाहिए और क्या नहीं।'

इस पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि राज्य में इस प्रक्रिया के लिए तैनात न्यायिक अधिकारी इस संबंध में फैसले लेंगे। सीजेआई ने कहा, 'हम इस तरह की बातें बर्दाश्त नहीं कर सकते। इसका अंत होना चाहिए। हम अपने न्यायिक अधिकारियों को जानते हैं और वे किसी भी चीज से प्रभावित नहीं हो सकते।' इसके साथ सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अदालत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि किन दस्तावेजों की जांच की जानी है।

हमारे आदेशों से आगे कोई नहीं जाएगा :सुप्रीम कोर्ट

न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची ने कहा कि हमारे आदेश बिलकुल स्पष्ट हैं। पीठ ने कहा कि न तो चुनाव आयोग और न ही राज्य सरकार इस मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा पारित आदेशों से आगे जाएगी।

पश्चिम बंगाल सरकार और चुनाव आयोग के बीच चल रहे गतिरोध से निराश होकर शीर्ष अदालत ने 20 फरवरी को एक 'असाधारण' निर्देश जारी किया। इसमें राज्य में विवादित मतदाता सूचियों की एसआईआर में चुनाव आयोग की सहायता के लिए सेवारत और पूर्व जिला न्यायाधीशों को तैनात करने का निर्देश दिया गया।

भारतीय मूल की डॉक्टर का खौफनाक 911 कॉल बेटी की मौत के बाद पुलिस को किया फोन

फ्लोरिडा **(एजेंसी)**। अमेरिका में भारतीय मूल की एक डॉक्टर से जुड़ा दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। फ्लोरिडा में चार साल की बच्ची की मौत के कई महीनों बाद अब अमेरिकी अधिकारियों ने उस 911 कॉल को सार्वजनिक किया है, जो बच्ची की मां ने घटना के वक्त किया था। जांच एजेंसियों का कहना है कि यह कॉल बच्ची की मौत को छिपाने के लिए रचा गया नाटक था। आरोपी डॉक्टर का नाम डॉ. नेहा गुप्ता है। वह पेशे से बाल रोग विशेषज्ञ हैं और ओक्लाहोमा में रहती थीं। जून 2025 में वह अपनी चार साल की बेटी आरिया तलाठी के साथ मियामी (फ्लोरिडा) घूमने गई थीं। दोनों एक शॉर्ट-टर्म रेंटल होम में ठहरी थीं, जहां यह घटना हुई।

मियामी-डेड शेरिफ कार्यालय के मुताबिक, 37 साल की नेहा गुप्ता ने जांचकर्ताओं को बताया कि आधी रात को उनकी बेटी घर से बाहर निकल गई और स्विमिंग पूल में गिर गई। नेहा का कहना था कि वह सो रही थीं, तभी किसी आवाज से उनकी नींद खुली और उन्होंने बच्ची को पूल में देखा।

अधिकारियों द्वारा जारी की गई 911 रिकॉर्डिंग में नेहा गुप्ता कहती सुनाई देती हैं, 'वह पूल में थीष्ठ मैंने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन मुझे तैरना नहीं आता। मैंने उसे बाहर निकालने की कोशिश की।' वह डिस्पैचर से कहती हैं कि घर में सिर्फ वही और उनकी बेटी थीं। जब उनसे पूछा गया कि क्या बच्ची होश में है, तो उन्होंने कहा, 'नहींष्ठ वह पूल के नीचे है, हिल नहीं रही।' डिस्पैचर ने बार-बार नेहा से कहा कि किसी भी तरह बच्ची को पानी से बाहर निकालें, लेकिन नेहा बार-बार यही पूछती रहीं कि एम्बुलेंस कब पहुंचेगी।

डिस्पैचर ने उनसे पूल की गहराई के बारे में पूछा। इस पर नेहा ने कहा, 'शायद नौ फीट है, मुझे ठीक से नहीं पता।' कुछ ही देर बाद जब पुलिस

मौके पर पहुंची, तो नेहा दरवाजा खोलने चली गईं। इसके बाद पुलिस अधिकारियों ने खुद बच्ची को पूल से बाहर निकाला।

नेहा गुप्ता ने पैरामेडिक्स को बताया कि उन्हें नहीं पता बच्ची कितनी देर पूल में रही, अंदाजा लगाया कि करीब 20 मिनट। लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने उनकी कहानी को पूरी तरह झूठा साबित कर दिया। रिपोर्ट में सामने आया कि बच्ची के फेफड़ों और पेट में पानी नहीं था, इसका मतलब बच्ची की मौत पूल में डाले जाने से पहले ही हो चुकी थी। जांचकर्ताओं का मानना है कि बच्ची की दम घोंटकर हत्या (एस्दूपेग्हु) की गई और बाद में उसे पूल में डाला गया।

इन सब सबूतों के बाद डॉ. नेहा गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें जमानत नहीं मिली और वह अब भी जेल में हैं। हालांकि नेहा और उनके वकील लगातार कह रहे हैं कि आरिया की मौत एक हादसा थी। नेहा गुप्ता की अगली कोर्ट पेशी मई में होनी है।

जांच में यह भी सामने आया कि घटना से पहले आरिया के पिता ने पूरा कस्टडी लेने की अर्जी दी थी। उन्होंने कोर्ट और पुलिस को बताया था कि उन्हें नेहा की मानसिक स्थिति को लेकर चिंता थी। पिता ने यह भी कहा कि उन्हें इस बात की कोई जानकारी नहीं थी कि उनकी बेटी को फ्लोरिडा ले जाया गया है।

डिजिटल धोखाधड़ी पर आरबीआई का बड़ा एक्शन, बैंकों और पुलिस को दिए मिलकर काम करने के कड़े निर्देश

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बृहस्पतिवार को कहा कि डिजिटल धोखाधड़ी को रोकने के लिए सभी संबंधित पक्षों के बीच समन्वय जरूरी है। आरबीआई ने 60 प्रमुख बैंकों के कार्यकारी निदेशकों और धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन प्रमुखों के लिए दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया था। यह कार्यशाला बुधवार को संपन्न हुई। कार्यशाला में केंद्रीय गृह मंत्रालय के भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) और महाराष्ट्र पुलिस के अधिकारियों ने भाग लिया। आरबीआई ने एक बयान में कहा, "कार्यशाला में इस तरह की धोखाधड़ी को लेकर बढ़ती चिंताओं को प्रभावी ढंग से दूर करने के लिए सभी संबंधित पक्षों के बीच मजबूत समन्वय की जरूरत बतायी गयी।" साइबर धोखाधड़ी की रोकथाम और उसे कम करने के लिए मजबूत संचालन और निगरानी व्यवस्था, मजबूत आंतरिक नियंत्रण, सुव्यवस्थित प्रक्रियाओं और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के उपयोग के महत्व पर जोर दिया गया।

क्या ट्रंप ने बना लिया ईरान पर हमले का प्लान? तनाव के बीच अमेरिका ने इजराइल में तैनात किए एफ22 लड़ाकू विमान

वाशिंगटन। मध्य पूर्व में ईरान को लेकर जारी तनाव के बीच अमेरिका ने एक अहम रणनीतिक कदम उठाया है। पहली बार अमेरिका ने अपने अत्याधुनिक एफ22 रैप्टर स्टेल्थ लड़ाकू जेट्स को इज़राइल के एयरबेस पर तैनात किया है। यह कदम संभावित युद्ध की तैयारी का संकेत माना जा रहा है। कम से कम 12 अमेरिकी एफ22 स्टेल्थ फाइटर इज़राइल के दक्षिणी एयरबेस पर उतरे हैं, जहां वे क्षेत्रीय सुरक्षा तथा संभावित हमलों के जवाब में तैनात किए गए हैं। यह तैनाती अमेरिका की बढ़ती सैन्य उपस्थिति का हिस्सा है, जिसमें कई प्रकार के एयर और नेवल संसाधन पहले से ही क्षेत्र में भेजे जा चुके हैं। एफ22 रैप्टर को दुनिया के सबसे उन्नत एयर सुपीरियरिटी स्टेल्थ विमान के रूप में जाना जाता है। यह

विमान रडार से बचकर उड़ान भरने, दुश्मन एयर डिफेंस सिस्टम को भेदने और ज़रूरत पड़ने पर सटीक हमला करने की क्षमता रखता है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु कार्यक्रम तथा मिसाइलों को लेकर स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। अमेरिका ने ईरान को हाल के दौर की बातचीत में परमाणु हथियार नहीं बनाने की चेतावनी दी है और अगर कूटनीति विफल होती है तो सैन्य विकल्प भी इस्तेमाल किए जा सकते हैं। इज़राइल के रक्षा अधिकारियों का मानना है कि अगर तनाव वार में बदलता है तो यह तैनाती महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। वहीं, इज़राइल और अमेरिका के बीच सैन्य सहयोग पहले से ही मजबूत है और यह कदम उसे और गहरा कर सकता है।

बंगाल में भूकंप के ज़ोरदार झटके, 5.3 तीव्रता से कांप उठी धरती, घरों से बाहर निकले लोग

कोलकाता **(एजेंसी)**। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में शुक्रवार दोपहर भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। ध?ती हिलने के बाद लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। बताया गया है कि रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5.0 थी। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक भूकंप का केंद्र बांग्लादेश के खुलना से लगभग 26 किलोमीटर दूर था। भूकंप से किसी प्रकार की जान-माल की क्षति की सूचना फिलहाल नहीं है।

अधिकारियों ने बताया कि दोपहर में करीब 1 बजकर 22 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। लोगों के मुताबिक भूकंप के झटके कुछ समय तक महसूस हुए। ऐसे में लोग अपने घरों और कार्यालयों की बिल्डिंग से बाहर आ गए। कई जगहों पर ऑफिस खाली हो गए हैं। लोगों में आफ्टरशॉक का डर बना हुआ है। आम तौर पर भूकंप के झटके के बाद कई बार धरती हिलने की संभावना रहती है।

कई इलाकों के निवासियों ने बताया कि भूकंप के झटकों के दौरान छतों के पंखे, फर्नीचर और खिड़की दरवाजे हिलने लगे, जिसका सबसे ज्यादा असर बहुमंजिला इमारतों में देखने को मिला। ऊंची इमातों में तेज थरथराहट महसूस हुई और लोग उतरकर नीचे आ गए।

दो महीने में कोलकाता में तीसरी बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। इस बार झटके करीब 1 मिनट तक महसूस किए गए। कोलकाता में पिछले कुछ सालों में भूकंप के झटके आए हैं लेकिन किसी की तीव्रता 5 तक नहीं रही है। अधिकारियों ने बताया कि इस बार भूकंप की तीव्रता भले ही रिक्टर स्केल पर 5.0थी लेकिन यह इतना तेज महसूस हुआ कि लग रहा था तीव्रता 6 होगी।

अमेरिका-यूक्रेन बातचीत के बीच रूस का सबसे बड़ा हमला, 459 ड्रोन-मिसाइलों से दहला यूक्रेन, कई इलाकों में बिजली-गैस ठप

मॉस्को **(एजेंसी)**। रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने की कोशिशें तेज़ हो रही थीं, तभी रूस ने यूक्रेन पर अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला कर दिया। एक तरफ अमेरिका और यूक्रेन के प्रतिनिधि स्विट्ज़रलैंड के जिनेवा में शांति और पुनर्निर्माण पर चर्चा कर रहे थे, वहीं दूसरी ओर रूस ने सैकड़ों ड्रोन और मिसाइलें दागकर तबाही मचा दी।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के मुताबिक, रूस ने एक ही रात में 420 ड्रोन और 39 मिसाइलें दागीं। इनमें 11 बैलिस्टिक मिसाइलें भी शामिल थीं। कुल मिलाकर यह हमला 459 हवाई हथियारों का था, जिसे युद्ध के सबसे बड़े हमलों में गिना जा रहा है।

जेलेंस्की ने बताया कि रूसी हमलों में यूक्रेन के आठ अलग-अलग क्षेत्रों को निशाना बनाया गया। बिजली स्टेशन, गैस पाइपलाइन और आम लोगों के घरों को भारी नुकसान पहुंचा। कई शहरों में अंधेरा छा गया और गैस सप्लाई बाधित हो गई। इस हमले में बच्चों समेत दर्जनों नागरिक घायल हुए हैं। यूक्रेन की वायुसेना ने दावा किया कि उसने ज्यादातर ड्रोन और मिसाइलें हवा में ही मार गिराईं, लेकिन इतने बड़े हमले को पूरी तरह रोक पाना संभव नहीं था। रूस के रक्षा मंत्रालय ने भी जवाबी बयान जारी किया। मॉस्को का कहना है कि यूक्रेन ने रूस की तेल रिफाइनरियों और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की थी, लेकिन रूसी एयर डिफेंस ने 17 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए। रूसी हमले का समय बेहद अहम माना जा रहा है। उसी वक्त जिनेवा में अमेरिका की ओर से डोनाल्ड ट्रंप के करीबी प्रतिनिधि स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर, यूक्रेन के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद प्रमुख रुस्तम उमेरोव के साथ बैठक कर रहे थे। इस बातचीत का मकसद युद्ध के बाद यूक्रेन के पुनर्निर्माण की योजना और अगले हफ्ते रूस के साथ संभावित त्रिपक्षीय वार्ता की रूपरेखा तैयार करना था। जेलेंस्की ने साफ कहा है कि युद्ध का समाधान तभी निकलेगा, जब उनकी सीधी बातचीत रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से होगी। हालांकि क्रेमलिन ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया है और कहा है कि अगर जेलेंस्की बात करना चाहते हैं तो वे मॉस्को आ सकते हैं।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 **Twitter:** https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 **Mobile No:** 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित। कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)